THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 352 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन पूर्णिमा 2079 मंगलवार, 7 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सिसोदिया को 20 मार्च तक जेल

शराब नीति केस में सीबीआई ने कस्टडी नहीं मांगी, कहा-15 दिन बाद जरूरत पड़ सकती है

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति केस में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सिसोदिया को तिहाड़ जेल में रखा जाएगा। सोमवार को हुई सुनवाई में स्पेशल सीबीआई जज एमके नागपाल ने सिसोदिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा। सीबीआई के वकील ने कहा कि सिसोदिया की और रिमांड नहीं मांगी जा रही है, लेकिन अगले 15 दिनों में जरूरत पड़ने पर दोबारा कस्टडी मांगी जा सकती है।

कोर्ट ने दिए ये निर्देश

जेल सुपरिटेंडेंट आरोपी को मेडिटेशन सेल में रखने की अपील पर ध्यान दें। सिसोदिया को जेल में अपने पास डायरी, पेन, भगवत गीता और चश्मा रखने दिया जाए। पूर्व डिप्टी सीएम को उनकी एमएलसी में लिखी गईं दवाएं लेने की भी अनुमति है। मनीष सिसोदिया अब 20 मार्च को दोपहर 2 बजे कोर्ट में पेश किए जाएंगे। बता दें कि 4 मार्च को कोर्ट ने सिसोदिया की सीबीआई रिमांड दो दिन 6 मार्च तक के लिए बढ़ा दी थी, जो सोमवार को खत्म हो गई। हालांकि, सीबीआई ने कोर्ट से तीन दिन के लिए उनकी कस्टडी मांगी थी।

राबड़ी से सीबीआई ने 4 घंटे पूछताछ की

जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में पूछताछ, राबड़ी बोलीं-ये सब चलता रहता है

पटना, 6 मार्च (एजेंसियां)। जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में सीबीआई की टीम सोमवार सुबह से लालू यादव की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पहुंची। करीब 4 घंटे तक तक सीबीआई के अफसर आवास पर रहे। राबड़ी देवी से पूछताछ के बाद टीम आवास से निकल गई।

इसके बाद राबड़ी देवी विधान परिषद की कार्यवाही में शामिल होने पहुंचीं। छोटे बेटे तेजस्वी यादव आए और उन्हें ले गए। सीबीआई की पूछताछ के सवाल पर राबड़ी देवी ने कहा कि कुछ नहीं हुआ है। ये सब चलते रहता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 12 अफसरों की टीम 2 से 3 गाड़ियों में उनके पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड आवास पर पहुंची थी। इसके विरोध में राजद नेता और कार्यकर्ता आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। इसे देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लैंड फॉर जॉब स्कैम में सीबीआई की चार्जशीट पर कोर्ट ने समन जारी किया है। सीबीआई ने चार्जशीट में लालू प्रसाद के अलावा राबड़ी देवी और 14 अन्य को आरोपी बनाया है। 15 मार्च को कोर्ट में राबड़ी, लालू और मीसा को पेश होने के आदेश दिए गए हैं।

पहले पूछताछ ऑफिस में होनी थी

सुबह जब टीम राबड़ी के घर पहुंची तो उस वक्त बेटे तेज प्रताप और तेजस्वी यादव भी मौजूद थे, लेकिन बाद में वे विधानसभा के लिए निकल गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीबीआई ने राबड़ी देवी से पूछताछ के लिए नोटिस दिया था। पहले ये पूछताछ सीबीआई दफ्तर में होनी थी, लेकिन बाद में उन्हें राहत देते हुए उनके घर पर करने के लिए तैयार हो गई।

तेजस्वी बोले-सीबीआई यहीं पर दफ्तर खोल लें

डिप्टी सीएम तेजस्वी ने कहा कि तथाकथित जमीन के बदले नौकरी के मामले में सीबीआई आई है। जिस दिन से सरकार बनी है, उस दिन से यह हो रहा है। हर महीने हो रहा है।

मैं तो कहता हूं कि सीबीआई आवास पर ही दफ्तर खोल दे। पहले भी इस केस की सीबीआई कई बार जांच करके बंद कर चुकी है। रेलवे ने इसे घोटाला नहीं माना है। तेजस्वी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि रेलमंत्री रहते हुए लालू ने 90 हजार करोड़ का फायदा कराया था। उन्हें मैनेजमेंट ऑफ गुरु कहा जाता है।

सीएम नीतीश ने तेजस्वी यादव से पूछा-सब गया?

विधानसभा की कार्यवाही में शामिल होने जा रहे सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की मुलाकात हुई। सीएम ने तेजस्वी से पूछा कि सब गया? इस पर तेजस्वी ने कहा कि हां सब गया। तब सीएम ने पूछा कि मम्मी राबड़ी देवी विधान परिषद आ रही हैं। इसी दौरान राबड़ी देवी भी पहुंच गईं। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राबड़ी देवी के घर सीबीआई का पहुंचना गलत है, विपक्ष के लोगों पर छापे मारना सही नहीं। मैंने कल कहा था कि यह ट्रेंड बन रहा है, जिन राज्यों में विपक्ष है वहां उन्हें काम नहीं करने दिया जाएगा। विधानसभा के बाहर पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी ने कहा- सीबीआई सरकारी संस्था है वो अपना काम करेगी। अगर कुछ होगा तो निकलेगा,नहीं होगा तो नहीं निकलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ये सब बीजेपी के इशारे पर नहीं होता है।

लालू यादव को सीबीआई का समन, जमीन के बदले नौकरी केस में जल्द हो सकती है पूछताछ

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव से भी जल्द ही पूछताछ हो सकती है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सीबीआई अधिकारियों के हवाले से बताया कि जमीन के बदले नौकरी मामले में कुछ दिन पहले सीबीआई ने लालू यादव को नोटिस जारी किया था।

बताया जा रहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी जल्द ही उनसे पूछताछ कर सकती है। इससे पहले बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और लालू यादव का पत्नी राबड़ी देवी के आवास पर सोमवार सुबह सीबीआई की टीम पहुंची। करीब पांच घंटे तक राबड़ी देवी से पूछताछ के बाद टीम राबड़ी आवास से बाहर निकली। सीबीआई अधिकारियों ने मीडियो बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और चले गए। टीम ने जमीन के बदले नौकरी केस में पूछताछ की। उनकी बेटी मीसा भारती समेत 14 लोग आरोपी हैं। 15 मार्च लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया है। सूत्रों की मानें तो सीबीआई की टीम द्वारा पूछताछ का कार्यक्रम पहले से तय था। इसके लिए सीबीआई ने नोटिस भेजी थी। पहले तो यह पूछताछ सीबीआई कार्यालय में होने वाली थी, लेकिन बाद राबड़ी आवास पर पूछताछ करने के लिए टीम पहुंची।

क्या है मामला? दरअसल, 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद यादव यूपीए सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि लालू के रेल मंत्री रहते हुए रेलवे भर्ती में घोटाला हुआ। कहा जा रहा है कि नौकरी लगवाने के बदले आवेदकों से जमीन और प्लॉट लिए गए।

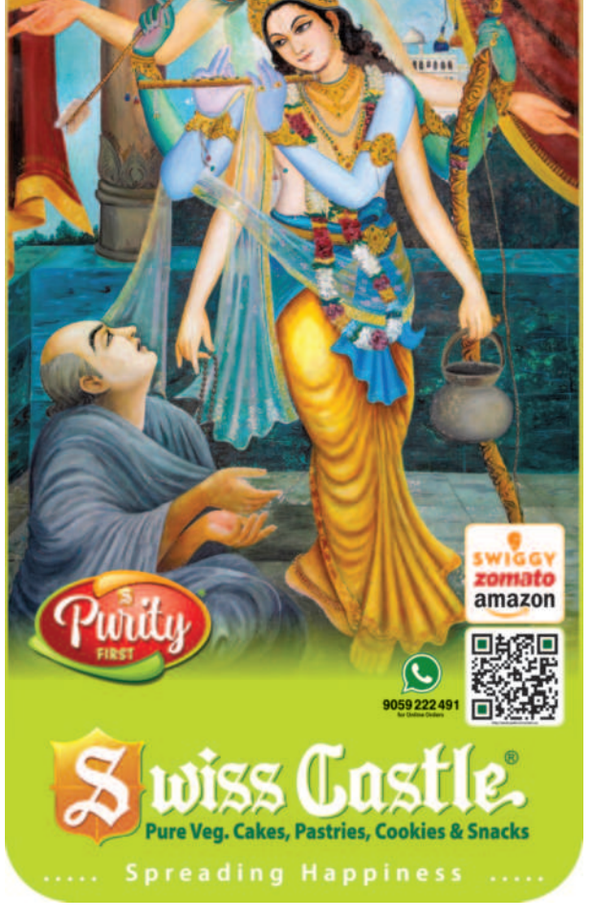

अमिताभ बच्चन शूटिंग के दौरान घायल

हैदराबाद में प्रोजेक्ट K की शूटिंग चल रही थी, पसलियों में चोट आई, सांस लेने में भी दिक्कत

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमिताभ बच्चन हैदराबाद में शूटिंग के दौरान घायल हो गए। उन्होंने सोमवार को अपने ब्लॉग पर इस बात की जानकारी दी। अमिताभ अभी मुंबई में अपने घर पर आराम कर रहे हैं। अमिताभ बच्चन प्रभास की फिल्म प्रोजेक्ट K की शूटिंग कर रहे थे। एक एक्शन सीन के दौरान उनकी पसलियों में चोट आ गई है। हैदराबाद में चेकअप के बाद अमिताभ को मुंबई भेजा गया। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा, 'रिब केज में मांसपेशी फट गई है। शूटिंग को रद्द कर दिया गया है। पट्टी बांधी गई है और इलाज किया जा रहा है। काफी ज्यादा दर्द हो रहा है। हिलने-डुलने में तकलीफ हो रही है। सांस लेने में भी दिक्कत आ रही है। इस दर्द के लिए मुझे कुछ दवाएं दी गई हैं। ठीक होने में अभी कुछ हफ्ते लगेंगे।' बिग बी ने लिखा, जब तक मैं ठीक नहीं हो जाता, तब तक के लिए सारा कामकाज बंद कर दिया गया है। मैं जलसा में आराम कर रहा हूं। जरूरी चीजों के लिए ही थोड़ा बहुत चलूंगा। हां, आराम तो चलता ही रहेगा। >14

इमरान खान को झटका

इस्लामाबाद, 6 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद की एक जिला और सत्र अदालत से करारा झटका लगा है। कोर्ट ने सोमवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें तोशखाना मामले में उनके खिलाफ जारी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट को रद्द करने की मांग की गई थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जफर इकबाल ने मामले की सुनवाई के बाद दिन में फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान इमरान खान के वकील अली बुखारी, कैसर इमाम और गोहर अली खान ने पैरवी की। बुखारी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल ने हमेशा अदालत के आदेशों का पालन किया है। इमाम की दलील थी कि अगर इमरान खान पेश होने को तैयार हैं, तो पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकती। इस पर जज ने कहा कि पीटीआई प्रमुख वारंट के निलंबन के लिए इस्लामाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते थे।

अंग्रेजों पर भड़के मोहन भागवत

बोले-ब्रिटिश शासन से पहले देश के 70% लोग शिक्षित थे, वे हमारा मॉडल अपने देश ले गए

करनाल, 6 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में पहुंचे आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि ब्रिटिश शासन से पहले भारत की 70 फीसदी आबादी शिक्षित थी। उस समय देश में कोई बेरोजगारी नहीं थी और उसी शिक्षा के बलबूते पर सब लोग अपनी आजीविका का रास्ता खोज लेते थे।

मोहन भागवत ने कहा कि जब अंग्रेज भारत में आए तो उन्होंने हमारे देश के शिक्षा के मॉडल को कबाड़ खाने में डाल दिया। यानी हमारे शिक्षा मॉडल को वो अपने देश में ले गए। जबकि अपने देश के मॉडल को अंग्रेजों ने भारत में लागू कर दिया। इससे हुआ ये कि भारत का शिक्षा मॉडल इंग्लैंड में लागू होने के बाद वहां की 70 प्रतिशत आबादी शिक्षित हो गई और उनके शिक्षा मॉडल से हमारे देश में केवल 17 प्रतिशत लोग ही शिक्षित रह गए। मोहन भागवत ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली न केवल रोजगार के लिए थी बल्कि ज्ञान का माध्यम भी थी। शिक्षा सस्ती और सभी के लिए सुलभ थी। इसलिए शिक्षा का सारा खर्च समाज ने उठाया और इस शिक्षा से निकले विद्वानों, कलाकारों और कारीगरों को पूरी दुनिया में पहचान मिली।

ये इतिहास का सत्य है

भागवत ने आगे अपने संबोधन में कहा कि यह इतिहास का सत्य है। हमारे यहां पर शिक्षक सबको सिखाता था, उसमें वर्ग व जाति का भेद नहीं होता। आदमी अपना जीवन अपने बलबूते जी सके यहां तक ही शिक्षा सबको मिलती थी। गांव में जाकर शिक्षक सिखाता था। वह इसलिए नहीं सिखाता था कि उसको अपना पेट पालना था, वो इसलिए सिखाता था कि शिक्षा देना उसका काम है, उसका कर्तव्य है। सिखाना उसका धर्म है और गांव उसकी आजीविका की चिंता करता था। कुछ इस तरह था हमारा पुराना शिक्षा का मॉडल।

इलाज को किफायती बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मोदी

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी सोमवार (6 मार्च) को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च' पर पोस्ट-बजट वेबिनार को संबोधित किया। इसमें पीएम मोदी ने कहा कि हमने हेल्थकेयर को सिर्फ स्वास्थ्य मंत्रालय तक सीमित नहीं रखा है बल्कि इसे सम्पूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा बनाया है। इलाज को किफायती बनाना हमेशा से हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। यह वेबिनार उन 12 पोस्ट-बजट वेबिनार की सीरीज का हिस्सा है, जिनका आयोजन केंद्र सरकार कर रही है। इससे माध्यम से बजट में घोषित पहलों को लेकर विचारों और सुझावों को एकत्र किया जा सके।

मोदी ने आगे कहा कि कोरोना जैसी बड़ी आपदा के कारण पूरी दुनिया का ध्यान 'हेल्थकेयर' पर गया, लेकिन भारत ने अपनी प्राथमिकता हेल्थकेयर से एक कदम आगे यानि 'वेलनेस' को बनाई है, इसलिए हमने दुनिया के सामने विजन रखा है - "वन अर्थ-वन हेल्थ"। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना और जन औषधि केंद्रों पर बात करते हुए कहा कि भारत में इलाज को खरीदने की सामर्थ्य बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है। आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा देने के पीछे यही भाव है। इससे देश के करोड़ों मरीजों के लगभग 80 हजार करोड़ रुपए जो बीमारी में उपचार के लिए खर्च होने वाले थे वो बचे हैं। हमारे यहां करीब 9 हजार जन औषधि केंद्र हैं, और यहां बाजार भाव से बहुत सस्ती दवाएं उपलब्ध हैं। इससे भी गरीब और मिडिल क्लास परिवारों को लगभग 20 हज़ार करोड़ रुपए की बचत हुई है।

260 से अधिक नए मेडिकल कॉलेज खोले

पीएम मोदी ने आगे कहा कि बीते सालों में 260 से अधिक नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। इससे मेडिकल सीटों की संख्या 2014 के बाद आज दोगुनी हो चुकी है। >14

अप्रचलित 65 कानूनों को खत्म करेगी सरकार, संसद सत्र में लाएगी बिल

पणजी, 6 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि सरकार 65 अप्रचलित कानूनों को खत्म करने के लिए आगामी संसद सत्र में बिल पेश करेगी। बता दें कि जिन कानूनों को खत्म किया जाएगा, उनकी जगह या तो नए कानून आ गए हैं या फिर वह अब इस्तेमाल में नहीं हैं। संसद सत्र आगामी 13 मार्च से शुरू होने जा रहा है। गोवा में 23वीं कॉमनवेल्थ लॉ कन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कानून मंत्री ने यह जानकारी दी।

कानून मंत्री ने कहा कि सरकार ये मानती है कि कानून लोगों के लिए होते हैं और अगर यह लोगों की जिंदगी पर बोझ बन जाएं तो ऐसे प्रावधानों को खत्म कर देना चाहिए। बीते साढ़े आठ सालों में हमने ऐसे 1486 कानून खत्म किए हैं।

बजट सत्र का आगामी सत्र 13 मार्च से शुरू हो रहा है। इस बजट सत्र में हम एक बिल पेश करेंगे, जिसमें अप्रचलित 65 कानूनों और प्रावधानों को खत्म किया जाएगा। देश की अदालतों में लंबित मामलों पर किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार लंबित मामलों के खत्म करना चाहती है। देश की अदालतों में 4 करोड़ 98 लाख मामले लंबित हैं। >14

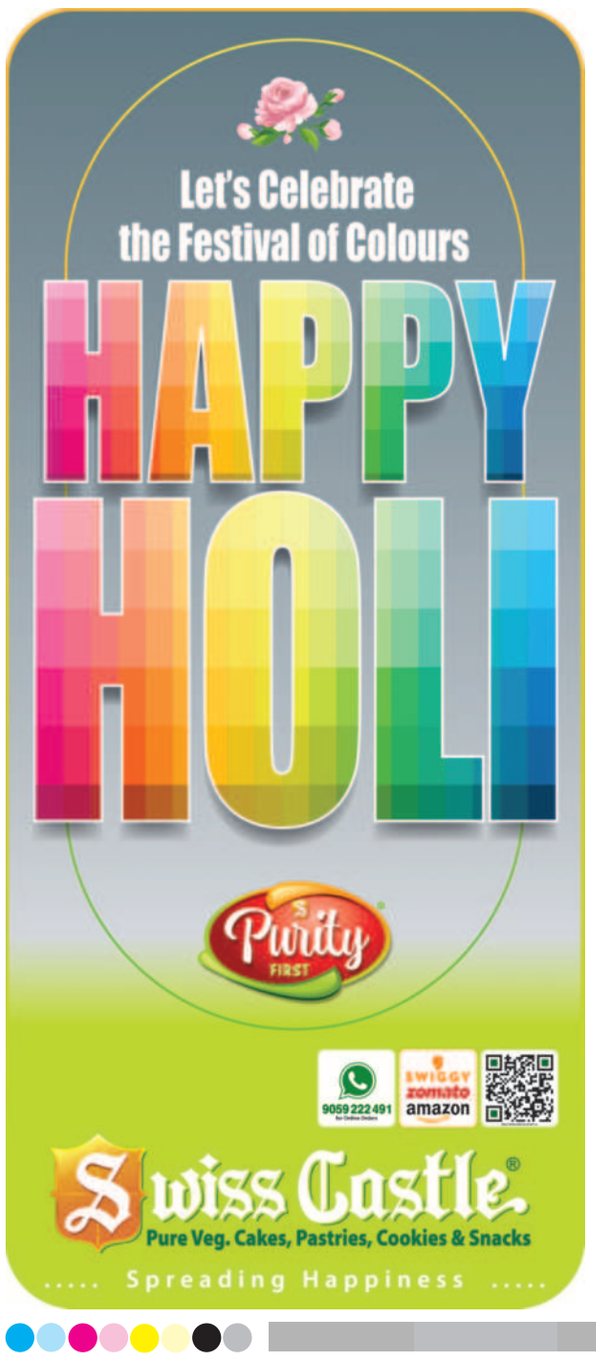

नॉर्थ ईस्ट के बाद भाजपा का टारगेट अब साउथ

राज्यों में लोकसभा की 129 सीटें, जीतने की कोशिश में लगी पार्टी

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ ईस्ट के तीन राज्यों में हाल ही में आए विधानसभा चुनाव के नतीजों से बीजेपी में उत्साह है। अब पार्टी की नजर दक्षिण भारत के राज्यों पर है। बीजेपी को लगता है कि पार्टी इन राज्यों में लोकसभा चुनाव के दौरान बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। दक्षिण के राज्यों में लोकसभा की 129 सीटें हैं। अभी इनमें से बीजेपी के पास केवल 29 सीटें ही हैं। इनमें भी 25 सीटें अकेले कर्नाटक से है। इसलिए बीजेपी की नजर अब दक्षिणी राज्यों की 129 संसदीय सीटों में अधिक से अधिक सेंध लगाने पर टिकी है। नॉर्थ ईस्ट में मिली जीत और दक्षिण भारत के राज्यों में 2019 और 2024 के बीच आए राजनीतिक बदलाव से बीजेपी उत्साहित है। बीजेपी बीजेपी की नजर इस बार दक्षिण में सिर्फ कर्नाटक और तेलंगाना पर ही नहीं है। पार्टी की योजना में तमिलनाडु भी शामिल है।

विधानसभा चुनाव से मिल जाएगा संकेत

2024 लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक और तेलंगाना में विधानसभा चुनावों भी होने हैं। बीजेपी शासित कर्नाटक और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) शासित तेलंगाना में इस साल के अंत में जो विधानसभा चुनाव होंगे। इन चुनावों से इस बात का संकेत मिल जाएगा कि दक्षिण में बीजेपी के लिए माहौल अनूकूल है या नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केरल में बीजेपी की जीत का भरोसा है। तेलंगाना में बीजेपी हाल के दो-तीन विधानसभा उपुचनावों में जीती है। 2020 के हैदराबाद नगम निगम के चुनाव में भी बीजेपी ने अच्छा प्रदर्शन किया। इससे 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी टक्कर देने की स्थिति में आ सकती है।

साउथ में मोदी को चुनौती देने में जुटे ये नेता

तेलंगाना के सीएम केसीआर भी केंद्र से बीजेपी को हटाने की कोशिश में जुट गए हैं। उधर, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के. स्टालिन को एक ऐसे नेता के रूप में पेश किया जा रहा है जो भाजपा को चुनौती देने के लिए गैर-भाजपा मतों को एकजुट कर सकते हैं। कुछ ही समय पहले इसी मकसद से केसीआर ने अपनी पार्टी का टीआरआएस से बदलकर बीआरएस किया और दिल्ली में पार्टी का एक ऑफिस भी खुला। केसीआर यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ विपक्षी एकजुटता की कोशिश में लगे हैं। हाल ही में तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने कहा कि बीजेपी को सत्ता में नहीं आना चाहिए।

तमिलनाडु, केरल और आंध्रप्रदेश में बीजेपी का कोई सांसद नहीं

लोकसभा में बीजेपी के पास जो 29 सीटे कर्नाटक और तेलंगाना से हैं। बीजेपी ने 2019 में कर्नाटक में 28 में से 25 लोकसभा सीटें जीती थी। मांड्या में उसके समर्थित निर्दलीय कैंडिडेतट ने भी बाजी मारी थी। तेलंगाना से चार सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। लेकिन तमिलनाडु, केरल और आंध्रप्रदेश से इस सदन में भाजपा का कोई सांसद नहीं है। लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं को विश्वास है कि तमिलनाडु में माहौल चीजें बीजेपी के पक्ष में आने लगा है।

2021 के विधानसभा चुनाव में द्रमुक लहर के बावजूद भाजपा ने चार सीटों पर जीत दर्ज की थी। उनमें एक तो इरोड जिले में है, जो द्रविड़ आंदोलन के बड़े नेता ई वी रामसामी पेरियार का जन्मस्थान है। पार्टी की प्रदेश इकाई ने 2024 के आम चुनाव में 15 सीट जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भाजपा महसूस करती है कि तमिलनाडु में 2024 के लोकसभा चुनाव पहले के चुनाव से भिन्न होंगे। बीजेपी कर्नाटक के बाद तेलंगाना को अगले एक ऐसे राज्य में रूप में देखती है, जहां उसे लगता है कि राज्य की सत्ता में उसके आने की संभावना है।

रोचक खबरें

मुंह को रास्ता समझ पेट में घुस गया सांप, खींचकर निकालना पड़ा बाहर

देखते ही डॉक्टर भी रह गए हैरान

सांप एक ऐसा जीव होता है जिसका नाम सुनते ही खौफ हो जाता है. अगर सामने आ जाये तो दहशत से भर उठता है. सांप ऐसा जीव है जो कभी भी और कहीं भी घुसकर छुप सकता है. कपड़ों में, जूतों में, छोटे बिल में, अलमारी, घर के कोने हर जगह छुप कर बैठ जाता है सांप. लेकिन इस बार तो एक सांप ने हद कर दी. महिला के मुंह के रास्ते पेट में जा पहुंचा 4 फीट लंबा सांप. ट्विटर के @Fascinate-Flix पर शेयर एक वीडियो में महिला के पेट से निकलते सांप को देखकर आप दंग रह जाएंगे. बताया गया कि गहरी नींद में सोती महिला के मुँह में सांप घुस गया और पेट तक जा पहुंचा बाद में डॉक्टरों ने सांप को बाहर निकाला तो चार फिट सांप को देख डॉक्टरों की टीम भी हैरान रह गई. वीडियो को 19 लाख से ज्यादा व्यूज मिले हैं.

मुंह में घुसा और पेट में पहुंच गया ज़िंदा सांप

वायरल वीडियो वाकई हैरानी से भरा हुआ है. जिसे देखकर किसी को भी अपने आंखों पर भरोसा करना मुश्किल हो जाएगा. वीडियो में ऑपरेशन थिएटर में बेहोश लेटी महिला दिखाई दे रही है जिसके मुंह के जरिए डॉक्टर्स कुछ निकालने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं. तभी खींचकर डॉक्टरों ने बाहर निकाला 4 फिट लंबा सांप. जिसे देखते ही डॉक्टर भी हैरानी से दो कदम पीछे छटक गई. वीडिओ ने लोगों को आश्चर्य में डाल दिया कि आखिर कोई इंसान इतनी गहरी नींद में कैसे सो सकता है, कि उसके मुंह में सांप चला जाए और उसे पता भी न चले.

मगरमच्छ ने किया अपनी ताकत का प्रदर्शन, लोहे की सलाखें तोड़ हुआ फरार

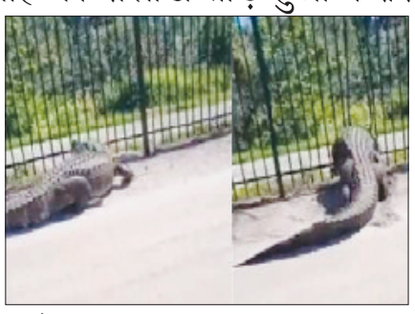

मगरमच्छ के बारे में कहा जाता है कि वह बहुत ताकतवर जानवर है, जो जिंदा इंसान को निगल जाता है। नदी और झीलों के किनारे रहने वाला यह जानवर ज्यादातर समय पानी में ही रहता है। इनकी लम्बाई को लेकर अनुमान लगाया जाता है कि यह 20 फीट लम्बा होता है और इसका वजन एक हजार किलो से ज्यादा होता है। अपने वजन के अनुरूप ही इनकी ताकत होती है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक मगरमच्छ लोहे की सलाखों को तोडक़र स्वयं आजादा करता नजर आ रहा है। @TheFigen_ नाम एक ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें मगरमच्छ बाड़े से भागने की कोशिश कर रहा है। उसका यह प्रयास रंग लाता है और वह स्वयं को पिंजरे से आजाद कर लेता है। वीडियो में दिखाया गया है कि बाड़े के चारों तरफ लोहे की सलाखें लगी हुई है। मगरमच्छ उन सलाखों में सबसे पहले अपना मुंह घुसाता है और धीरे-धीरे शरीर को बाहर निकालने लगता है। देखते ही देखते सलाखें मुडने लगती हैं और फिर धीरे-धीरे वह पूरी तरह से बाहर आ जाता है। यह घटना अमेरिका की फ्लोरिडा शहर की है। मगरमच्छ की ताकत का यह वीडियो देखकर दर्शक हैरान हैं। हालांकि इस वीडियो को देखने के बाद दर्शकों का यह कहना है कि यह वीडियो एडिटेड है। मगरमच्छ कितना ही ताकतवर क्यों न हो वो इस तरह का व्यवहार नहीं कर सकता है। इस वीडियो को अब तक सोशल मीडिया पर 20 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है और 28 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके है।

आंख में चलते हैं जिंदा कीड़े, करते हैं हर वक्त परेशान

फिर भी इलाज को डॉक्टर नहीं तैयार

डॉक्टरों को धरती का भगवान कहा जाता है. माना जाता है कि इंसान की सभी शारीरिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निदान डॉक्टरों के पास मौजूद होता है. अपने इलाज से वो मरते इंसान को भी जिंदा कर सकते हैं बेजान लोगों में जान फूंक सकते हैं लेकिन एक शख्स के लिए डॉक्टर भगवान नहीं बन पा रहे. ना ही उसकी समस्या का निदान कर पा रहे हैं. यही वजह है कि चीन का वो शख्स बेहद परेशान है. जिसकी समस्या को लेकर डॉक्टरों ने सरेंडर कर दिया.

चीन के एक शख्स लियू के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है. उसकी आँखों की अंदरुनी हिस्से पर जिंदा कीड़े चलते हैं मगर डॉक्टर उसका इलाज करने से हाथ खड़े कर चुके हैं. कई डॉक्टरों के चक्कर लगाने के बावजूद उसे ऐसा ही जवाब मिला अब उसे समझ में नहीं आ रहा है कि वह अपनी समस्या का निदान कैसे पायेगा.

लियू के मुताबिक उन्हें पिछले महीने ही खुद की एक ऐसी समस्या के बारे में पता चला जिससे वो अब तक अनजान थे. उन्हें अहसास हुआ कि बाईं आंख में कुछ हरकत हो रही है जो उन्हें बार बार परेशान कर रही थी. पेरेंट्स ने कह दिया कि नसों में ऐसी हरकतें होती रहती है लिहाजा वो शांत हुए लेकिन ये समस्या तब विकराल लगने लगी जब उन्हें बेतहाशा दर्द ने परेशान कर दिया. जिसके बाद अस्पताल जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचा लेकिन डॉक्टरों ने उनकी समस्या को देखने के बावजूद कुछ न कर पाने की मजबूरी बताकर वापस भेज दिया.

चीन के हेनान प्रोविंस में रहने वाले लियू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उनकी आंख में चलते कीड़े साफ महसूस किए जा सकते हैं. लेकिन जो कि डॉक्टरों ने इलाज से साफ इनकार कर दिया ऐसे में सोशल मीडिया के जरिए लियू ने पूछा कि आखिर वो इन पैरासाइट से कैसे बचें. करीब 2 साल पहले भी चीन से एक ऐसी ही घटना सामने आई थी जब 60 साल के बुज़ुर्ग की आँखों में दिक्कत होने के बाद जब डॉक्टरों ने चेकअप किया तो दंग रह गए. फिर इलाज के बाद आंख के अंदर से 20 जिंदा कीड़ों की सर्जरी कर निकाला गया था. उनकी रु का नाम डॉक्टरों ने नेमाटोड बताया जो ऐसे परजीवी है जो कुत्ते और बिल्लियों में पाए जाते हैं हालांकि तब ये साफ नहीं हो पाया मरीजी की आखों में वो कीड़े आखिर पहुंचे कैसे.

गोइंदवाल जेलकांड पर भड़के मूसेवाला के पिता

बलकौर सिंह बोले-नहीं संभलता पंजाब तो हाथ खड़े कर दो, खुद गवर्नर राज लग जाएगा

अमृतसर, 6 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के तरनतारन की गोइंदवाल जेल में हुई गैंगवार और अब उसकी वीडियो के वायरल होने पर सिद्धू मूसेवाला के पिता की प्रतिक्रिया आ गई है। सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने इस घटनाक्रम को सरकार का फेलियर बताया है। इतना ही नहीं, सरकार को स्पष्ट कहा है कि अगर पंजाब नहीं संभल रहा तो हाथ खड़े कर देने चाहिए।

सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह का कहना है कि उन्होंने गोइंदवाल साहिब जेल की वीडियो देखी है। इस वीडियो में बदमाशों के हौंसले देखो। वीडियो में दिनदहाड़े कत्ल किया गया। इसके बाद बदमाश गालियां निकाल रहे हैं और जेल में हुए कत्ल की जिम्मेदारियां ले रहे हैं। सरकार को और कानून को टिच समझ रहे हैं, जैसे कह रहे हों, करो क्या करते हो। इससे बड़ा सरकार का फेलियर क्या हो सकता है। अगर आपके (आप सरकार) के हाथों में कुछ नहीं है तो हाथ खड़े कर दो। अपने आप गवर्नर राज लग जाएगा या कुछ और हो जाएगा। राज्य को चलाने के लिए कोई ना कोई तो हल होगा ही।

वीडियो के बाद दी प्रतिक्रिया

गौरतलब है कि इस रविवार को ही गोइंदवाल साहिब में हुई गैंगवार के दो वीडियो सामने आए हैं। जिसके बाद आम आदमी पार्टी की सरकार एक बार फिर विपक्ष के निशाने पर है। वहीं दूसरी तरफ इस घटनाक्रम में सिद्धू मूसेवाला के हत्यारे भी मारे गए। जिसके बाद अब सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

उद्धव ठाकरे गुट ने निजीकरण को बताया अल कायदा से भी खतरनाक

केंद्र पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। उद्धव बाला साहेब ठाकरे शिवसेना ने केंद्र की मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अपने मुखपत्र सामना में लिखे एक लेख में उद्धव गुट ने भाजपा को भ्रष्टाचार धुलाई मशीन बताया है और केंद्र सरकार पर अधिनायकवादी तरीके से शासन चलाने का आरोप लगाया। बता दें कि नौ विपक्षी पार्टियों के नेताओं, जिनमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी शामिल हैं, ने प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में केंद्र सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के विपक्षी नेताओं के खिलाफ गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया गया है।

एनसीपी मुखिया शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने भी इस पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। सामना के संपादकीय में लिखा गया है कि अब समय आ गया है कि भाजपा के भ्रष्टाचार धुलाई मशीन के खिलाफ खड़ा हुआ जाए और देश को बचाया जाए। विपक्षी नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जो पत्र लिखा गया है, उसमें सरकार के अधिनायकवाद पर प्रकाश डाला गया है। पत्र में लिखा गया है कि किस तरह से 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई बढ़ गई है। जिन नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं, उनके भाजपा में शामिल होते ही उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती!

लेख में उद्धव बाला साहेब ठाकरे की शिवसेना ने आरोप लगाया कि इस समय देश में अराजकता की स्थिति है। स्वायत्त सरकारी संस्थानों का निजीकरण किया जा रहा है। यह अल कायदा और तालिबान से भी ज्यादा खतरनाक है। चुनाव आयोग सरकार का समर्थन कर रहा है, यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यों वाली कमेटी बनाने के निर्देश दे दिए हैं। लेख के अनुसार, सत्ता में बने रहना और विपक्षी पार्टियों को प्रताड़ित करना, देश में लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

हाल ही में राहुल गांधी ने लंदन की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में केंद्र सरकार की आलोचना की, जिस पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। इस पर शिवसेना ने अपने मुखपत्र में लिखा कि अगर राहुल गांधी देश की बदनामी कर रहे हैं तो यह पूछा जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री जब विदेशों में जाकर इंदिरा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, राजीव गांधी की सरकार के फैसलों की आलोचना करते हैं तो क्या वह देश की बदनामी नहीं कर रहे थे? शिवसेना ने आरोप लगाया कि भाजपा ने भ्रष्टाचार के जरिए हजारों करोड़ रुपए जमा कर लिए हैं और उन पैसों को अदाणी ग्रुप में निवेश कर दिया है। शिवसेना ने मौजूदा सरकार को सबसे ज्यादा भ्रष्ट सरकार बताया। शिवसेना ने बेंगलुरु में भाजपा विधायक के बेटे के पास से आठ करोड़ रुपए नकद मिलने का मामला उठाया और कहा कि अब सीबीआई और ईडी कहीं दिखाई नहीं दे रही हैं और ना ही पार्टी का काई नेता इस पर कुछ बोल रहा है।

विपक्ष को ईडी, सीबीआई या राज्यपाल के जरिए परेशान किया जा रहा है : केजरीवाल

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। राबड़ी देवी के घर सीबीआई पहुंचने पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह ग़लत है,विपक्ष के लोगों पर छापे मारना सही नहीं। केजरीवाल ने कहा कि मैंने कल कहा था कि यह ट्रेंड बन रहा है कि जिन राज्यों में विपक्ष है वहां उन्हें काम नहीं करने दिया जाएगा। विपक्ष को ईडी, सीबीआई या राज्यपाल के जरिए परेशान किया जाता है ।

आपको बता दे कि सीबीआई ने सोमवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर नौकरी के लिए जमीन घोटाले के सिलसिले में छापेमारी की। सीबीआई के एक सूत्र ने कहा, हम मामले में जांच कर रहे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी को मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मिल गई है। जनवरी में, एजेंसी ने संबंधित अदालत के समक्ष अभियोजन स्वीकृति पत्र प्रस्तुत किया था। सीबीआई ने पिछले साल अक्टूबर में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और उनकी बेटी हेमा यादव सहित मामले में 16 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। सीबीआई ने कहा था कि जांच के दौरान यह पाया गया है कि आरोपियों ने मध्य रेलवे के तत्कालीन महाप्रबंधक और केंद्रीय रेलवे के सीपीओ के साथ साजिशकर जमीन के बदले में अपने या अपने करीबी रिश्तेदारों के नाम पर लोगों को नियुक्त किया था।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल

शिमला के रामपुर में हिंदू मंदिर परिसर में मुस्लिम जोड़े ने किया निकाह

शिमला, 6 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर में मुस्लिम जोड़े ने सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश की है। रामपुर के सत्य नारायण मंदिर परिसर में मुस्लिम जोड़े ने शादी की। विश्व हिंदू परिषद के ठाकुर सत्य नारायण मंदिर परिसर में बैंक्वेट हॉल है जो शादियों और अन्य कई धार्मिक सामाजिक कार्यक्रमों के लिए बुक किया जाता है। मंदिर परिसर में मौलवी ने निकाह पढ़ा। इस दौरान वकील भी गवाह के तौर पर मौजूद रहे। हिंदू मंदिर परिसर में हुई इस शादी का मुख्य मकसद लोगों में आपसी भाईचारा व धार्मिक सामंजस्य बनाए रखना है। गौर रहे कि सत्य नारायण मंदिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद का जिला कार्यालय है।

ठाकुर सत्य नारायण मंदिर ट्रस्ट के महासचिव विनय शर्मा ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद इस मंदिर का संचालन करती है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यालय का भी कामकाज देखा जाता है। विनय शर्मा ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को मुस्लिम विरोधी कहा जाता है। लेकिन आज यहां मुस्लिम जोड़े ने शादी कर यह मिसाल पेश की है कि सनातन धर्म प्रेरणा देता है कि सबको साथ लेकर आगे बढ़ें। दुल्हन के पिता महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद और मंदिर ट्रस्ट का इस शादी को पूर्ण करवाने में अपार सहयोग मिला। ऐसा करके रामपुर के लोगों ने भाईचारे की मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि हमें एक दूसरे को गुमराह कर आपसी भाईचारा व धार्मिक सामंजस्य खराब नहीं करना चाहिए।

नाबालिग ने यू-ट्यूब देख घर पर बच्ची को जन्म दिया, फिर मार डाला

नागपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। नागपुर के अंबाझरी में एक प्रेग्नेंट नाबालिग ने यू-ट्यूब वीडियो देखकर खुद ही अपनी डिलीवरी की। किसी को इस बात का पता न चले इसलिए पैदा होते ही नवजात बच्ची का गला दबाकर मार डाला। 15 साल की लड़की ने नवजात की लाश अपने ही घर में एक बक्से में छिपाकर रख दी। घटना 2 मार्च की है, लेकिन इसका पता रविवार को तब चला, जब लड़की की मां घर लौटी। लड़की ने मां को पूरी कहानी सुनाई। मां उसे हॉस्पिटल लेकर गई। नवजात की लाश पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दी है। पुलिस ने आरोपी पर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद नाबालिग लड़की पर हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा।

सिक्किम को मिला दुनिया के पहले पूर्ण जैविक खेती वाले राज्य का दर्जा

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। सिक्किम दुनिया का पहला जैविक राज्य कई माह पहले बन गया था लेकिन अब उसे प्रमाण पत्र भी मिल गया है।

लंदन की वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने सिक्किम को दुनिया के पहले जैविक प्रदेश का प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। सिक्किम को अपराध मुक्त प्रदेश और सबसे अच्छे प्रशासन वाला राज्य भी माना गया है। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने इसे लेकर सिक्किम को बधाई दी है। सिक्किम के पहला जैविक प्रदेश बनने पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सिक्किम के चार मंत्रियों के साथ मिलकर एक विशेष डाक कवर भी जारी किया। बता दें कि साल 1960 में भारत में हरित क्रांति की शुरुआत हुई थी। इसके चलते अधिक अनाज उत्पादन के लिए फर्टिलाइजर्स का इस्तेमाल भी बढ़ा।

जिससे मिट्टी की गुणवत्ता और पानी, हवा बुरी तरह प्रभावित हुई है। ऐसे हालात में भारत के उत्तर पूर्वी राज्य सिक्किम ने जैविक खेती की तरफ कदम बढ़ाए और अब यह राज्य दुनिया का पहला जैविक राज्य है और पूरी दुनिया में इसे नजीर की तरह पेश किया जाता है। बता दें कि जैविक तरीका खेती का प्राचीन तरीका है, जिसमें खेती में केमिकल फर्टिलाइजर्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता है और प्राकृतिक खादों जैसे गाय-भैंस के गोबर, कंपोस्ट खाद, नीम खाद आदि का इस्तेमाल कर उत्पादन किया जाता है। इससे जमीन की गुणवत्ता भी खराब नहीं होती। सिक्किम ने पहले 75 हजार हेक्टेयर जमीन पर जैविक खेती की शुरुआत की। इसके तहत सिक्किम की सरकार ने तय जमीन पर रसायनिक खाद के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी थी।

उल्लंघन पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया। जब इससे फायदा हुआ तो धीरे धीरे जैविक खेती की जमीन को बढ़ाया गया। अब सिक्किम में सारी खेती जैविक तरीके से ही होती है।

कर्नाटक रिश्वत मामला : बीजेपी विधायक के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर सकता है लोकायुक्त

बेंगलुरू, 6 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक लोकायुक्त रिश्वत मामले में आरोपी भाजपा विधायक मदल विरुपक्षप्पा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर सकता है। वह अपने सरकारी अधिकारी बेटे के रिश्वत के रूप में 40 लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद से फरार चल रहे हैं। यह जानकारी सूत्रों ने दी। लोकायुक्त के सूत्रों के अनुसार, उन्हें पता चला है कि विरुपक्षप्पा अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए विदेश भागने की योजना बना रहे हैं। ऐसे में देश के सभी एयरपोर्ट्स पर लुकआउट नोटिस भेजा जाएगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि ऐसे समय में जब कर्नाटक में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, बीजेपी विधायक की गिरफ्तारी पार्टी के लिए शर्मनाक होगी।

बेटे प्रशांत मदल की गिरफ्तारी के बाद से फरार आरोपी विधायक कोर्ट से अग्रिम जमानत लेने का प्रयास कर रहे हैं। एक बार लुकआउट नोटिस जारी होने के बाद आरोपी पुलिस और अदालत की मंजूरी के बिना देश नहीं छोड़ सकता। आरोपी विधायक की गिरफ्तारी के लिए लोकायुक्त ने डीएसपी रैंक के अधिकारियों के तहत सात टीमों का गठन किया है। अधिकारियों ने विधायक के दूसरे बेटे मल्लिकार्जुन मदल को उनकी दो कंपनियों के बैंक खातों से छापे के दिन 94 लाख रुपये अन्य खातों में स्थानांतरित करने के मामले में भी नोटिस जारी किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 7 मार्च, 2023 3

सुविचार

हम में से कोई भी अमर नहीं है इसे स्वीकार करें और अपने जीवन को सही मायने दें...

प्रजावाणी की लंबित शिकायतों का तेजी से निस्तारण करें : तिरुपति राव

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी के अपर जिलाधिकारी तिरुपति राव ने कहा कि प्रजावाणी की लंबित शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। अधिकारियों को इस मामले पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

प्रजावाणी कार्यक्रम को प्राथमिकता के साथ लंबित आवेदन अपर कलेक्टर तिरुपति राव ने अधिकारियों को इसका तत्काल समाधान करने को का सुझाव दिया। जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए एकीकृत जिला कार्यालय भवन में आयोजित जन संबोधन कार्यक्रम में 60 शिकायतें मिलीं। जिले के विभिन्न हिस्सों से शिकायतकर्ता अपनी समस्याओं को अतिरिक्त कलेक्टर तिरुपति राव, राजस्व अधिकारी हरिप्रिया के पास पहुंचे थे। समाधान किए गए आवेदनों का विवरण ऑनलाइन अपलोडकरके\आवेदकों को जानकारी प्रदान करने की भी सलाह दी गई।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I.S. KRISHNAVENI D/O S.Rajaiah, R/O H.NO. 127, Neelima Greens Pragathi Enclove Colony Miyapur, Hyderabad. I intened to change my name as SHAIK WAFIYA W/O SHAIK MOKTHIYAR.

LOSS OF PASSPORT

I, WUYYURU RAVI DURGA PRASAD S/o. Wuyyuru Jagadeeswara Rao R/o. F.No.402, Murthy Squar, Opp: E-Seva, Moti Nagar, Hyd. T.S. While Travelling From my Residence to Moti Nagar E-Seva Circle I Lost My Original Passport No. W9382228. If Anyone Found Plz Cont: 9440684539.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

महिलाओं की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता : कमिश्नर

राचकोंडा आयुक्तालय में महिला दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस कार मुख्यालय, अंबरपेट में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राचाकोंडा आयुक्तालय के अंतर्गत कार्यरत सिविल, एआर, शी टीम्स, ट्रैफिक जैसे विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारियों को भाषण और गायन प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न रोमांचक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और उन्हें प्रशंसा और पुरस्कार के प्रमाण पत्र दिए गए। इस मौके पर बोलते हुए राचकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान ने कहा कि महिलाएं मां, बहन, पत्नी और दोस्त के रूप में अहम भूमिका निभाकर समाज का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ समान रूप से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और बड़ी सफलता हासिल कर रही हैं। सभी को महिलाओं के प्रति सम्मान भाव रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राचकोंडा में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं और सभी थानों में पीड़िताओं को बहादुरी से शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि महिलाओं को परेशान करने वालों और महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शी टीमों की टीमें चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं और महिला सुरक्षा कर्तव्यों का पालन करती हैं। यह सलाह दी जाती है कि सोशल मीडिया पर अजनबियों से सावधान रहें और किसी भी तरह के उत्पीड़न की सूचना तुरंत पुलिस को दें। कहा कि महिलाओं को समाज में आने वाली विभिन्न समस्याओं का साहस के साथ सामना करना चाहिए और राचकोंडा आयुक्तालय हमेशा महिलाओं के साथ खड़ा रहेगा। डीसीपी मलकाजगिरी जानकी, डीसीपी रोड सेफ्टी श्री बाला, डीसीपी एलबी नगर साईं श्री, डीसीपी एडमिन इंदिरा देवी, एडिशनल डीसीपी एडमिन नर्मदा, एडिशनल डीसीपी शमीर, एडिशनल डीसीपी लक्ष्मी नारायण, एसीपी, इंस्पेक्टर और अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

नंद्याल में बाघ शावक देखे गए

नंद्याल, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नंद्याल जिले के पेद्दा गुम्मदापुरम के निवासी अपने गांव के बाहरी इलाके में झाड़ियों में चार बाघ शावकों को देखकर दहशत की स्थिति में आ गए। सूत्रों के मुताबिक, एक व्यक्ति ने सुबह-सुबह बाघ के शावकों को देखा और तुरंत अन्य ग्रामीणों को सतर्क किया। सूचना मिलने पर वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाघ के शावकों को सुरक्षित एक कमरे में पहुंचाया, जिसे बाद में बंद कर दिया गया। ग्रामीण अब चिंता जता रहे हैं कि कहीं बाघ की मां आक्रामक न हो जाए और अपने शावकों की तलाश में गांव पर हमला कर दे। वन अधिकारी स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और बाघ शावकों और ग्रामीणों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरत रहे हैं।

कुत्तों के जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित किए जाए : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 6 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज जीएचएमसी अधिकारियों से राज्य की राजधानी के बाहर कुत्ते के जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करने के लिए कहा है। अंबरपेट में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने अधिकारियों से अंबरपेट विधानसभा क्षेत्र के कुत्तों को शहर के बाहर ले जाने के लिए कहा है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार चार साल के लड़के के परिवार के सदस्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करे, जिसे कुछ दिन पहले कुत्तों ने मार डाला था। यह स्पष्ट करते हुए कि जीएचएमसी अधिकारियों की लापरवाही से लड़के की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंबरपेट में कुत्तों की संख्या बढ़ गई थी क्योंकि जीएचएमसी ने कुत्तों पर ऑपरेशन करने के बाद उन्हें छोड़ दिया था। जीएचएमसी ने लड़के के परिवार के सदस्यों को 8 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। पार्षदों ने पीड़ित परिवार को अपना एक माह का वेतन देने का भी निर्णय लिया।

केंद्रीय बजट में प्रस्तावित स्वास्थ्य क्षेत्र की पहल और बजट आवंटन पर चर्चा

राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने राजभवन से चर्चा का आयोजन किया

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल और कुलाधिपति डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने यहां राजभवन में केंद्रीय बजट 2023-24 में प्रस्तावित स्वास्थ्य क्षेत्र की पहल और बजट आवंटन पर एक चर्चा बुलाई। स्वास्थ्य देखभाल और केंद्रीय संस्थानों के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भाग लेने और अपने इनपुट प्रदान करने और विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के क्षेत्र में केंद्रीय बजट 23-24 से आसानी से समझ में आने वाले संदेशों की जानकारी के लिए आमंत्रित किया गया था। इन चर्चाओं में एजेंसी क्षेत्रों और कमजोर आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने का संदर्भ और विशेष महत्व था। विश्वविद्यालय के कुलपति ने भाग लेने और विषयगत चर्चा पर महत्वपूर्ण और पर्याप्त जानकारी प्रदान करने के लिए प्रोफेसर बी.आर.शमन्ना, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय की पहचान की। संस्थानों के अन्य प्रमुखों और व्यक्तित्वों के साथ, प्रो. शमन्ना ने आवंटन के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला, अर्थात्: वर्ष 2022-23 से इस क्षेत्र के बजट परिव्यय में 13 प्रतिशत की वृद्धि। स्वास्थ्य क्षेत्र में पिछले 5 वर्षों में 27 प्रतिशत की समग्र वृद्धि, सकल घरेलू उत्पाद के सात के रूप में सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय 1.98 प्रतिशच को छू रहा है। प्रमुख राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को बढ़ा हुआ आवंटन और यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पहल को अतिरिक्त 10 प्रतिशत की वृद्धि मिल रही है उन्होंने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग को आवंटन बढ़ाने और कोविड-19 महामारी के दौरान किए गए पर्याप्त लाभ के संदर्भ में स्वास्थ्य और चिकित्सा अनुसंधान को प्राथमिकता मिली है। उन्होंने किफायती चिकित्सा उपकरणों और दवाओं के लिए किए गए आवंटन और चिकित्सा और फार्मा अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के अनुसंधान क्षेत्रों और क्षेत्र में सहयोगी अनुसंधान और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए आवंटन पर विवरण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय कल्याण और स्वास्थ्य के लिए, 2023-24 में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के कल्याण के लिए मिशन मोड पर आवंटन के माध्यम से विशेष प्रावधान 3 साल की अवधि में किए गए थे। राज्यपाल ने सभी वक्ताओं से अनुरोध किया कि वे संशोधित अनुमानों पर विचार करने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्रालय को प्रस्तुत करने के लिए एक सार-संग्रह तैयार करने के लिए उनके कार्यालय में एक पूरा पेपर प्रस्तुत करें। उन्होंने उपस्थित सभी संस्थानों से सहयोग करने, एक साथ काम करने और ज्ञान उत्पन्न करने और अंतिम मील की आबादी को लाभान्वित करने के लिए आवंटन का लाभ उठाने की पहल को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

शांतिपूर्वक और खुशी से होली मनाएं : डीएस चौहान

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान ने अधिकारियों को होली, साम्प्रदायिक दहन और मुसलमानों द्वारा मनाए जाने वाले शब-ए-बारात के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में कई निर्देश दिए। नेरेडमेट स्थित आयुक्त कार्यालय में रचाकोंडा के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक में यह सुझाव दिया गया कि होली के त्योहार के दिन शांति और सुरक्षा की समस्या न हो इसके लिए उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को चाहिए कि होली शांतिपूर्वक और खुशी से मनाएं और बीमारों पर हानिकारक रंग और रंगीन पानी फेंक कर उन्हें परेशान न करें। सभी को धार्मिक सद्भाव के साथ कार्य करने की सलाह दी जाती है। होली के त्योहार के दौरान शराब के सेवन के कारण कानून व्यवस्था की किसी भी समस्या से बचने के लिए 8 तारीख को शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक शराब की दुकानें बंद रहेंगी। बैठक में डीसीपी मलकाजगिरी धारावत जानकी, डीसीपी मुरलीधर, डीसीपी गिरिधर, एडिशनल डीसीपी शिवराम शर्मा, एसीपी जावेद समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

ट्रेन संचालन की सुरक्षा को मजबूत बनाएं : जीएम

मेगा सेफ्टी ड्राइव को लेकर की गयी समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए हाल ही में संपन्न हुए मेगा सुरक्षा अभियान की समीक्षा की। सुरक्षा अभियान 19 फरवरी से 4 मार्च, 2023 तक आयोजित किया गया था। मेगा सुरक्षा अभियान के दौरान अधिकारियों द्वारा 491 निरीक्षण किए गए हैं और पूरे क्षेत्र में पर्यवेक्षकों द्वारा 2,174 निरीक्षण किए गए हैं। महाप्रबंधक ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागों के प्रमुखों के साथ पूरे ज़ोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा और समयपालन पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा और कार्य स्थितियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ट्रेनों के संचालन में शॉर्ट कट तरीकों और असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों से बचने के लिए अत्यंत सावधानी बरती जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए एहतियाती और प्रारंभिक उपाय करने के भी निर्देश दिए। श्री जैन ने सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों की स्थिति, प्रशिक्षण संस्थानों में दिए जा रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और रनिंग स्टाफ की सुरक्षा पर निरीक्षकों द्वारा बार-बार परामर्श की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि ट्रेन संचालन पर नवीनतम सुरक्षा साहित्य/उपकरण ट्रेन चलाने वाले कर्मचारियों तक समय पर पहुंचें। महाप्रबंधक ने रेल परिचालन को आसान बनाने के लिए पूरे जोन में चल रहे ट्रैक अनुरक्षण कार्यों, सुरक्षा संबंधी कार्यों, नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों, ट्रैफिक ब्लॉकों और पावर ब्लॉकों को मजबूत करने की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यात्री ट्रेनों का समय पर संचालन सुनिश्चित करने की सलाह दी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सी/सी/210/एचएएलटी/2023 दि.03/03/2023

PUB/0226

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दमरे व्दारा 5 वर्ष की अवधि के लिए निम्न हाल्ट स्टेशनों पर कमीशन आधार पर टिकेट्स जारी करने के प्रति हाल्ट कांट्राक्टर्स की नियुक्ति हेतु केवल स्थानीय निवासियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्रम सं. 01 हाल्ट स्टेशनः कोत्तापल्ली -समाप्ति की तिथि
क्रम सं. 02 हाल्ट स्टेशनः अंबिका रोहिणा समाप्ति की तिथि
क्रम सं. 03 हाल्ट स्टेशनः रावुलपल्ली कलान समाप्ति की तिथि - 19.07.23

आवेदन पत्र, पात्रता मापदंड तथा अन्य विवरणों को **वेबसाइट:**www.scr.indian-railways.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

तत्संबंधित आवेदन प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि.28.03.2023 के 15.00 बजे है। खुलने की तिथि दि.28.03.2023 के 15.30 बजे है।

आवेदन पत्र को पंजीकृत डाक, देय पावती या रजि.डाक एकनालेजमेंट ड्यू सहित प्रेषित कर सकते हैं अथवा मुहरबंद आवेदनों को, वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, पहला तल, संचालन भवन, सिकंदराबाद-5000%1 के कार्यालय पर दि. 28.03.2023 के 15.00 बजे तक प्रस्तुत/ सुपुर्द कर सकते हैं। यदि तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी अवकाश रहता है तो अगला कार्य दिवस अंतिम दिन होगी। देरी से प्राप्त/विलंबित आवेदनों को अस्वीकार किया जायेगा।

तथापि, रेल प्रशासन को, कोई भी कारण न देते हुए किसी भी या सभी आवेदनों को रध्द करने का पूरा अधिकार रहेगा। जिसमें उसका निर्णय अंतिम होगा।

अधिक जानकारी हेतु, कृपया किसी भी कार्यालयीन दिन में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

निविदा सं.जीटीएल-इएम-29-2022-23 दि. 03.03.2023

PUB/0227

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, तथा कार्यवाहक वरिष्ठ मंडलीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. निविदा सं.जीटीएल-इएम-29-2022-23 कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः 2 वर्षों की अवधि के लिए गुंटकल डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर स्थापित 3.5 केवीए से लेकर 380 केवीए डीजी सेट्स के लिए एएमसी की व्यवस्था। अनुमानित मूल्यः (रु.) 50,44,712.09

बंद करने की तिथि व समयः 27.03.2023 के 15.00 बजे टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु **वेबसाइटः** http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा से जुडे शुध्दिपत्रों, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदादाताओं व्दारा निविदा दस्तावेज को **वेबसाइटः** http://www.ireps. gov.in से निःशुल्क रुप में डाउनलोड किया जा सकेगा।

टिप्पणीः इस ई-निविदा में भाग लेने/ बोली या बिड में भाग लेने के लिए, निविदादाता के पास वैध डीएससी(डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र) होना चाहिए।

A0330 **वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता,(एम), गुंतकल**

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2023 के उपलक्ष्य में, एनटीपीसी-दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय, सिकंदराबाद ने अपनी महिला कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया। उत्सव के हिस्से के रूप में, 06 मार्च, 2023 को इस वर्ष की थीम- डिजिटऑल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी - पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था। देबाशीष चट्टोपाध्याय, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (दक्षिणी क्षेत्र) ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी लिंग भर में एक महान स्तर है और प्रौद्योगिकी के अनुकूलन के साथ, महिलाएं इस क्षेत्र में अपनी जगह बना सकती हैं। विशेष व्याख्यान का संचालन करते हुए, डॉ. रिद्धि रानी, सहायक प्रोफ़ेसर (एचआर), सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ़ बिज़नेस मैनेजमेंट, हैदराबाद ने इस वर्ष की थीम -डिजिटऑल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी पर विस्तार से बात की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण केवल केसलेट और सिमुलेशन के साथ पहेलियाँ/खेल थे जिन्होंने महिला कर्मचारियों को आकर्षित किया। इससे पहले, डीजीएम (एचआर) बदरुद्दीन अंसारी ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सप्ताह भर चलने वाले समारोहों के हिस्से के रूप में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों पर भी बात की। बाद में, एनटीपीसी-एसआरएचक्यू की दक्षिण दीपांजलि महिला समिति द्वारा एक और कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें इसकी अध्यक्ष श्रीमती सुचिता नंदी ने महिला क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ बातचीत की और उन्हें डिजिटल प्रौद्योगिकी के अनुकूलन के साथ अपने विकास का लाभ उठाने की सलाह दी।

महिला कर्मचारियों को विशेष आकस्मिक अवकाश

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को अपनी सभी महिला कर्मचारियों के लिए विशेष आकस्मिक अवकाश की घोषणा की। सामान्य प्रशासन (सेवा कल्याण) विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी विभागों के प्रमुखों को तदनुसार आवश्यक उपाय करने और आदेश को लागू करने का निर्देश दिया है।

टीएसआरटीसी ने 550 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर दिया

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने दक्षिण भारत से कुल 550 शुद्ध इलेक्ट्रिक बसों के लिए सबसे बड़ा एकल ऑर्डर दिया है। इस आदेश को बड़े पैमाने पर स्वच्छ, हरित सार्वजनिक परिवहन की दिशा में तेलंगाना की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पहल के लिए महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। 50 इंटरसिटी कोच ई-बसें, जो पूरी तरह से वातानुकूलित हैं और एक बार चार्ज करने पर 325 किमी से अधिक की दूरी तय कर सकती हैं, आंध्र प्रदेश में हैदराबाद और विजयवाड़ा के बीच संचालित होंगी। इंट्रासिटी सेगमेंट में, 500 ई-बसें हैदराबाद के भीतर चलेंगी, प्रत्येक ई-बस में एक बार चार्ज करने पर 225 किमी से अधिक की दूरी तय करने की क्षमता होगी। टीएसआरटीसी ने इन ई-बसों की तैनाती और संचालन के लिए जुड़वां शहरों में पहले ही पांच डिपो आवंटित कर दिए हैं। इलेक्ट्रिक बसें टीएसआरटीसी के लिए परिचालन लागत कम करेंगी, क्योंकि इष्टतम प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए उन्हें फास्ट चार्जिंग स्टेशनों पर चार्ज किया जाएगा। टीएसआरटीसी के चेयरमैन बजीरेड्डी गोवर्धन ने कहा, 'पर्यावरण की रक्षा के लिए इलेक्ट्रिक बसें खरीदी गई हैं।

अगले माह से लाभार्थियों में बांटी जाएगी केसीआर पोषण किट : स्वास्थ्य मंत्री

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने जानकारी दी है कि अगले महीने से गर्भवती महिलाओं को केसीआर पोषण किट वितरित किए जाएंगे। मंत्री हरीश राव ने सोमवार को संगारेड्डी सरकारी मेडिकल कॉलेज में ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि केसीआर पोषण किट की योजना के लिए अच्छी प्रतिक्रिया थी, जिसमें एक पोषण पेय पाउडर (1 किग्रा), बिना बीज वाली खजूर (1 किग्रा), घी (500 मिली), आयरन सिरप (3 बोतलें) शामिल हैं। गर्भवती महिलाओं में खून की कमी को दूर करने के उद्देश्य से एल्बेंडाजोल की एक गोली, एक प्लास्टिक कप और प्लास्टिक की टोकरी अगले महीने से सभी लाभार्थियों को किट वितरित करने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थानों में स्वास्थ्य सुविधाओं में भारी सुधार हुआ है। तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की तुलना में बहुत बेहतर हैं, जो केंद्र सरकार के अधीन चलता है। तेलंगाना राज्य बनने तक केवल तीन मेडिकल कॉलेज थे। हालांकि, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, राज्य सरकार ने पिछले आठ वर्षों के दौरान 12 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए हैं और अभी, तेलंगाना में हर एक लाख आबादी के लिए एमबीबीएस की 19 सीटें उपलब्ध हैं। इससे पूर्व मंत्री ने संगारेड्डी स्थित समाहरणालय कार्यालय में शासनादेश 58 व 59 के हितग्राहियों को मालिकाना हक का वितरण किया।

निम्स में एक महीने में निःशुल्क 15 किडनी ट्रांसप्लांट किए गए

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के सर्जनों ने एक महीने में जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त में 15 किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक करके एक रिकॉर्ड बनाया है। यह पहली बार है कि तेलंगाना के किसी सरकारी अस्पताल में मरीजों को एक महीने में 15 किडनी प्रत्यारोपण निःशुल्क किया गया है। आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 15 किडनी प्रत्यारोपण मुफ्त में किए गए, जो तेलंगाना में जरूरतमंद रोगियों को सभी अंग प्रत्यारोपण के लिए कवरेज प्रदान करता है। सोमवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने सरकारी अस्पताल के लिए एक अद्वितीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए एनआईएमएस में विभिन्न विभागों के सर्जनों की टीम को बधाई दी।

सीबीआई की पूछताछ पर तेजस्वी बोले

भाजपा विरोध में यह स्वाभाविक बीजेपी ने कहा-एजेंसी काम कर रही

पटना, 6 मार्च (एजेंसियां)। राबड़ी आवास पर सीबीआई की टीम पूछताछ कर रही है। इस मामले पर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा का विरोध करने पर छापेमारी होना स्वाभाविक है। मैं तो कहता हूं कि सीबीआई राजद आवास पर ही अपना दफ्तर खोल लें। बार-बार आने-जाने से सरकारी पैसा खर्च होता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि लालू जी ने रेलवे को फायदा पहुंचाया है। कोई भी मंत्री किसी को सीधे नौकरी नहीं दे सकता है। वहीं बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि लालू परिवार के ठिकाने पर सीबीआई की टीम को कुछ नहीं मिला। ढेला पत्थर मिट्टी गोबर के अलावा कुछ नहीं मिला। सीबीआई खुद पैसे लेकर सवाल जरूर खड़े कर सकती है।

भाजपा नेत्री रेणु देवी बोलीं- जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी

बिहार की पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा नेत्री रेणु देवी ने कहा कि सीबीआई सरकारी संस्था है। वह अपना काम करेगी। हमलोग अपना काम कर रहे हैं। जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। अगर कुछ होगा तो निकलेगा, नहीं होगा तो नहीं निकलेगा। कोई केंद्र सरकार का पिट्ठू नहीं होता है। स्वायत्त संस्था हैं वह अपना काम कर कर रही। अगर हम गलत होंगे तो वो संस्था हमारे ऊपर भी करवाई करेगी।

सीबीआई की टीम का आना देश में अघोषित आपातकाल

इधर, पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने कहा कि राबड़ी आवास पर सीबीआई की टीम का आना देश में अघोषित आपातकाल का प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। 2024 से पहले और छापेमारी होंगे। सुधाकर सिंह ने मुख्यमंत्री पर हमला करते हुए कहा कि नीतीश कुमार रिटायर हो जाना चाहिए। नीतीश कुमार अब बिहार और देश का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं हैं।

भाजपा ने काले चेहरे का उदाहरण पेश किया है

वहीं आरजेडी प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि भाजपा ने काले चेहरे का उदाहरण पेश किया है। पूरा देश होली की तैयारी कर रहा है ऐसे में केंद्र सरकार राजद को परेशान करने की कोशिश कर रही है। हमलोग इससे डरने वाले नहीं है। जनता सब देख रही है, वह 2024 में माकूल जवाब देगी।

यूपी में बीते छह साल में कोई किसान नहीं हुआ आत्महत्या के लिए मजबूर : योगी

लखनऊ, 6 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सहकारी गन्ना एंव चीनी मिल समितियों में स्थापित फार्म मशीनरी बैंकों के लिए 77 ट्रैक्टरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य में बीते छह साल में एक भी किसान आत्महत्या के लिए मजबूर नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब प्रदेश के गन्ना किसान खेतों में ही अपनी फसल को जलाने के लिए मजबूर था। उसे ना समय से सिंचाई के लिए पानी मिलता था ना बिजली उपलब्ध कराई जाती थी और तो और समय से उनकी बकाया धनराशि का भुगतान भी नहीं किया जाता था। मगर आज का दिन गन्ना किसानों के लिए ऐतिहासिक होने जा रहा है, जब होली की पूर्व संध्या पर सोमवार को दो लाख करोड़ की धनराशि किसानों के बैंक खातों में सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। हमने गन्ना किसानों को दलालों के चंगुल से मुक्त कराया है, आज किसानों को पर्ची के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ता और उनकी पर्ची उनके स्मार्टफोन में आ जाती है।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की 77 गन्ना समितियों को ट्रैक्टर और मशीनरी उपलब्ध कराई जा रही है। होली की पूर्व संध्या पर इस प्रकार का उपहार मिलना हमारे गन्ना किसानों की होली की खुशी को दोगुनी कर देगा। हम सब जानते हैं कि पहले गन्ना किसानों की क्या हालत हुआ करती थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद पहली बार किसान किसी सरकार के एजेंडे का हिस्सा बना और ईमानदारी से शासन की योजनाओं का लाभ उसे मिलना शुरू हुआ। स्वाएल हेल्थ कार्ड, किसान बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ आज हर उस किसान को उपलब्ध कराया जा रहा है, जो पहले साहूकारों पर निर्भर होता था। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज प्रदेश में 2.60 करोड़ किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की सुविधा का लाभ ले रहे हैं। हमने पिछले साढ़े तीन वर्ष के अंदर 51 हजार करोड़ की राशि उनके खाते में पहुंचाने का काम किया है। सीएम ने कहा कि किसान केवल किसान होता है, उसका कोई जाति, मत, मजहब नहीं होता। हम सभी जानते हैं कि प्रदेश में 2017 से पहले क्या स्थिति थी। ना सिंचाई के लिए पानी मिलता था ना बिजली। सिंचाई परियोजनाएं जहां की तहां पड़ी थीं। आज हमने 22 लाख हेक्टेयर भूमि तक सिंचाई की सुविधा पहुंचाई है। पहले समय पर पानी, खाद और उपज का सही मूल्य न मिलने के कारण खेती घाटे का सौदा मानी जाती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यूपी देश में नया रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। पहली बार दो लाख करोड़ से अधिक की राशि का गन्ना भुगतान किसानों के बैंक खातों में पहुंच रही है। देश के कई राज्य ऐसे हैं जिनका वार्षिक बजट भी दो लाख करोड़ नहीं है।

सीएम ने कहा कि हमारे गन्ना किसानों का ये पुरुषार्थ ही है कि वह प्रति हैक्टर अतिरिक्त 10 टन गन्ना का उत्पादन कर रहा है। इसके अलावा प्रदेश में आज 8 लाख हैक्टेयर अतिरिक्त भूमि पर गन्ना का दायरा बढ़ा है। पिछली सरकारों में जहां चीनी मिलें बंद कर दी जाती थीं या औने पौने दामों पर बेच दी जाती थीं, मगर हमने किसी चीनी मिल को बंद नहीं कराया, बल्कि बंद चीनी मिलों को दोबारा शुरू कराने का कार्य किया। मुंडेरवा और पिपराइच चीनी मिलों को दोबारा से क्रियाशील किया गया। जब दुनिया की चीनी मिलें बंद हो गईं, उस वक्त भी यूपी में 119 चीनी मिलें चल रही थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले किसान अपने खेतों में गन्ना जलाने के लिए मजबूर किये जाते थे।

आज जबतक किसानों के खेत में एक भी गन्ना है, तबतक चीनी मिलें चलाई जाती हैं। कोरोना काल में प्रदेश की चीनी मिलें सप्लाई चेन चलाकर किसानों के गन्नों की पेराई कर रही हैं। यही नहीं जब देशभर में सेनेटाइजर की कमी हुई तब यूपी के सभी नगर निगमों को फ्री में हमने इन्हीं चीनी मिलों के जरिए सेनेटाइजर उपलब्ध कराया, इसके साथ ही देश के 27 राज्यों को भी सेनेटाइजर उपलब्ध कराया गया।

उमेश पाल हत्याकांड में 8 दिन में दूसरा एनकाउंटर

उमेश पर पहली गोली चलाने वाला उस्मान ढेर

एडीजी बोले-अपराधी कितना भी रसूख वाला हो, बक्शा नहीं जाएगा

प्रयागराज, 6 मार्च (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड में यूपी पुलिस को सोमवार सुबह बड़ी कामयाबी मिली। प्रयागराज में कौंधियारा के लालपुर इलाके में इस हत्याकांड से जुड़े दूसरे आरोपी शूटर विजय उर्फ उस्मान चौधरी को एनकाउंटर में मार गिराया। उस्मान ने ही उमेश पाल पर सबसे पहले गोली चलाई थी। वह सीसीटीवी में नजर आया था।

यह 8 दिन में दूसरा एनकाउंटर है। इससे पहले 27 फरवरी को बदमाश अरबाज को एनकाउंटर में मार गिराया था। अरबाज शूटरों को कार से घटनास्थल पर ले गया था। उमेश की हत्या 24 फरवरी को करीब 7 शूटर्स ने की थी। 7 बैकअप में थे। उस्मान की फायरिंग में एक सिपाही नरेंद्र भी जख्मी हो गया, जबकि जवाबी फायरिंग में उस्मान को गोली लगी। पुलिस उसे तुरंत एसआरएन हॉस्पिटल लेकर आई। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

करीब 7 घंटे बाद लखनऊ में पुलिस की प्रेस कॉफ्रेंस

सोमवार तड़के हुए इस एनकाउंटर के करीब 7 घंटे बाद लखनऊ में एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने प्रेस कॉफ्रेंस की। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में जवाबी फायरिंग में उस्मान को गोली लगी। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। एडीजी ने कहा कि इस हत्याकांड से जुड़ा हुआ कोई भी शख्स बक्शा नहीं जाएगा। चाहे वह जितना रसूख वाला हो। 24 फरवरी को जैसे ही उमेश गाड़ी से उतरा, उस्मान ने उस पर फायरिंग की थी। उस्मान की गोली लगते ही उमेश जमीन पर गिर गया। पुलिस ने उस्मान पर 50 हजार का इनाम रखा था। उस्मान अतीक गैंग का शार्प शूटर था। चर्चा है कि अतीक गैंग को ज्वाइन करने के बाद धर्म परिवर्तन करके विजय चौधरी से उस्मान बन गया था। हालांकि, एडीजी ने कहा कि इसकी जांच की जा रही है।

लालापुर में छिपा था उस्मान, पुलिस ने घेरा

प्रयागराज एसओजी और पुलिस के मुताबिक, उस्मान प्रयागराज के कौंधियारा के लालापुर में छिपा था। वह लालापुर का ही रहने वाला था। यहां SOG की टीम ने घेराबंदी की, तो उस्मान ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली लगी। बताया जा रहा है कि उसको दो गोली लगी है। हालांकि, पुलिस की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई।

2020 में की थी उस्मान ने शादी

उस्मान कौंधियारा के बमौखर गांव का रहने वाला था। 2020 में उसने गांव की ही एक लड़की को भगाकर शादी की थी। इस समय वह घुरपूर इलाके में पत्नी के साथ किराए के कमरे में रहता था। उस्मान के पिता का नाम वीरेंद्र चौधरी है। वह चार भाई में तीसरे नंबर पर था। बड़ा भाई राकेश चौधरी भी वाहन चोर बताया जा रहा है। वह अभी जेल में बंद है। बाकी, दो भाई अजय और विपिन डीजे बजाने का काम करते हैं। उस्मान पहले वाहन चोर था। इसके खिलाफ प्रयागराज के कीडगंज थाने में कई मुकदमें दर्ज थे।

सड़क हादसा में डीसीएम ने मारी टक्कर, दो की मौत

कन्नौज, 6 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी से दिल्ली जा रही बस को पीछे से आ रही डीसीएम ने टक्कर मार दी। इस हादसे में डीसीएम के ड्राइवर और बस की एक सवारी की मौके पर मौत हो गई। दूसरे घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

हादसा सोमवार सुबह एक्सप्रेस-वे पर ठठिया थाना के अल्मापुर गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि बिहार के मोतिहारी से सवारी लेकर जा रही स्लीपर बस को उसके ड्राइवर ने एक्सप्रेस-वे से गुजरते समय कुछ देर के लिए अल्मापुर के पास किनारे खड़ी कर दी। इस दौरान ड्राइवर बस के पहिया में घुसी गिट्टी को निकालने लगा। दूसरी सवारियां उतर कर टहलने लगीं। इसी बीच गोरखपुर से नोएडा जा रही डीसीएम तेज रफ्तार से आई और बस में जोरदार टक्कर मार दी।

सीएम योगी ने 82 बच्चों को दिए लैपटॉप

अधिकारियों को दिए बच्चों को चिड़ियाघर घुमाने के निर्देश

गोरखपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। गोरखपुर में सीएम योगी ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना तहत 82 बच्चों को लैपटॉप वितरित किए। सीएम ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार राशि का चेक भी सौंपा। 200 महिला मंगल दलों को स्पोर्ट्स किट बांटे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने होली की बधाई दी। सीएम ने कहा, कोरोना ने पूरी दुनियां में तबाही मचाई। लेकिन, कोरोना के बाद का दौर काफी मुश्किल था। आज यूपी सरकार कोरोना में अनाथ हुए बच्चों का भविष्य सुधारने की दिशा में काम कर रही है।

बेटी-बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत प्रदेश में हर एक गांव में खेल का मैदान बनाया जा रहा है। ताकि, हमारे बच्चे खेलकूद के साथ जुड़कर मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रह सकें।

बेटियों के लिए डबल इंजन की सरकार कई योजनाएं चला रही है। आज यूपी के स्कूल देखने लायक हैं। स्कूलों को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्मार्ट क्लास रूम बनाए जा रहे हैं। सरकारी स्कूलों को सभी तरह की हाईटेक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। ताकि, यहां पढ़ने वाले बच्चे अपने भविष्य को उज्जवल बना सकें।

सीएम ने दी होली की बधाई

सीएम योगी ने सभी लोगों को होली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मेहतन का कोई विकल्प नहीं होता। आज रात से होलिका दहन होगा। जबकि, 8 मार्च को लोग रंगों की होली खेलेंगे। यह पर्व बुराई को त्यागने का पर्व है। इस पर्व के जरिए बुराईयों को त्यागकर हम उत्साह और उमंग के लिए आगे बढ़ सकते हैं।

बच्चों को फ्री चिड़ियाघर घुमाइए

सीएम योगी ने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों को गोरखपुर चिड़ियाघर देखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आए बच्चों को आज ही चिड़ियाघर फ्री घुमाया जाए। सीएम योगी ने कहा, होली के पर्व पर आप यहां आए हैं तो यहां के बाद जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ जाकर एक बार गोरखपुर चिड़ियाघर को जरूर देखें और वन्य जीवों के प्रति जागरूक भी हों और लोगों को भी करें।

एनकाउंटर में नया खुलासा : पत्नी ने कहा-रात पर घर पर थे विजय, उन्होंने किसी की हत्या नहीं की

प्रयागराज, 6 मार्च (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड मामले में सोमवार को एनकाउंटर में मारे गए विजय चौधरी उर्फ उस्मान की पत्नी शिवानी का कहना है कि मेरे पति ने किसी की हत्या नहीं की। 24 फरवरी को भी पूरे दिन घर पर थे और एनकाउंटर की रात में भी घर पर उनके साथ रात भर रहे। उन्होंने किसी की हत्या नहीं की है। वह घूरपुर में गाड़ी चलाकर परिवार का खर्च वहन करते थे।रातभर घर पर थे। जानबूझकर एनकाउंटर किया गया है।

विजय चौधरी उर्फ उस्मान की पत्नी शिवानी का कहना है कि उसे नहीं पता कि उनका नाम उस्मान कैसे पड़ा। उनके हाथ पर भी विजय नाम ही गोदा गया है। उनके धर्म परिवर्तन के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बताया जाता है कि विजय चौधरी उर्फ उस्मान ने गांव की ही लड़की शिवानी पांडेय से प्रेम विवाह किया था। शिवानी के भाई ऋषि पांडेय ने इस मामले में बहन को भगा ले जाने का मुकदमा भी थाने में दर्ज कराया था। अभी तक जो जानकारी मिली है उसके अनुसार विजय चौधरी के खिलाफ थाने में कुल दो मुकदमे ही दर्ज हैं। पहला लड़की को भगा ले जाने का और दूसरा कोई एक मामला और भी दर्ज है। विजय का बड़ा भाई भी आपराधिक किस्म का है। फिलहाल वह जेल में बंद है। विजय ने गांव की ही शिवानी पांडेय से प्रेम विवाह किया था। दोनों की शादी 2021 में हुई थी। बताया जाता है कि दोनों को अभी कोई संतान नहीं थी।

पांचवे दिन बरामद हुआ नवविवाहिता का शव

बोरे में डालकर फेंका था गंगा नदी में, परिजनों ने ससुरालवालों पर लगाया हत्या का आरोप

आरा, 6 मार्च (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के सिन्हा ओपी अंतर्गत सिन्हा गांव स्थित गंगा नदी से शनिवार को एक नवविवाहिता का हत्या कर फेंका गया शव बरामद हुआ है। आरोप है कि ससुराल वालों ने दहेज में बुलेट बाइक की मांग को लेकर नवविवाहिता को पहले जमकर पीटा उसके बाद उसके हाथ,पैर,कमर बांधने के बाद उसकी नृशंस हत्या दी। उसके शव को प्लास्टिक की बोरे में डालकर गंगा नदी में पत्थर से बांधकर डाल दिया।

वहीं मछुआरों के जाल में फसी डेड बॉडी से भरी बोरे को देख उन लोगों ने सिन्हा ओपी पुलिस को दी । शव के मिलने से गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। घटना की सूचना मिलते ही सिन्हा ओपन चार्ज अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को स्थानीय लोगों के मदद से निकाला उसके बाद अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

विधानसभा में भाजपा विधायकों का हंगामा

नौकरी और बेरोजगारी की मांग को लेकर कर रहे नारेबाजी

पटना, 6 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा बजट सत्र का आज छठा दिन है। सत्र शुरू होने से पहले भाजपा विधायक जमकर हंगामा कर रहे हैं। वह बिहार सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। भाजपा नौकरी और बेरोजगारी के मुद्दे पर हंगामा किया है। भाजपा विधायकों ने सदन में कार्यस्थगन का प्रस्ताव लाया।

साथ हीबेरोजगार शिक्षक अभ्यर्थी, जूनियर इंजीनियर अभ्यर्थी समेत दूसरे अभ्यर्थियों को नौकरी देने की मांग करने लगे। भाजपा विधायकों नौकरी कब मिलेगी के सवाल पर कार्यस्थग्न प्रस्ताव लाया। हालांकि, स्पीकर ने नियम संगत नहीं होने के कारण प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

अडानी का अब तक कुछ रिकवरी नहीं हो रहा

इधर, भाजपा विधायक अरूण शंकर प्रसाद के घर से बाइक चोरी मामले में सवाल पूछे गए। विधायक ने पूछताछ कि एक साल बीतने के बावजूद अब तक बाइक नहीं मिली। इसपर महागठबंधन के मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि देश में अडानी का अब तक कुछ रिकवरी नहीं हो रहा। इसपर सदन में हंगामा होने लगा।

एनएमसीएच के डॉ. संजय कुमार अपहरण केस पर सवाल

इधर, विधानपरिषद में एनएमसीएच के डॉक्टर संजय कुमार अपहरण केस को भी उठाया गया। सदन में भाजपा एमएलसी राजेंद्र गुप्ता ने इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि एक मार्च को डॉक्टर अंतिम बार गांधी सेतु पर देखे गए थे लेकिन अबतक उनकी बरामदगी नहीं हो पाई है। सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेनी चाहिए।

बिहारियों पर अत्याचार का दावा, पटना हाईकोर्ट में पीआईएल दायर

कहा-बिहार के नागरिकों को केवल गालियां मिली हैं, इसका समाधान निकलना चाहिए

पटना, 6 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में बिहार की श्रमिकों के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर जहां बिहार सरकार ने 4 लोगों की एक टीम वहां भेजी है। वहीं पटना उच्च न्यायालय में 4 मार्च 2023 को एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में बिहार के बाहर राज्यों में बिहारियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार के मुद्दे को जोड़ कर कोर्ट में पीआईएल दायर किया गया है। जिसकी टोकन संख्या 5422/2023 है।इस जनहित याचिका को इंजीनियर विजय प्रभात ने पटना हाई कोर्ट में दायर किया है।

शादी के बाद हनीमून के लिए गए शिमला, दुल्हन से की ऐसी डिमांड, मना करने पर किया खौफनाक हाल

आगरा, 6 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में एक ऐसा हाई प्रोफाइल मामला सामने आया है, जिसे सुनकर पुलिस भी हैरान है। थाना हरीपर्वत क्षेत्र के एक बड़े घराने की बेटी को सुहागरात पर दूल्हे ने जमकर पीटा। जिस दुल्हन को हनीमून पर शिमला लेकर गया था, उसकी जगह पूर्व प्रेमिका से प्यार की बातें कर रहा था। दुल्हन ने जब उसे पकड़ा तो सारी हदें पार कर दीं। इतना पीटा कि होटल वालों को उसे बचाने के लिए आना पड़ा। सुहागरात तो पूरी हुई नहीं, अगले दिन ही दुल्हन वापस आ गई। आरोप ये भी है कि पति कनाडा में घर खरीदने के लिए 50 लाख की डिमांड कर रहा था, जिसे न मानने पर वह गुस्सा हो गया और उसके सामने ही पूर्व प्रेमिका से बात करने लगा।

एंबुलेंस में ताबूत और उसमें शराब की बोतलें

नालंदा में तस्कर समेत 2 गिरफ्तार, होली पर झारखंड से मुजफ्फरपुर जा रही थी खेप

नालंदा, 6 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में होली पर शराब की तस्करी का चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। अब तक एंबुलेंस में शराब आ रही थी, लेकिन इस बार तस्करों ने एंबुलेंस के अंदर ताबूत में शराब भरकर ले आए। ताबूत पर फूल-मालाएं चढ़ा दीं, जिससे लगे की उसमें डेड बॉडी है।

नालंदा पुलिस ने सोमवार दो तस्कर और एक एंबुलेंस ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। एंबुलेंस में रखी ताबूत में 5 बैग ब्रांडेड विदेशी शराब बरामद किया गया। इन 5 बैग से कुल 146 बोतल बरामद की गई। एंबुलेंस चालक की पहचान झारखंड के बोकारो निवासी सुनील कुमार सिंह के रूप में की गई। वहीं, तस्कर बगोदर निवासी मदन शर्मा और मदन मिश्रा को गिरफ्तार किया गया।

मामले को लेकर राजगीर थाना अध्यक्ष मोहम्मद मुस्ताक ने बताया कि शराब की खेप रिम्स हॉस्पिटल रांची के पास से लाया जा रहा था। जिसे मुजफ्फरपुर में आपूर्ति करना था। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी, जिसके बाद थाना क्षेत्र के चमरडीहा मोड़ पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। तभी गया की ओर से आ रही एंबुलेंस को रुकवाया गया। जांच में एंबुलेंस के अंदर एक ताबूत मिला, जिसके ऊपर फूल, माला सेंट आदि रखा हुआ था।

जैसे ही ताबूत को हटाया गया तो उसके अंदर से 5 बैग मिले। इन 5 बैग से कुल 146 ब्रांडेड बोतल जब्त किया गया। इस संबंध में राजगीर थाना में कांड दर्ज करते हुए बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2022 के तहत दर्ज किया गया।

साथ ही गिरफ्तार अभियुक्तों को कोर्ट में पेश किया जा रहा है।

ठंड में जैकेट बनाकर तस्करी हुई थी

इसके पहले ठंड में तस्करों ने शराब के पाउच की जैकेट बनाकर शराब की तस्करी की थी। इसका वीडियो भी सामने आए थे।

अमशीपोरा फर्जी मुठभेड़ में सेना के कैप्टन को उम्रकैद

जुलाई 2020 में शोपियां में मारे गए थे तीन युवक

जम्मू, 6 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के अमशीपोरा में 18 जुलाई 2020 में फर्जी मुठभेड़ में तीन युवकों की हत्या के मामले में सेना के एक कैप्टन को उम्रकैद की सजा की सिफारिश की गई है। सेना की अदालत ने एक साल से भी कम अवधि में कोर्ट मार्शल की कार्यवाही में कैप्टन भूपेंद्र सिंह को यह सजा सुनाई है। सेना के उच्चाधिकारियों की मंजूरी के बाद सजा पर अमल होगा।

अधिकारियों ने बताया कि कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी में पाया गया कि कैप्टन सिंह ने सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफ्स्पा) के तहत निहित अधिकारों का दुरुपयोग किया। सेना के सूत्रों ने यह कहते हुए इस पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया कि ऐसे मामलों में शामिल प्रक्रिया अभी जारी है। कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के बाद साक्ष्य का सारांश दिया गया, जो दिसंबर 2020 के अंतिम सप्ताह में पूरा हुआ। उस समय सेना ने एक बयान जारी कर कहा था कि सबूत के सारांश को दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसमें आगे बढ़ने के लिए कानूनी सलाहकारों के परामर्श से संबंधित अफसरों द्वारा इसकी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि सेना ने राजोरी से अबरार अहमद के पिता मोहम्मद यूसुफ को कोर्ट मार्शल की कार्यवाही में पेश होने के लिए भी बुलाया था, साथ ही सुनवाई के दौरान उन्हें अपने बेटे के लापता होने की रिपोर्ट देने के लिए कहा गया था।

सोशल मीडिया पर उठी आवाज तो हुई जांच

जम्मू संभाग के राजोरी जिले के रहने वाले इम्तियाज अहमद, अबरार अहमद और मोहम्मद इबरार को आतंकवादी बताकर शोपियां जिले के एक गांव में 18 जुलाई, 2020 को मुठभेड़ में मार गिराया गया था। सोशल मीडिया पर इस मुठभेड़ के विरोध में आवाज उठने पर सेना ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का गठन किया था। जिसमें प्रथम दृष्टया इस बात के सुबूत पाए गए कि सैनिकों ने अफस्पा के तहत प्राप्त शक्तियों का दुरुपयोग किया। कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी में कैप्टन को दोषी पाया गया।

एसआईटी की चार्जशीट में था नाम

जम्मू -कश्मीर पुलिस ने एक विशेष जांच दल का भी गठन किया था जिसने फर्जी मुठभेड़ के लिए कप्तान सिंह सहित तीन लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। इस चार्जशीट में दो अन्य नागरिकों ताबिश नजीर और बिलाल अहमद लोन का भी नाम है।

एलजी ने दिलाया था उचित कार्रवाई का भरोसा

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2020 में राजोरी में परिवारों का दौरा किया था और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश से अवगत कराया था कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और सरकार की ओर से सभी सहायता के साथ उनकी देखभाल की जाएगी। बाद में डीएनए टेस्ट के जरिए तीनों युवकों की पहचान की पुष्टि की गई। अक्टूबर 2020 में शवों को उनके परिवारों को बारामुला में सौंप दिया गया और राजोरी में उनके पैतृक गांव में दफन कर दिया गया।

महबूबा मुफ्ती-यह एक स्वागत योग्य कदम

जम्मू, 6 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने अमशीपोरा फर्जी मुठभेड़ मामले पर प्रतिक्रिया दी है। इस मामले में सेना के एक कैप्टन को उम्रकैद की सजा की सिफारिश की गई है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह जांच सुरक्षाबलों की जवाबदेही बनाने की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है।

महबूबा मुफ्ती ने आगे कहा कि आशा है कि इस तरह की जघन्य घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए लावापोरा और हैदरपोरा मुठभेड़ों में एक निष्पक्ष जांच का भी आदेश दिया गया हो। 18 जुलाई 2020 को शोपियां जिले के अमशीपोरा में फर्जी मुठभेड़ में तीन युवकों की हत्या के मामले में सेना के एक कैप्टन को उम्रकैद की सजा की सिफारिश की गई है। सेना की अदालत ने एक साल से भी कम अवधि में कोर्ट मार्शल की कार्यवाही में कैप्टन भूपेंद्र सिंह को यह सजा सुनाई है। सेना के उच्चाधिकारियों की मंजूरी के बाद सजा पर अमल होगा।

'जम्मू कश्मीर का सबकुछ धीरे-धीरे बेचा जा रहा'

इससे पहले रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने प्रदेश प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर का सबकुछ धीरे-धीरे बेचा जा रहा है। इतना ही नहीं स्थानीय लोगों को हर क्षेत्र से बाहर किया जा रहा है। वह प्रदेश सरकार की ओर से श्रीनगर गोल्फ कोर्स को बेचने के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही थीं। महबूबा ने कहा, 'रॉयल गोल्फ संप्रिंग की बिक्री इस बात का एक और उदाहरण है कि सरकार 5 अगस्त के फैसले के बाद इस क्षेत्र का विकास कैसे कर रही है। सब कुछ बेचा जा रहा है।' उन्होंने कहा कि श्रीनगर गोल्फ कोर्स न सिर्फ कश्मीर बल्कि दक्षिण एशिया का सबसे पुराना मैदान है।

चीनी सीसीटीवी कैमरों से जासूसी कर सकता है चीन!

विधायक ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में किया खुलासा

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के कांग्रेस विधायक ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। इस पत्र में विधायक ने मांग की है कि प्रधानमंत्री सरकारी कार्यालयों में चीनी सीसीटीवी कैमरे लगाने पर प्रतिबंध लगाएं।

साथ ही विधायक ने अपील की है कि सरकार लोगों को जागरुक करने के लिए कैंपेन चलाए कि वह अपने घरों में चीनी सीसीटीवी कैमरे ना लगवाएं। बता दें कि अरुणाचल प्रदेश की पासीघाट पश्चिम विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक निनोंग एरिंग ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में इंडिया टुडे की रिपोर्ट 'The China Snooping Menace' का हवाला दिया है और भारत में चीनी सीसीटीवी कैमरों के इस्तेमाल पर चिंता जाहिर की है। विधायक का कहना है कि चीन के सीसीटीवी कैमरे उसके लिए आंख और कान का काम कर रहे हैं। विधायक ने चीनी सीसीटीवी कैमरों को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक बताया है। विधायक ने लिखा कि मौजूदा समय में जब चीन लगातार एलएसी पर आक्रामकता दिखा रहा है, तब वह हमारे आईटी के बुनियादी ढांचे पर भी हमला कर रहा है। ऐसे में भारत को चीन के इस खतरने से निपटने के लिए कदम उठाने चाहिए। विधायक ने लिखा कि अमेरिका की एक खूफिया फर्म रिकॉर्डेड फ्यूचर इंक की जून 2022 में प्रकाशित रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि चीनी हैकरों द्वारा कई बार भारत चीन सीमा पर स्थित लद्दाख के इलाकों में सात लोड डिस्पैच सेंटर्स को हैक करने की कोशिश की। ये लोड सेंटर्स इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड को कंट्रोल करने और वितरित करने के लिए जिम्मेदार हैं।

कांग्रेस विधायक ने पत्र में ये भी बताया कि सीसीटीवी नेटवर्क में इस्तेमाल होने वाले इंटरनेट प्रोटोकॉल और डीवीआर को भी चीनी हैकर्स हैक कर सकते हैं। पत्र में लिखा है कि देश में इस समय करीब 20 लाख सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जिनमें से 90 फीसदी चीनी सरकार के स्वामित्व वाली कंपनियों द्वारा बनाए गए हैं।

चारधाम यात्रा 2023 : 13 दिनों में 2 लाख श्रद्धालु करा चुके पंजीकरण

देहरादून, 6 मार्च (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा में अब महज कुछ ही दिनों का वक्त बचा हुआ है। चारधाम यात्रा के लिए अब तक दो लाख श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। केदारनाथ के लिए 1.12 लाख और बदरीनाथ के लिए 92 हजार तीर्थयात्रियों ने पंजीकरण कराया है।

पर्यटन विभाग के उप निदेशक योगेंद्र गंगवार ने बताया कि 21 फरवरी को चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू किया गया था। महज 13 दिनों के भीतर केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के लिए दो लाख से अधिक श्रद्धालु ऑनलाइन पंजीकरण कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि औपचारिक रूप से गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने की तिथि तय होने के बाद ही दोनों धाम के लिए पंजीकरण शुरू किया जाएगा। साथ ही इस बार चारधाम यात्रा में सरकार श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं करने का प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में इस बार होने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को वाईफाई की सुविधा भी मिलेगी। साथ ही सर्वर पर अधिक भार होने की वजह से मोबाइल का नेटवर्क नहीं अटकेगा और यात्री आसानी से चारधाम यात्रा की लाइव स्ट्रीमिंग जैसी सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

बर्ताव को लेकर हुई शिकायत

तो गुस्साए जवान ने दो सहकर्मियों पर बरसाईं गोलियां, दोनों की मौत

कोलासिब, 6 मार्च (एजेंसियां)। मिजोरम के कोलासिब में राज्य सशस्त्र पुलिस के एक जवान ने अपने दो सहकर्मियों की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मिजोरम-असम सीमा के करीब बुआरचेप गांव में एक सीमा चौकी पर सशस्त्र बलों की दूसरी बटालियन के तीनों पुलिसकर्मी तैनात थे, तभी रविवार शाम यह घटना हुई।

मिजोरम पुलिस महानिरीक्षक (कानून और व्यवस्था) ललबैकथंगा खियांगते ने कहा, ''आरोपी हवलदार बिमल कांति चकमा (56) ने उसके व्यवहार को लेकर शिकायत करने पर गुस्से में आकर दोनों पुलिसकर्मियों पर अपनी सर्विस राइफल से कम से कम 15 गोलियां चलाईं।'' उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान हवलदार जे ललरोहलुआ और हवलदार इंद्र कुमार राय के रूप में की गई है। अधिकारी ने बताया कि गोलियों की आवाज सुनकर सीमा चौकी कमांडर और अन्य पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्होंने ललरोहलुआ को खून से लथपथ फर्श पर पड़े पाया, जबकि राय वहां से 40 फुट दूर गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। उन्होंने बताया कि ललरोहलुआ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और राय ने बाद में दम तोड़ दिया। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि चकमा को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके पास से एक बंदूक और गोला-बारूद बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि उसने ही यह गोलीबारी की थी।

कोर्ट ने साहिल गहलोत को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

निक्की यादव हत्याकांड

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को निक्की यादव हत्याकांड के मुख्य आरोपी साहिल गहलोत और पांच अन्य को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अर्चना बेनीवाल ने 22 फरवरी को गहलोत को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

गहलोत के वकील डी.एस. कुमार ने कहा था कि प्राथमिकी शुरू में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 201 (अपराध के साक्ष्य को गायब करना, या स्क्रीन अपराधी को गलत जानकारी देना) के तहत दर्ज की गई थी, लेकिन पुलिस ने अब धारा 120 बी (आपराधिक) लागू कर दी है। साजिश), 34 (सामान्य आशय), 202 (सूचना देने के लिए बाध्य व्यक्ति द्वारा अपराध की जानकारी देने में जानबूझकर चूक) और 212 (अपराधी को शरण देना) दर्ज किया है।

द्वारका अदालत की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट समीक्षा गुप्ता ने 20 फरवरी को पांच सह-आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। गहलोत ने 10 फरवरी को कश्मीरी गेट के पास 23 वर्षीय यादव का गला घोंट दिया था और उसी दिन दूसरी महिला से शादी कर ली थी। यादव का शव 14 फरवरी को दिल्ली के बाहरी इलाके मित्राओं गांव में गहलोत के एक ढाबे के फ्रिज में मिला था। गहलोत के पिता वीरेंद्र सिंह, चचेरे भाई नवीन (दिल्ली पुलिस में एक कांस्टेबल) और आशीष व दोस्तों लोकेश और अमर पर यादव से छुटकारा पाने की साजिश रचने का आरोप है, ताकि वह दूसरी महिला के साथ अपनी शादी कर सके। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, पुलिस हिरासत के दौरान गहलोत से लंबी पूछताछ की गई। उसने बताया कि निक्की उसे किसी और से शादी करने से रोकने की कोशिश कर रही थी, क्योंकि वे पहले ही 2020 में शादी कर चुके थे। अधिकारी ने कहा, वह 10 फरवरी को उसके परिवार द्वारा किसी अन्य लड़की के साथ तय की गई शादी के साथ आगे नहीं बढ़ने की गुहार लगा रही थी। गहलोत ने अपने पिता, दो चचेरे भाई और दो दोस्तों के साथ मिलकर साजिश रची और निक्की को अपने रास्ते से हटाने की योजना बनाई। उसने साजिश को अंजाम दिया और उसकी हत्या कर दी और उसी दिन अन्य सह-आरोपियों को सूचित किया और फिर वे सभी विवाह समारोह में चले गए।

महिला कर्मचारी का उत्पीड़न करने वाले कारोबारी को कठोर कारावास

ठाणे की अदालत ने सुनाई सजा

ठाणे, 6 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने महिला कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने के दोषी कारोबारी को छह महीने के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी व्यक्ति एक व्यावसायिक परिसर का चेयरमैन है। पुणे के न्यायिक मजिस्ट्रेट पीआई सूर्यवंशी ने बीते 24 फरवरी को इटर्निटी कमर्शियल परिसर सीएचएस के चेयरमैन विलास जयराम पवार को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (ए) के तहत दोषी करार दिया था। हालांकि, अदालत के आदेश की कॉपी सोमवार को उपलब्ध कराई गई। अभियोजन पक्ष (सरकारी वकील) के अनुसार, पीड़ित महिला ने दिसंबर 2019 में व्यावसायिक परिसर में नौकरी शुरू की थी। आरोपी ने शुरुआत में उसके साथ अच्छा व्यवहार किया। इस बीच आरोपी को पता चल गया कि वह अपने पति से अलग हो गई है तो वह महिला को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। सरकारी वकील के अनुसार, 52 वर्षीय विलास पवार महिला को अपने केबिन में बुलाता और अभद्र टिप्पणी करता। जब वह केबिन से बाहर जाने की कोशिश करती तो वह उसे नौकरी से निकालने की धमकी देता। इस दौरान आरोपी ने महिला को गलत तरीके से छुआ और उसके परिवार को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। इससे तंग आकर महिला ने पुलिस से संपर्क किया।

तृणमूल और कांग्रेस ने चलाया ईसाई विरोधी प्रोपेगेंडा

भाजपा अध्यक्ष ने बताई हार की वजह

शिलॉन्ग, 6 मार्च (एजेंसियां)। मेघालय भाजपा के अध्यक्ष अर्नेस्ट मावरी ने सोमवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस ने उनकी पार्टी के खिलाफ ईसाई विरोधी होने का प्रोपेगेंडा चलाया। भाजपा नेता ने दावा किया कि इस प्रोपेगेंडा की वजह से ही उनकी पार्टी को संतोषजनक नतीजे नहीं मिल सके। अर्नेस्ट मावरी ने कहा कि 'कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ ईसाई विरोधी होने का प्रोपेगेंडा चलाया और कहा गया कि सरकार में आने के बाद मेघालय में बीफ खाने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।'

मावरी ने कहा कि 'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार को सत्ता में नौ साल हो चुके हैं लेकिन अभी तक कोई भी ईसाई विरोधी कदम नहीं उठाया गया। अगर देश में ऐसी कोई घटना हुई भी है तो वह कांग्रेस शासित राज्यों में हुई है।' बीती दो मार्च को घोषित हुए नतीजों में मेघालय में कोनराड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपल्स पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। एनपीपी ने 26 सीटों पर जीत दर्ज की है और लगातार दूसरी बार सत्ता पर काबिज होने जा रही है। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी को 11 सीटें मिली हैं। कांग्रेस ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं भाजपा को सिर्फ दो सीटों से संतोष करना पड़ा। हालांकि भाजपा ने एनपीपी की सरकार को समर्थन देने का एलान कर दिया है।

कोनराड संगमा आगामी सात मार्च को लगातार दूसरी बार मेघालय के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। कोनराड संगमा के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हो सकते हैं।

केरल हाईकोर्ट 'साइनाइड किलर' के खिलाफ निचली अदालत के आदेश में दखल नहीं देगा

कोच्चि, 6 मार्च (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को जॉलीअम्मा जोसफ के खिलाफ आरोप तय करने के निचली अदालत के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। कूदाथई साइनाइड हत्याकांड कोझिकोड जिले के कूदाथई में छह व्यक्तियों की रहस्यमय मौत का जिक्र करते हैं। साइनाइड विषाक्तता के माध्यम से जॉली द्वारा कथित रूप से हत्या किए गए व्यक्तियों में से तीन उसके तत्कालीन पति रॉय थॉमस और उसके माता-पिता थे। जॉली की वर्तमान दलील अकेले रॉय थॉमस की हत्या से संबंधित है।

जॉली की याचिका पर सुनवाई करते हुए, एकल न्यायाधीश ने जॉली द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा उसके खिलाफ आरोप तय करने को स्थगित करने के आदेश को चुनौती दी गई थी। जॉली और रॉय थॉमस ने 1997 में शादी की थी और रॉय के माता-पिता के साथ कूदाथई में रह रहे थे। माना जाता है कि जॉली का किसी अन्य व्यक्ति के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल संबंध था, जिसे उसने साइनाइड लाने को कहा था। आरोप है कि रॉय को जान से मारने के इरादे से महिला ने उसके खाने में साइनाइड मिलाया था। जिसके बाद 30 सितंबर 2011 को खाना खाने के बाद जॉली के पति बीमार महसूस करने लगे, अस्पताल में भर्ती हुए और बाद में उनका निधन हो गया।

उस समय जॉली ने परिजनों को बताया कि रॉय की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। हालांकि, परिवार के कुछ अन्य सदस्यों को संदेह हुआ और 2019 में जांच फिर से शुरू की गई। जांच को फिर से शुरू करने वाली जांच एजेंसी ने रॉय सहित मृतकों के शवों को खोदकर निकालने का फैसला किया। साइंटिफिक जांच से गड़बड़ी का संकेत मिलने के बाद, पुलिस ने अक्टूबर 2019 में दो अन्य आरोपी व्यक्तियों के साथ जॉली को गिरफ्तार किया।

धन्यवाद प्रस्ताव पर सीएम मान-प्रताप बाजवा में बहस

हंगामे के बाद कार्यवाही स्थगित

चंडीगढ़, 6 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सीएम भगवंत मान दोपहर बाद सदन में पहुंचे। धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान सीएम और प्रताप बाजवा के बीच बहस हो गई।भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बाजवा के उठाए सवालों पर माहौल गरमाया जिसके बाद सत्तापक्ष के सदस्य वेल तक पहुंच गए। इसके बाद स्पीकर ने 2.30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

इससे पहले विधानसभा में विपक्ष के सवालों का सत्ता पक्ष की तरफ से जवाब दिया गया। विधानसभा में मोहाली के फेज 1 खोखा मार्किट को हटाने का मुद्दा उठा। इस पर मंत्री अमन अरोड़ा ने जवाब दिया कि मामला हाईकोर्ट में है। फिर भी वे पीड़ितों के साथ मीटिंग को तैयार हैं। स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने बताया कि मोगा में मेडिकल कालेज बनाने की योजना है। इसके लिए जगह देखी जा रही है, उसके लिए प्रकिया चल रही है।

हालांकि कुछ नियम होते हैं उनको पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में 15 अन्य मेडिकल कालेज भी बनेंगे। 40 साल में एक भी मेडिकल कालेज नहीं बना, हमारी सरकार ने साल में ही 4 पर काम शुरू कर दिया है। वहीं कांग्रेस विधायक राजा वड़िंग ने गिद्दड़बाहा सिविल अस्पताल की खराब हालत का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यहां 7 डॉक्टर मंजूर हैं, अब एक ही है। यह पंजाब का नम्बर 1 अस्पताल था। लंपी पर प्रताप सिंह बाजवा के सवाल पर मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रदेश में 1.74 लाख पशु लंपी का शिकार हुए। अब 100 प्रतिशत वैक्सीन का इंतजाम किया जा रहा है। टीकाकरण मुहिम 15 फरवरी से शुरू हुई, 25 अप्रैल तक पूरी होगी। 18 हजार पशुओं की लंपी से मौत हुई थी, उनका मुआवजा देने के लिए सरकार केंद्र से संपर्क कर रही है।

पंजाब सरकार भी अपने स्तर भी फंड देने की योजना बना रही है। 418 नए पशु चिकित्सक भरती किए गए हैं। एक सवाल के जवाब में मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि मोहाली एयरपोर्ट रोड पर 12 लाइट प्वाइंट हैं। वहां पर राउंड अबाउट बनाए जा रहे हैं। इससे ट्रैफिक की समस्या हल होगी और हादसे रुकेंगे। मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि चौकों की संख्या 16 है। विधायक तीन की बात कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि तीन चरणों में 16 के 16 बनाएं जाएंगे।

अखबारों की कटिंग वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे राजा वड़िंग

विधानसभा के लिए पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग अखबारों मे छपी खबरों वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने विधानसभा सत्र के शून्य काल के दौरान पंजाब से संबंधित प्रमुख मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा कि सिद्धू मूसेवाला के पिता को अब भी जान से मारने की धमकी मिल रही है। अजनाला में पुलिस स्टेशन पर हमला हुआ लेकिन अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंजाबी को लगता है कि राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है लेकिन पंजाब सरकार तथ्यों की अवहेलना कर रही है। पंजाब पुलिस अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही। कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा में लोगों की आवाज बनने की शपथ ली है। वहीं कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि जेल में गैंगस्टर सभी सुविधाओं का मजा ले रहे हैं। जेल अधिकारियों को सस्पेंड करना काफी नहीं है।

शिवसेना एमएसए बोले-औरंगजेब की कब्र हटवाने के लिए पीएम मोदी को लिखूंगा पत्र

अहमदाबाद, 6 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिंदे गुट के शिवसेना विधायक संजय शिरसाट अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चाओं में रहते हैं। सोमवार को उन्होंने कहा कि वह औरंगाबाद से मुगल शासक औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखेंगे। औरंगाबाद शहर का नाम बदलकर छत्रपति शंभाजीनगर रखे जाने के खिलाफ ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के विरोध प्रदर्शन को शिरसाट ने इस 'बिरयानी पार्टी' करार दिया। एआईएमआईएम के स्थानीय सांसद इम्तियाज जलील के नेतृत्व में चार मार्च से यहां जिला कलेक्टर कार्यालय में क्रमिक भूख हड़ताल चल रही है। एक मराठी समाचार चैनल से बात करते हुए शिंदे गुट के विधायक ने कहा, यह आंदोलन नहीं है, बल्कि बिरयानी पार्टी है और इस पार्टी की तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। औरंगाबाद के मुसलमानों को नाम बदलने से कोई समस्या नहीं है। लेकिन हैदराबाद (एआईएमआईएम) के लोगों ने ऐसा किया है। उन्होंने पूछा, आपको (जलील को) शहर का नाम बदलने से समस्या क्यों है? क्या आप औरंगजेब के वंशज हैं? शिवसेना विधायक ने कहा कि एमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी (औरंगजेब की) कब्र पर जाते हैं और सिर झुकाते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 7 मार्च- 2023

घटती सेहत, बढ़ता मोटापा

देश में आर्थिक संपन्नता आने के साथ ही लोगों के खान-पान में भी काफी बदलाव आया है। जिसकी वजह से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड रहा है। हाल में आए अध्ययन ने तो चिंता की लकीरें और ही बढ़ा दी हैं। इसके बावजूद इस मामले में गंभीरता से कोई काम नहीं किया जा रहा है। यदि यही हाल रहा तो आने वाले बारह सालों में मोटापा बढ़ने की दर लड़कों में बारह फीसद और लड़कियों में सात फीसद तक पहुंच सकती है। इसकी सबसे पडी वजह डब्बाबंद फास्टफूड खाने की आदतें बताई जा रही हैं। इसलिए समय रहते इस पर तुरंत नियंत्रण किए जाने की जरूरत है। डिब्बाबंद खाने से देश के जीडीपी पर भी 1.8 फीसद तक प्रभाव पड़ेगा। जहां के नागरिक ही स्वस्थ नहीं होंगे तो उनके कामकाज पर असर पडना स्वाभाविक है। जाहिर है ऐसे देशों में कभी आर्थिक और सामाजिक खुशहाली का वातावरण नहीं बन सकता। देश की तरक्की के लिए सरकारों को स्वास्थ्य के मद में अधिक खर्च करने की जरूरत है। दुर्भाग्य से भारत में बच्चों के स्वास्थ्य पर भी मोटापे का असर देखा जा रहा है जिसके बुरे असर को लेकर चिंता लाजिमी है। इस चिंताजनक समस्या के लिए कारखाने में बने डिब्बाबंद और फास्ट फूड आहार जिम्मेदार हैं, इसलिए पहली नजर में सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि इस तरह के खाद्य पदार्थों के चलन और उनके प्रचार-प्रसार पर रोक लगाए। देखा जाए तो यह केवल सरकारों के प्रयास से संभव नहीं है। इसके लिए नागरिक सहभागिता भी जरूरी है। फास्टफूड की पसंदगी का आलम यह है कि यह बडे शहरों व महानगरों से लेकर कस्बों व गांवों तक अपनी पैठ बना चुका है। बच्चे स्वाभाविक रूप से इस चटोरे खाने के प्रति आकर्षित होते हैं। माता-पिता भी लाड़-प्यार या नासमझी में बच्चों को ऐसे खाद्य देने से परहेज नहीं करते। अब तो कई खाद्य इस तरह बच्चों के जीवन का हिस्सा बन चुके हैं कि माता-पिता ने भी स्वीकार कर लिया है कि हल्की-फुल्की भूख में बस दो मिनट का आहार ही विकल्प हैं। इस धंधे में अच्छा स्कोप देख कर ही बहुत सारी कंपनियां घर-घर सामान और खाना पहुंचाने लगी हैं। यही वजह है कि डिब्बाबंद खाद्य का कारोबार दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है। निस्संदेह इससे सरकारों को राजस्व की कमाई बढ़ रही है। मगर इन खाद्य पदार्थों में किस तरह के हानिकारक पदार्थ शामिल हैं, उनकी जांच का अभी तक कोई पुख्ता तंत्र नहीं विकसित हो सका है। खाद्य अपसंस्करण नियंत्रण विभाग शिकायत मिलने पर जरूर कभी-कभार उनकी गुणवत्ता जांचने का टोटका करता है। यदि इसे नियमित किया जाए तो ऐसे हानिकारक पदार्थों के वितरण पर रोक लग सकती है। अधिकारियों की ढिलाई का ही नतीजा है कि स्थानीय स्तर पर भी बहुत सारे तुरंता आहार बनाने वाले कारखाने खुलते और कारोबार करते देखे जाते हैं। जबकि तुरंता आहार के कारोबार में शामिल नामी बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक के उत्पाद की गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं। बता दें कि बच्चों की खानपान की आदतें विकसित करने में माता-पिता की भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है, मगर जब भ्रामक विज्ञापनों और धुआंधार प्रचार-प्रसार के जरिए उपभोक्ता के दिमाग पर हमला कर यह धारणा बनाने में कामयाबी हासिल कर ली गई हो कि तुरंता और डिब्बाबंद आहार बच्चों की सेहत के लिए जरूरी हैं, तो फिर कंपनियों की इस धोखाधड़ी पर नकेल कसने की जिम्मेदारी आखिरकार सरकारों पर ही आती है। हर साल अलग-अलग अध्ययनों में बताया जाता है कि किन-किन खाद्य पदार्थों का सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, फिर भी प्रशासन उनके खिलाफ कोई कड़े कदम उठाता नजर नहीं आता। फिर, जब किसी चीज का बुरा असर एक बड़ी आबादी की सेहत पर पर पडता है तो सरकारी अमला हाथ पैर मारना शुरू करता है। नहीं तो सब चंगा तो चल ही रहा है?

शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्याएं : आखिर क्यों?

डॉ. चक्रपाल सिंह

शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्याएं : आखिर ! क्यों?

डॉ।चक्रपाल सिंह

भारत के मुख्य न्यायाधीश श्री डी.वाई.चंद्रचूड द्वारा 25 फरवरी 2023 को नलसार, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, हैदराबाद के 19वें दीक्षांत समारोह के अपने मुख्य अतिथीय संबोधन में उच्च शैक्षणिक संस्थानों में सीमान्त वर्गीय छात्रों द्वारा बढ़ती आत्म हत्या की प्रवृत्ति में एक विशेष पैटर्न की ओर इशारा करते हुए गहरी चिंता व्यक्त की गयी।उन्होंने बताया कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों में सीमान्त वर्गीय सामाज (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग) के छात्रों द्वारा आत्म हत्या किए जाने की घटनाएं आम हो गईं हैं। यह संख्यात्मक दृष्टि से ही नहीं, ऐतिहासिक रूप से सदियों के कठिन संघर्ष की कहानी है।हमें एहसास होना चाहिए कि भिन्न भिन्न छात्र भिन्न - भिन्न चुनौतियों का सामना करते हैं। अभी हाल में भारतीय प्रौधोगिकी संस्थान, बंबई के छात्र द्वारा आत्महत्या का मामला हो या फिर पिछले वर्ष राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, उड़ीसा के आदिवासी छात्र द्वारा आत्म हत्या का, इन सभी आत्म हत्याओं में एक ख़ास पैटर्न है।हमारी शैक्षणिक संस्थाओं को छात्रों में गहरी प्रतियोगिता की भावना विकसित करने के साथ-साथ, जीवन के प्रति दृष्टिकोण पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।उन्होंने स्पष्ट किया कि शैक्षणिक संस्थाओं में समानुभूति (Empathy) के अभाव का इन छात्रों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।उन्होंने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए आगे कहा कि इन छात्रों के अंकों का सामाजिक श्रेणी के साथ सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा करना, इसी आधार पर छात्रावासों का आवंटन, इन्हें हतोत्साहित करने के उद्देश्य से इनके अंकों को सावर्जनिक रूप से पूछना, इनकी भेष-भूषा और भाषा का उपहास, अभद्र भाषा के उपयोग पर कोई कार्यवाही का न होना, छात्रवृत्ति को रोकना या फिर बिलम्ब से प्रदान करना , रूढ़िगत व्यंग्य/जोक सामान्य हैं।जबकि, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों की स्थापना का मकसद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच को आसान बनाना था, न कि विशिष्ट (Elite) संस्थान। ये संस्थान समाज के एक बड़े हिस्से तक पहुँचने के लिए संघर्षरत हैं। इनके प्रवेश परीक्षा पैटर्न, अंग्रेजी भाषा तथा वित्तीय भार पर अपनी चिंताएं व्यक्त करते हुए आगे कहा कि शैक्षणिक संस्थाओं में समानुभूति (Empathy) भावना का विकास ही यहाँ के माहौल में व्याप्त विशिष्टता बोध एवं बहिष्कारबाद की संस्कृति को समाप्त कर सकता है। न्यायाधीश सामाजिक सच्चाईयों से मुंह नहीं चुरा सकते हैं।मुख्य न्यायाधीश द्वारा व्यक्त चिंताओं की भयावहता को समय रहते समझना होगा।इसको किन्ही परिस्थितियों में नजरअंदाज करना सामाज एवं राष्ट्र को महगा पड़ सकता है।क्या कारण हैं कि 21वीं सदी के तमाम सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं बौधिक आत्मश्लाघीय दावों के बावजूद हमारे छात्र आत्म हत्या जैसे जघन्य कदम उठाने के लिए बाध्य हो रहे हैं।आखिर इसके लिए कौन जिम्मेदार है? विषय पर आगे बढ़ने से पूर्व इसकी भयावहता को आंकने का प्रयास करते हैं ।ऐसा नहीं है कि शैक्षणिक संस्थाओं में सिर्फ सीमान्त वर्गीय छात्र ही आत्म हत्याएं कर रहें हैं।राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों द्वारा आत्म हत्याएं किए जाने के आंकड़े किसी भी सभ्य समाज को डराने वाले हैं।ऐसा इस लिए कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2021 में देश के 13,089 छात्रों ने आत्म हत्या द्वारा अपनी जान को गंवाया।जिनमें 43.49 प्रतिशत छात्राएं तथा 56.51 प्रतिशत छात्र थे। भारत में प्रति घंटा कम से कम एक छात्र/छात्रा (यानी 28 प्रति दिन) आत्म हत्या करता है।जोकि लैंसट के अध्ययन के अनुसार विश्व में सर्वाधिक है। ब्यूरो के अनुसार छात्रों द्वारा आत्म हत्या के मामले में महाराष्ट्र सबसे अग्रणी है ।इसके बाद तमिलनाडु तथा मध्य प्रदेश आते हैं।

इसमें वर्ष दर वर्ष वृद्धि तमाम चिंताओं दुश्चिंताओं को जन्म देती है। जहां तक सीमान्त वर्गीय छात्रों का प्रश्न है जैसा कि मुख्य न्यायाधीश ने ऊपर उठाया है, जिसकी पुष्टि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा दिसंबर 2021 को संसद में दिए एक प्रश्न के लिखित उत्तर से होती है।श्री प्रधान ने लोक सभा में बताया कि वर्ष 2014-2021 के मध्य उच्च शैक्षणिक संस्थाओं (आईआईटी, आईआईएम, आईआईएस-सी, केन्द्रीय विश्व विद्यालय तथा अन्य) में कुल 122 छात्रों ने आत्म हत्या की, जिसमें 24 छात्र अनुसूचित जाति, 41 अन्य पिछड़ा वर्ग, 3 अनुसूचित जनजाति, 3 अल्पसंख्यक समुदाय से थे।इनमें सबसे अधिक मामले (37) केन्द्रीय विश्व विद्यालय से संबंधित थे।आखिर उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में छात्र आत्म हत्या क्यों कर रहे हैं ? गंभीरता से सोचने का विषय है।यदि वास्तव में इन संस्थानों में किसी भी आधार पर उत्पीड़न तथा भेदभाव का कोई ख़ास पैटर्न है, जैसा कि उपर्युक्त आंकड़ों से पुष्टि होती है, तो इसे तुरंत हर स्तर पर सुधारने की सख्त जरूरत है।जिसे मानसिक व्याधि, पारिवारिक समस्याएँ, बीमारी, अवसाद, परीक्षा में विफलता का डर, बेरोजगारी, आदि आदि के बहाने नहीं टाला जा सकता है।जहां तक सीमान्त वर्गीय छात्रों द्वारा प्रवेश परीक्षाओं में कम अंक लाने का प्रश्न है, तो यह हमारी पूरी शिक्षा प्रणाली एवं व्यवस्था को ही कटघरे में खड़ा कर देता है।ऐसा इसलिए कि भारत के सीमान्त वर्गीय समाज के इतने बड़े हिस्से से इतने छात्र भी क्वालीफाई क्यों नहीं कर पाते हैं जितने कि शेष एक छोटे हिस्से से छात्र क्वालीफाई कर जाते हैं।इसके नेपथ्य में छिपे कारणों पर न तो आरक्षण समर्थक, और न ही विरोधी कभी गंभीर विमर्श के लिए आंदोलित होते हैं।क्योंकि उनकी राजनैतिक रोटियाँ सेंकने के लिए असमानता एवं भेदभाव का चूल्हा जलता रहना चाहिए।कोई भी समान शिक्षा व्यवस्था को ईमानदारी से लागू करने की बात तो दूर, राष्ट्रीय स्तर पर बहस करने के लिए भी तैयार नहीं है।सारी घोषित सरकारी कवायद के बावजूद उदार अर्थव्यवस्था में असमान शिक्षा की खाई इतनी चौड़ी एवं गहरी होती जा रही है कि न जाने आने वाली कितनी पीड़ियाँ इसको पाटने में समा जाएँगी, और जनता सिर्फ इस भ्रम में आपस में लड़ती रहेगी कि वे एक दूसरे के बच्चों का हक़ मार रहे हैं। अक्सर देखा गया है कि अभिभावक अपने बच्चों के दिलो दिमांग में पूर्वाग्रह रोपित कर देते हैं।हम अपनी जिन्दगी भर की असफलताओं/महत्वाकांक्षाओं का बोझ जाने अनजाने में मासूमों पर लाद देते हैं।इस तरह हम बच्चों को उनकी मौलिकता में स्वतंत्रता के साथ आगे बढ़ने ही नहीं देते हैं।इसके लिए छात्रों को दोष नहीं दिया जा सकता है।जब इस ग्रंथि से ग्रसित छात्र शैक्षणिक संस्थाओं में जाते हैं, तब इन संस्थाओं में सीमान्त वर्गीय छात्रों के साथ इनका व्यवहार समानुभूति वाला कैसे हो सकता है। इसके लिए छात्र नहीं हम, हमारा समाज एवं हमारी परवरिश जिम्मेदार है।वहीं इन संस्थानों में बैठे वे लोग जिम्मेदार हैं जिनके हाथों में छात्रो का भविष्य सौंपा गया है।इन संस्थाओं में छात्रों द्वारा अपनी जिन्दगी समाप्त करने का ख्याल ही, इन संस्थाओं की विफलता है।जब तक देश में समान शिक्षा पद्धति ईमानदारी पूर्वक पूरी निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ ज़मीनी धरातल पर लागू नहीं होती है, तब तक सीमान्त वर्गीय समाज के साथ साथ समाज के अन्य होनहार छात्रों द्वारा आत्म हत्याओं का सिलसिला रुकने वाला नहीं है।इस हकीकत को किसी बहाने से छिपाया नहीं जा सकता है।राजनेता , बुद्धिजीवी , शिक्षाविद , विधि विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री इत्यादि इत्यादि जीडीपी के गिरने, रूपए के अवमूल्यन, शेयर बाजार के गिरने इत्यादि इत्यादि पर तो चैनलों पर बहस करते, लड़ते झगड़ते दिख जाएंगे

।लेकिन, कोई भी शैक्षणिक संस्थाओं, शिक्षकों, राजनीति एवं राजनीतज्ञों तथा आदमी के अवमूल्यन पर कहीं कोई चर्चा करता नजर नहीं आता है।

क्यों टेढ़ी मेढ़ी है विपक्षी एकता की पटरी

अशोक भाटिया

यह लाख टके का सवाल है कि विपक्षी एकता का भविष्य क्या है? क्या पार्टियां 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए एकजुट हो पाएंगी? अभी कोई भी जवाब देना जल्दबाजी है लेकिन इस एकता का भविष्य दिखने लगा है। कांग्रेस का राय अधिवेशन खत्म होने और पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के चुनाव नतीजों के बाद उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल और कर्नाटक से लेकर तेलंगाना तक से जैसी राजनीति की खबरें आ रही हैं उनसे लग रहा है कि विपक्षी पार्टियों की एकता बनाना बहुत मुश्किल काम है। कांग्रेस ने भले रायपुर में विपक्षी एकता की अपील की है लेकिन ऐसा लग रहा है कि प्रादेशिक पार्टियों का कांग्रेस विरोध तेज हो गया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विपक्षी पार्टियों की एकजुटता का संकेत दिया था। वे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के 70वें जन्मदिन के मौके पर एक मार्च को चेन्नई में थे, जहां सिर्फ उन्हीं पार्टियों का जमावड़ा हुआ था, जो कांग्रेस के साथ तालमेल कर सकती हैं। वहां से लौटने के बाद उन्होंने कहा भी कि सपा विपक्ष के साथ मिल कर चुनाव लड़ेगी। लेकिन उनके कहने के तुरंत बाद उनकी पार्टी के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी की ओर से सफाई दी गई कि सपा सिर्फ अपनी सहयोगी रालोद के साथ मिल कर लड़ेगी। अब सोचें, अगर सपा और रालोद लड़ते हैं, बसपा ने पहले ही अकेले लड़ने का ऐलान किया है और कांग्रेस अकेले लड़ती है तो भाजपा को कैसा फायदा होगा। उधर पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस का विवाद तेज हो गया है। राज्य की सागरदिघी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव जीत कर कांग्रेस ने खाता खोला। बंगाल की 294 सदस्यों की विधानसभा में कांग्रेस को पहली सीट मिली। लेकिन उसके तुरंत बाद कांग्रेस नेताओं पर कार्रवाई शुरू हो गई। राज्य की पुलिस ने कांग्रेस प्रवक्ता कौस्तुभ चौधरी को ममता बनर्जी पर बयान देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले नतीजों के तुरंत बाद बौखलाहट में ममता बनर्जी ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी पर हमला किया और उनकी बेटी की मृत्यु का मुद्दा बनाया। इसे लेकर कौस्तुभ चौधरी ने ममता पर निशाना साधा तो रात तीन बजे ममता की पुलिस कांग्रेस प्रवक्ता को उठा ले गई। ध्यान रहे सागरदिधी सीट मुस्लिम बहुल है और उस पर हार से ममता की चिंता बढ़ी है। सपा और तृणमूल के कांग्रेस विरोध के बीच आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर उन राज्यों के दौरे पर निकल गए, जहां अगले कुछ दिन में चुनाव होने वाले हैं। शनिवार को उन्होंने कर्नाटक में एक रैली की और कर्नाटक सरकार पर 40 फीसदी कमीशन लेने का आरोप लगाया। उन्होंने पांच साल के लिए आप की ईमानदार सरकार बनाने की अपील की। उसके बाद रविवार को उनका अगला मुकाम मध्य प्रदेश था और 14 मार्च को छत्तीसगढ़ में उनकी रैली होगी। इन सभी राज्यों में इस साल चुनाव हैं। उनका एकमात्र मकसद इन राज्यों में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाना है। इस बीच तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव 14 अप्रैल को अपने यहां कांग्रेस के अलावा बाकी विपक्षी पार्टियों को जुटाने की तैयारी में लग गए हैं। इसके पूर्व जब डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के 70वें जन्मदिन पर देश की कई विपक्षी पार्टियों के नेता चेन्नई में जुटे थे । उस जलसे में जुटे सभी नेताओं ने विपक्षी एकता की बात की थी । विपक्ष की एकजुटता में सबसे बड़ी बाधा नेतृत्व के मसले पर थी, जिसे लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने काफी हद तक स्थिति स्पष्ट कर दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी नहीं कहा है कि कौन प्रधानमंत्री बनेगा। हालांकि इससे पहले मध्य प्रदेश के अध्यक्ष कमलनाथ कह चुके हैं राहुल गांधी नेतृत्व करेंगे विपक्ष का। पिछले दिनों पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने भी कहा था कि कांग्रेस ही गठबंधन का नेतृत्व करेगी। कमलनाथ और रमेश के कहने से ज्यादा अहम मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान है। ध्यान रहे उन्होंने नगालैंड में भी विपक्षी एकता की बात कही थी और चेन्नई में उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने की जिद नहीं कर रही है। यह बहुत बड़ी बात थी। स्टालिन के जन्मदिन के मौके पर हुए आयोजन की दूसरी बड़ी बात थी समाजवादी पार्टी का कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों के साथ मंच साझा करना। सपा और कांग्रेस के बीच पिछले कुछ समय से तनाव है। 2017 का विधानसभा चुनाव साथ लड़ने के बाद से दोनों पार्टियां अलग अलग हैं। 2019 में सपा ने बसपा के साथ मिल कर लोकसभा का चुनाव लड़ा था और कांग्रेस को अलग रखा था। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव चेन्नई में विपक्ष के आयोजन में शामिल हुए इसका विपक्षी एकता के लिए बड़ा महत्व है। जानकार सूत्रों का कहना है कि वे तीसरे मोर्चे की बजाय दूसरे मोर्चे में शामिल होने पर राजी हो गए हैं। दूसरा मोर्चा यानी वह विपक्षी गठबंधन, जिसमें कांग्रेस हो। अब तक माना जा रहा था कि तृणमूल कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति और आम आदमी पार्टी की तरह समाजवादी पार्टी भी तीसरा मोर्चा बनाने के पक्ष में है। लेकिन अब ऐसा नहीं लग रहा है। क्योंकि तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश करने वाली पार्टियों को स्टालिन के जन्मदिन के आयोजन में नहीं बुलाय गया था। तमाम सद्भाव के बावजूद के चंद्रशेखर राव, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को न्योता नहीं दिया गया था, जबकि अखिलेश को न्योता दिया गया और वे शामिल भी हुए। इसके साथ ही चेन्नई में तीसरे मोर्चे की बात करने वालों की आलोचना की गई। कांग्रेस की बात दोहराते हुए स्टालिन ने कहा कि तीसरा मोर्चा बना तो उससे भाजपा को फायदा होगा। यह केसीआर, ममता और केजरीवाल तीनों को साझा विपक्ष की ओर से मैसेज था। स्टालिन के जन्मदिन के कार्यक्रम से कांग्रेस को साथ लेकर बनने वाले विपक्षी गठबंधन की रूप रेखा स्पष्ट हो गई है। कांग्रेस के अलावा उसकी सहयोगी डीएमके और राजद इसमें शामिल हैं। फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कांफ्रेंस भी इसमें है और एक तरह से अखिलेश यादव ने भी इसमें शामिल होने का संकेत दे दिया है। अगर इन सभी क्षेत्रीय पार्टियों के नेता प्रयास करें और खड़गे की बात को सामने रख कर केसीआर, ममता और केजरीवाल से बात करें तो विपक्ष का बड़ा गठबंधन भी बन सकता है। हाल की एक ताज़ा घटना ने विपक्षी एकता की कलाई खोल कर रख दी जब तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव समेत नौ विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर विपक्षी सदस्यों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के 'खुल्लम खुल्ला गलत इस्तेमाल' का आरोप लगाया । पत्र पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आर जे डी नेता तेजस्वी यादव, शरद पवार, फारूक अब्दुल्ला, उद्धव ठाकरे और अखिलेश यादव ने हस्ताक्षर किए ।

कोरोना की तरह जानलेवा बन रहा एडिनोवायरस!

मनोज कुमार अग्रवाल

एडिनोवायरस इन दिनों कहर बरपा रहा है। खासकर पश्चिमी बंगाल में यह आफत बन कर पीड़ितों की जान लील रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार कोलकाता के सीबी राय अस्पताल में ही पिछले 24 घंटों में छह बच्चों की मौत हो गई है बताया जाता है कि यह सब एडिनोवायरस के चलते हुई हैं। जबकि हाल के दिनों में अकेले पश्चिमी बंगाल में ही एडिनोवायरस तीस से अधिक बच्चों की मौत की वजह बना है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि सरकारी तंत्र इन मौतों को एडिनोवायरस की वजह से बताने में संकोच कर रहा है। इसके पीछे वजह प्रदेश में इस बीमारी को लेकर अफरातफरी न मच जाए यह सोच भी है। सरकारी तंत्र का कहना है कि ये मामले संक्रमण (एक्यूट रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन)के अधिक हैं। यह बच्चों में हर साल होता है। एक लड़की जिस को सांस लेने में तकलीफ हुई। उसे बुखार भी हुआ था। परिवार वालों ने बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया। जांच के बाद रिपोर्ट एडेनोवायरस पॉजिटिव आई। हालत सीरियस होने की वजह से उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। दो दिन बाद ही उस की मौत हो गई।ये सिर्फ एक बानगी बतौर एक मामला है।जबकि कोलकाता समेत पश्चिम बंगाल के कई जिलों में सबसे ज्यादा एडेनोवायरस के मामले आ रहे हैं। अब तक वहां तीस बच्चों की मौत हो चुकी है। कोरोना वायरस के खौफ से लोग अभी भी पूरी तरह से बाहर नहीं आ पाए हैं, और अब एडेनोवायरस की वजह से जान जा रही है। आइएमसीआरइ ने पश्चिम बंगाल के कुछ बच्चों का टेस्ट किया है। जिसमें सांस के इन्फेक्शन के कम से कम 32% नमूनों में वायरस पाया गया।

यह बीमारी ज्यादातर बच्चों को अपना निशाना बना रही है। इन में दूधमुहे बच्चों से लेकर बारह साल तक के बच्चों पर अधिक असर देखने को मिल रहा है। पड़ताल किजिये आप के गांव शहर में भी इस वायरस का संक्रमण तो नहीं फैल रहा? क्योंकि यह वायरस काफी खतरनाक है यह एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में निकट व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से और हवा के माध्यम से खांसने और छींकने या दूषित वस्तु या सतह को छूने से फैल सकता है।अभी तक की जानकारी के अनुसार वर्तमान में, एडेनोवायरस संक्रमण से पीड़ित रोगियों के लिए कोई स्वीकृत एंटीवायरल दवाएं और कोई विशिष्ट उपचार नहीं है। पश्चिम बंगाल में एडेनोवायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राज्य में एडेनोवायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में एडेनोवायरस से अब तक तीस से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा अधिक हो सकता है हालांकि राज्य सरकार की ओर से इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। एडेनोवायरस को लेकर पश्चिम बंगाल के अलावा कई राज्य सरकारें भी अलर्ट पर आ गई हैं और अस्पतालों में सुविधा को पुख्ता किया जा रहा है। एडेनोवायरस के लक्षण कोरोना वायरस के लक्षणों से काफी मिलते-जुलते हैं। आप को बता दें कि आखिरकार एडेनोवायरस क्या है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है। ज्यादातर मामलों में एडेनोवायरस श्वसन तंत्र को संक्रमित करता है। एडिनोवायरस एक ऐसा वायरस है, जो खासतौर से आंख, फेफड़े, आंत, यूरीनेटर पेशाब नली और दिमाग पर हमला करता है और संक्रमण फैलाता है।

एडिनोवायरस का शिकार हुए मरीजों को सर्दी-जुकाम, फ्लू, सांस लेने में तकलीफ, कमजोरी और इम्यून सिस्टम से संबंधित अन्य दिक्कतों की शिकायत हो सकती है। बता दें कि, ये वायरस साल भर और किसी भी मौसम में, हर उम्र के लोगों पर हमला कर सकता है। वहीं इससे होने वाला असर हल्का भारी से लेकर बहुत भयावह तक हो सकता है। अगर कोई व्यक्ति एडेनोवायरस से संक्रमित है तो उसमें निम्नलिखित लक्षण दिखाई दे सकते हैं संक्रमित चीजें जैसे टिश्यू, फेस मास्क को ठीक से डिस्पोज करें।बच्चों में फ्लू के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो उन्हें स्कूल जाने और बाहर खेलने से रोकें।दूसरों के संपर्क में आने से रोकें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेट रहे।दस्त या उल्टी होने पर ओआरएस का घोल पिएं।शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने की कोशिश करें। सांस संबंधी समस्या होने पर मास्क लगाकर बाहर जाएं।पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेट रहे।ज्यादातर मामलों में एडेनोवायरस श्वसन तंत्र को संक्रमित करता है। अगर कोई व्यक्ति एडेनोवायरस से संक्रमित है तो उसमें निम्नलिखित दिखाई दे सकते हैं सामान्यतःठंड या फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं।

अपनी ढफली, अपना राग

सुनील कुमार महला

इक्का-दुक्का लोग ही कह रहे हैं-'मेरी लेखनी का जादू चलेगा, मेरा व्यंग्य हर अखबार में खिलेगा।' ज्यादातर लोग इस मत के हैं कि-व्यंग्य के क्षेत्र में मेरी कब्र खुदेगी, मेरे नाम की लुटिया डूबेगी। हमें भी लगता है कि हमारी लुटिया को अब कोई नहीं बचा सकता है, ये जो व्यंग्य लिख रहा हूँ, यह भी हमारी डूबती लुटिया को कतई बचा नहीं पाएगा। सच कहूं तो हम व्यंग्य लिख-लिखकर निराशा के गर्त में डूब चुके हैं, और हमारे दुश्मन, हमारे प्रतिद्वंदी, शत्रु आजकल हर पल हर क्षण यह माला जपते रहते हैं कि हम लेखन के क्षेत्र में शून्य बटे सन्नाटा हो जाएं। कहीं भी नहीं छपें। अजी ! हमारी तो व्यंग्य के क्षेत्र में कब की कब्र खुद गई। बस समझो कि हम कब्र में बैठ ही गए। अजी ! व्यंग्य ही नहीं कविता, आर्टिकल के क्षेत्र में भी। फिलहाल हम उसी स्थान(कब्र) ये व्यंग्य भी पाठकों के लिए चेंप रहे हैं। वैसे ना, लेखन के फील्ड में हमारी कब्र खोदने में संपादक जी का हाथ प्रमुख रहा है। वो क्या है कि संपादक जी के हाथ कानून से भी लंबे हैं। हमारे जैसे लेखक की लेखनी को जब चाहें, जैसे चाहें तोड़-मरोड़कर कचरे के डिब्बे में फेंक डालते हैं। कई बार तो संपादक जी पान चबाते-चबाते डस्टबिन के किसी गंदे कोने में तोड़-मरोड़ अवस्था में पड़ी हमारी लेखनी पर पीक तक थूक देते हैं। ये कद्र है हमारी लेखनी की संपादक जी की पैनी, तेज-तर्रार नजरों में। वो(संपादक जी) जिस प्रकार से हमारी लेखनी को डस्टबिन के हवाले करते हैं, हमें लगता है कि ऐसे तो कोई कभी गली के आवारा कुत्तों के आगे बची-खुची ,बासी रोटी भी नहीं फेंकता होगा। हमारा आर्टिकल, हमारा नाम और हमारी फोटो देखी और वो मारा, वो काटा, वो धड़ाम से डस्टबिन में पटका। वास्तव में, हमें संपादक जी ने लेखन के क्षेत्र में इतना पटक दिया है कि इतना तो अंतर्राष्ट्रीय रेसलिंग में कोई नामी-गिरामी पहलवान भी अपने प्रतिद्वंद्वी को भी नहीं पटखता होगा। हम कुछ भी लेखन सामग्री संपादक जी को भेजते हैं तो अगले दिन अखबार में हमारा नाम-वाम कुछ दिखता ही नहीं। हम सूक्ष्मदर्शी(माइक्रोस्कोप) लेकर अलसुबह आंख खुलते ही अखबार में अपना नाम अपने एंड्रॉयड मोबाइल फोन में खोजते हैं। लेकिन नाम भी बड़ा बेशर्म और बेहया है, संपादक जी की हमारे आर्टिकल्स पर क्रूर नजरों के कारण हमारा नाम कभी दिखता ही नहीं। इसमें सारा का सारा दोष हमारा ही है। हम लेखन के क्षेत्र में नये जो ठहरे। अब संपादक जी ने कभी हमारा नाम सुना ही नहीं है तो बेचारे वे हमें छापेंगे कैसे ? वैसे भी हमारे आर्टिकल से पहले किसी मंत्री-संत्री, किसी बड़े लेखक ने आर्टिकल अखबार को भिजवा दिया तो उन्हीं का तो आर्टिकल छपेगा।

अब हम ठहरे लेखन के क्षेत्र में बड़े लेखकों, मंत्री-संत्री के आगे बहुत ही बौने। अब संपादक जी ऐसी धर्मसंकट वाली स्थिति में हमें छाप सकते हैं क्या ? नहीं न ! वैसे भी हमारी संपादक जी से कोई जान-पहचान तो है नहीं, हाय-हैलो तक भी नहीं है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स से भी हम संपादक जी से नहीं जुड़े हुए, तो हम छपेंगे कैसे ? हम संपादक जी को कभी गुड मार्निंग, गुड इवनिंग, गुड नाइट, गुड डे नहीं कहते हैं। ऊपर से बेचारे संपादक जी बड़े लेखकों, मंत्री-संत्री जी को कैसे नाराज कर सकते हैं ? संपादक जी की नजरों में बड़े लेखकों, मंत्री-संत्री का लिखा हरेक शब्द 'रामबाण' होता है। हमारे तो शब्द ही मरे हुए हैं।

अफसर बने भैया के शौक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हमारे भैया जी अफसर बन गए हैं। जब तक भैया थे तब तक गैया माफिक भोली-भाली शक्ल लिए सबके चहेते थे। पहले वे जो कुछ भी लिखते मास्टर जी उसे काट देते थे। कहते इसमें यह गलत है वह गलत है। अब वही मास्टर जी भैया जी के अफसर बनने के बाद उनके ऑफिस जाते और अपनी पेंशन की फाइल दिखा-दिखाकर अपनी बीपी, शुगर बढ़वाते। चप्पल घिसवाना, नाक रगड़वाना अधिकारी बने भैया जी का पसंदीदा शौक था। उनका दृढ़ विश्वास था कि जब तक चप्पल नहीं घिसेगी और नाक रगड़ी जाएगी तब तक बंदा रिश्वत रूपी लक्ष्मी देने से आना-कानी करता है। इसीलिए अपने ही मास्टर जी की फाइल की हर सही चीज को काटकर उन्हें गलत साबित करने में अपना बदला समझा। मास्टर जी करते भी तो क्या करते। चाकपीस लिखने वाले मास्टर की किस्मत ब्रह्मा नहीं हमारे भैया रूपी अधिकारी लिखते हैं। नए नवेले अधिकारी का निर्दयी, कपटी, हड़कंपी बनना शार्टकट में अमीर बनने की निशानी होती है। भैया जी अधिकारी के रूप में बहुत आगे बढ़ रहे थे। उनके हाव-भाव से ऐसा लगता कि वे पैदा बाद में हुए हैं अधिकारी पहले बने हैं। उनकी मानें तो ब्रह्मा का लिखा मिट सकता है, कंकर शंकर बन सकता है, लेकिन उनकी लिखे को कोई काट नहीं सकता है। मास्टर जी की फाइल में गाँव, ब्लाक, जिला सबकी जानकारी थी केवल राज्य का नाम नहीं लिखा था, इस पर भैया जी ने उन्हें यह सिद्ध करने के लिए भेज दिया कि वे इसी देश के हैं। मास्टर जी कहने लगे केवल देश का नाम नहीं है। इससे क्या होता है। तुम तो मेरे छात्र हो। मुझसे पढ़े हो। क्या इतना भी नहीं जानते कि मैं किस देश का हूँ। इतना भर तो तुम भी लिख सकते हो। इस पर अधिकारी जी ने कहा कि यह सच है कि मैं आपसे पढ़ा हूँ और आपने मुझे पढ़ाया है। लेकिन बिन आँखों वाले रुपए भला यह सब कैसे जानेंगे। इसीलिए फाइल का भार बढ़ाइए और अपना काम मक्खन की तरह करवाइए। इसी में देश की भलाई है।

हिंदू कैलेंडर का आखिरी दिन

फाल्गुन पूर्णिमा आज; इस दिन किए दान से मिलता है अक्षय पुण्य, श्राद्ध से तृप्त होते हैं पितर

फाल्गुन महीने की पूर्णिमा को बहुत ही खास दिन माना जाता है। परंपराओं और मान्यताओं के मुताबिक फाल्गुन महीने की पूर्णिमा पर व्रत रखने से कई गुना पुण्य मिलता है और हर तरह के कष्ट दूर हो जाते हैं। इसलिए इस दिन सूर्योदय से लेकर शाम को चंद्रमा के उदय होने तक व्रत रखा जाता है।

इस दिन व्रत रखते हुए भगवान विष्णु की विशेष पूजा और सत्यनारायण व्रत कथा करने की परंपरा है। इस तिथि पर शाम को प्रदोष काल में होलिका दहन भी किया जाता है।

पुराणों के मुताबिक अक्षय पुण्य वाला दिन

हिंदू कैलेंडर का आखिरी दिन फाल्गुन हिंदू पंचांग का आखिरी महीना होता है। इस महीने का आखिरी दिन पूर्णिमा ही होती है। इसलिए ये खास होता है। विष्णु, मत्स्य, ब्रह्म और नारद पुराण के मुताबिक इसे मन्वादि तिथि भी कहा जाता है। यानि इस दिन दिया गया दान बहुत ही खास माना जाता है। इस दिन किए गए दान से अक्षय पुण्य फल मिलता है। इसलिए इस दिन तीर्थ स्नान और श्रद्धा के मुताबिक अन्न, जल, स्वर्ण या कपड़े का दान देने की परंपरा है।

पितरों की तृप्ति का पर्व भी

पितरों के श्राद्ध का दिन फाल्गुन पूर्णिमा मन्वादि तिथि होने से इस दिन पितृ पूजा का विशेष महत्व है। मत्स्य, नारद और विष्णुधर्मोत्तर पुराण में बताया गया है कि इस दिन श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाने से पितर संतुष्ट हो जाते हैं। कई जगहों पर इस दिन तर्पण और पिंडदान भी किया जाता है। इस दिन पितरों की पूजा करने से पितृ दोष कम होता है।

पूजा-पाठ के लिए खास दिन

फाल्गुन पूर्णिमा की परंपराएं फाल्गुन पूर्णिमा पर सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ में स्नान करने की परंपरा है। पुराणों में कहा गया है कि ऐसा करने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। स्नान के बाद श्राद्धा के अनुसार दान, व्रत और भगवान विष्णु की पूजा का संकल्प लिया जाता है। फिर घर में विष्णु भगवान की पूजा के बाद मंदिर में जाकर दर्शन किए जाते हैं। दिन में सत्यनारायण कथा का पाठ करते हैं। फाल्गुन पूर्णिमा पर जरूरतमंद लोगों को भोजन, पानी और कपड़े के साथ ही जरूरी चीजों का दान करना चाहिए।

होली के बाद बदलने लगता है मौसम

इसलिए आयुर्वेद में दी गई खान-पान में बदलाव करने की सलाह

फाल्गुन पूर्णिमा 7 मार्च को रहेगी। इस तिथि पर चंद्रमा का विशेष प्रभाव रहता है। साथ ही वसंत ऋतु भी होती है। इसलिए इस दिन से प्रकृति में बड़े बदलाव भी महसूस होने लगते हैं। इसी कारण से आयुर्वेद और ग्रंथों में इस दिन से ही खान-पान और रूटीन में बदलाव करने की बात कही है।

पौराणिक कथाओं के मुताबिक फाल्गुन में ही चन्द्रमा का जन्म हुआ, इसलिए इस महीने में चंद्रमा की भी उपासना की जाती है। फाल्गुन महीने में भगवान श्रीकृष्ण की उपासना विशेष फलदायी है। इस महीने की पूर्णिमा तिथि पर खानपान और जीवनचर्या में बदलाव करना चाहिए। इस माह में भोजन में अनाज का प्रयोग कम से कम करना चाहिए और फलों का सेवन करना चाहिए।

फाल्गुन पूर्णिमा से करना चाहिए दिनचर्या में बदलाव

आयुर्वेद के जानकारों का कहना है कि फाल्गुन महीने की पूर्णिमा पर वसंत ऋतु का प्रभाव ज्यादा बढ़ जाता है। इसलिए इस दिन से खान-पान में बदलाव करना चाहिए। दिन में नहीं सोना चाहिए।

हल्का और आसानी से पचने वाला खाना खाना चाहिए। खाने में फलों का इस्तेमाल ज्यादा करना चाहिए। साथ ही नए अनाज के इस्तेमाल से बचना चाहिए और पुराने अनाज का उपयोग करना चाहिए।

प्रकृति में बढ़ता है उत्साह का संचार

फाल्गुन पूर्णिमा वसंत ऋतु की पूर्णिमा होती है। इस ऋतु के दौरान प्रकृति में बदलाव होने लगते हैं। वहीं पूर्णिमा पर चंद्रमा अपनी सौलह कलाओं के साथ होता है। इस तिथि का स्वामी चंद्रमा ही होता है इसलिए चंद्रमा का भी प्रभाव बढ़ा हुआ रहता है।

चंद्रमा अपनी किरणों से प्रकृति में सकारात्मक बदलाव ज्यादा होने लगता है। चंद्रमा और वसंत ऋतु के प्रभाव से इस दिन प्रकृति में उत्साह का संचार बढ़ता है।

लक्ष्मी जयंती पर भूलकर भी न करें ये गलती

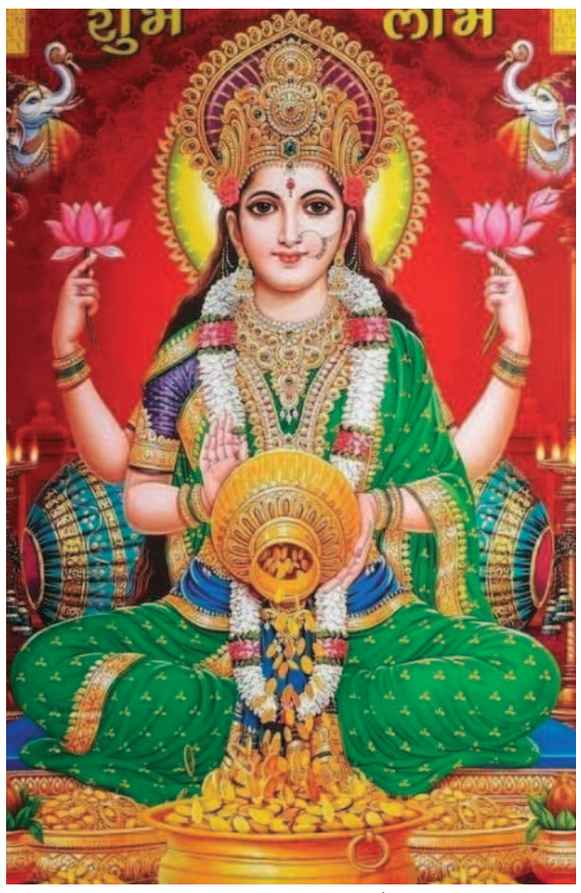

हिंदू धर्म में कई सारे पर्व त्योहार मनाए जाते है जिसमें लक्ष्मी जंयती भी बेहद खास है इस साल लक्ष्मी जयंती का पर्व 7 मार्च को देशभर में मनाया जाएगा। इसी दिन होलिका दहन भी किया जा रहा है।

लक्ष्मी जयंती पर न करें ये काम

आपको बता दें कि कल यानी 7 मार्च को लक्ष्मी जयंती और होलिका दहन का पर्व मनाया जाएगा। ऐसे में इस दिन भूलकर भी मांस मदिरा का सेवन न करें। मान्यता है कि इस दिन अगर ऐसा कोई करता है तो उसे आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा करें और पूजन में देवी की सभी प्रिय चीजें जरूर अर्पित करें खासकर इस दिन लक्ष्मी जी को कमल के पुष्प चढ़ाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से पूजा का फल भक्तों को पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। महालक्ष्मी की पूजा में काले रंग का प्रयोग भूलकर भी नहीं करना चाहिए और न ही इस दिन काले वस्त्र धारण करें इसे शुभ नहीं माना जाता है। इस दिन उल्लू पर बैठी माता लक्ष्मी की पूजा नहीं करना चाहिए बल्कि कमल के पुष्प पर बैठी देवी मां की पूजा करना उत्तम माना जाता है।

होली के दिन किस देवता को कौन सा रंग लगाएं

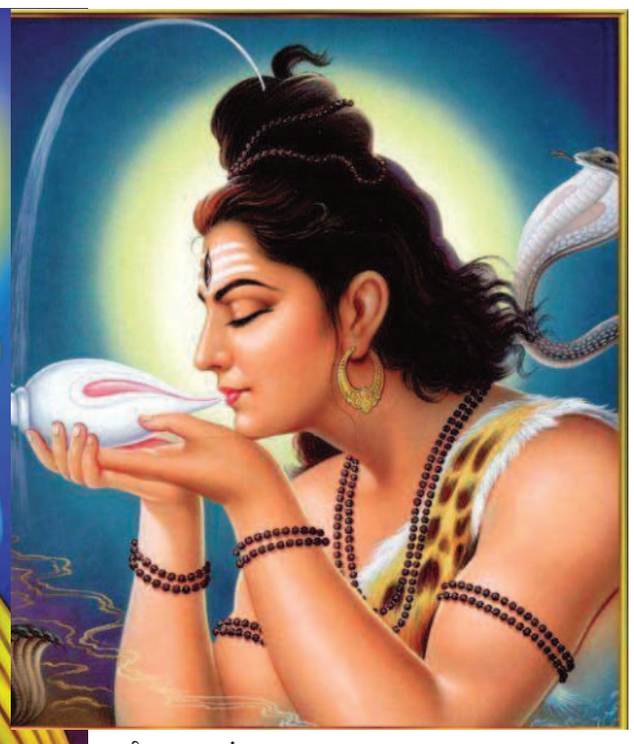

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होली के दिन राधा कृष्ण की विशेष रूप से पूजा की जाती है। आप राधा कृष्ण की मूर्ति को मुख्य द्वार पर विराज सकते हैं और पूजा में गुलाबी रंग और पिचकारी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने से पति-पत्नी के संबंध में मिठास आती है और परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है। तनाव भरा माहौल खत्म होता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होली वाले दिन आप भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। भगवान शिव पर भस्म चढ़ाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। होली के दिन आप भगवान शिव पर होलिका दहन की राख अर्पित करें इससे घर में खुशियां बनी रहेंगी।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होली वाले दिन आप भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। भगवान शिव पर भस्म चढ़ाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। होली के दिन आप भगवान शिव पर होलिका दहन की राख अर्पित करें इससे घर में खुशियां बनी रहेंगी।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होली के दिन भगवान गणेश के चरणों में हरा गुलाल लगाकर विधि विधान से पूजा करें, और उन्हें ठंडाई का भोग अर्पित करें। इस उपाय से भगवान गणेश आपकी हर मनोकामना पूरी करेंगे और आपके सारे दुख हर लेंगे।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होली के दिन भगवान गणेश के चरणों में हरा गुलाल लगाकर विधि विधान से पूजा करें, और उन्हें ठंडाई का भोग अर्पित करें। इस उपाय से भगवान गणेश आपकी हर मनोकामना पूरी करेंगे और आपके सारे दुख हर लेंगे।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होली के दिन मां दुर्गा को लाल रंग की चुनरी या लाल रंग की साड़ी चढ़ाना शुभ होगा। इस दिन आप जरूरतमंदों को कपड़ों का दान भी कर सकते हैं। माता रानी को लाल गुलाल चढ़ाने से आपको विशेष कृपा प्राप्त होगी और आपके सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। ये उपाय होली के दिन करना बहुत लाभदायक हो सकता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होली के दिन मां दुर्गा को लाल रंग की चुनरी या लाल रंग की साड़ी चढ़ाना शुभ होगा। इस दिन आप जरूरतमंदों को कपड़ों का दान भी कर सकते हैं। माता रानी को लाल गुलाल चढ़ाने से आपको विशेष कृपा प्राप्त होगी और आपके सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। ये उपाय होली के दिन करना बहुत लाभदायक हो सकता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हनुमान जी को होली के दिन लाल या सिंदूरी गुलाल अर्पित कर सकते हैं। ऐसा करने से पारिवारिक तनाव दूर होता है और परिजनों में आपसी प्रेम बढ़ता है। इसके अलावा राम भक्त हनुमान की आपके ऊपर कृपा भी बनी रहेगी।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हनुमान जी को होली के दिन लाल या सिंदूरी गुलाल अर्पित कर सकते हैं। ऐसा करने से पारिवारिक तनाव दूर होता है और परिजनों में आपसी प्रेम बढ़ता है। इसके अलावा राम भक्त हनुमान की आपके ऊपर कृपा भी बनी रहेगी।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होली के दिन भगवान विष्णु को पीला गुलाल चढ़ाकर पीला भोग लगाएं। सृष्टि के पालनहार को आप बताशे का भोग भी लगा सकते हैं। ये उपाय आपके जीवन में खुशियां भर देंगे।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होली के दिन भगवान विष्णु को पीला गुलाल चढ़ाकर पीला भोग लगाएं। सृष्टि के पालनहार को आप बताशे का भोग भी लगा सकते हैं। ये उपाय आपके जीवन में खुशियां भर देंगे।

इन तीन जगहों पर स्वयं आती हैं लक्ष्मी, गांठ बांध लें आचार्य चाणक्य की बात

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि जहां मूर्खों का सम्मान नहीं होता, धान्य यानी अन्न भरपूर रहता है और पति-पत्नी के बीच कलह नहीं होता, वहां लक्ष्मी स्वयं आती हैं। इस जगह पर हमेशा सुख-संपदा रहती है। वह यह बात एक श्लोक में इस प्रकार कहते हैं-

मूर्खाः यत्र न पूज्यन्ते धान्यं यत्र सुसंचितम
दाम्पत्योः कलहो नास्ति तत्र श्री स्वयमागता॥

इन जगहों पर लक्ष्मी नहीं करतीं वास

जहां होता है मूर्खों और

चापलूसों का सम्मानः

चाणक्य नीति दर्पण में कहा गया है कि जहां मूर्खों का सम्मान होता है, वहां लक्ष्मी एक पल भी नहीं ठहरती हैं। मूर्ख व्यक्ति की बात पर विश्वास करने वाला हमेशा नुकसान उठाता है। इसलिए

यदि लक्ष्मी को प्रसन्न करना चाहते हैं तो मूर्खों और चापलूसी करने वालों की बात पर यकीन न कीजिए। मूर्ख और चापलूस, दोनों तरह के व्यक्ति सही सलाह नहीं देते हैं।

जहां भरा होता है अन्न का भंडार :

अचार्य चाणक्य के कहने का मतलब ये है कि खूब मेहनत करके अन्न का संचय करने वाले के यहां लक्ष्मी का वास होता है। इसलिए व्यक्ति को कड़ी मेहनत करनी चाहिए। लक्ष्मी खुद ऐसे घर में आएंगी।

पति-पत्नी के बीच कलह- आचार्य चाणक्य कहते हैं कि जिस घर में हमेशा पति-पत्नी के बीच कलह रहती है वहां लक्ष्मी का वास नहीं होता। लक्ष्मी को प्रसन्न रखना है तो घर में शांति का वातावरण बनाकर रखें। पति-पत्नी ही नहीं, किसी से भी लड़ाई-झगड़े न करें। लक्ष्मी का आशीर्वाद हमेशा बना रखेगा।

'मेरे बच्चे 45 दिनों से बधंक हैं': एक्स वाइफ के आरोपों पर नवाजुद्दीन ने तोड़ी चुप्पी

इतने दिनों से इसलिए शांत था, क्योंकि ये तमाशा मेरे बच्चे जरूर पढ़ते

बीते दिनों नवाजुद्दीन की एक्स वाइफ आलिया ने उन पर कई आरोप लगाए थे। अब इन आरोपों पर नवाज का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है। उस पोस्ट में उन्होंने लिखा है- अपनी चुप्पी की वजह से मैं हर जगह गलत साबित हुआ। मैं इतने दिनों से इसलिए शांत था, क्योंकि ये सारा तमाशा कहीं ना कहीं मेरे बच्चे जरूर पढ़ते।

एक तरफा पक्ष और वीडियोज के जरिए सोशल मीडियो प्लेटफॉर्म, प्रेस और कुछ लोगों के समूह ने मेरे चरित्र हनन को बहुत एंनज्वॉय किया। सिर्फ बच्चों के लिए तलाक के बाद नवाज और आलिया साथ थे। नवाज ने आगे बताया- मैं और आलिया पिछले कई सालों से साथ में नहीं रहते हैं। हमारा तलाक हो गया था, लेकिन हम बच्चों के लिए साथ में थे।

मेरे बच्चे 45 दिनों से बंधक है

उन्होंने ये भी कहा- क्या किसी को पता है कि मेरे बच्चे बीते 45 दिनों से इंडिया में हैं और स्कूल नहीं जा रहे हैं। वहीं स्कूल की तरफ से मुझे रोज लैटर आ रहा है कि वो लोग लंबे समय से स्कूल में अबसेंट हैं। मेरे बच्चे पिछले 45 दिनों से बंधक है, वो अपने दुबई स्कूल को भी बहुत मिस कर रहे हैं।

जाने क्या है पूरा मामला

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और आलिया की लड़ाई उस समय शुरू हुई थी, जब आलिया ने नवाज की मां पर मारपीट का आरोप लगाया था। आलिया का कहना था कि नवाज के परिवार वाले उनका शोषण कर रहे हैं और उन्हें अपनी प्रॉपर्टी से बेदखल कर रहे हैं।

आलिया ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वो नवाज पर भड़ास निकाल रही हैं। उनका ये भी कहना था कि नवाज से तलाक के बाद भी हम दोनों रिलेशनशिप में रहे थे और दूसरे बच्चे का जन्म भी तलाक के बाद ही हुआ था, लेकिन नवाज ने कभी उनकी इज्जत नहीं की। वहीं नवाज की मां ने आलिया पर आरोप लगाते हुए कहा है कि दूसरा बच्चा नवाज का न होकर किसी और का है।

नवाजुद्दीन के खिलाफ आलिया ने दर्ज कराया रेप का केस

नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर उनकी एक्स वाइफ आलिया ने रेप का केस दर्ज कराया है। आलिया ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा, 'नवाज की बेरहम मां मेरे मासूम बच्चे को नाजायज बोलती है और ये घटिया आदमी चुप रहता है, वर्सोवा पुलिस स्टेशन में कल ही इसके खिलाफ रेप की शिकायत (प्रूफ के साथ) दर्ज कराई है। कुछ भी हो जाए, लेकिन इन बेरहम हाथों में अपने मासूम बच्चों को नहीं जाने दूंगी।'

आलिया ने कहा- नवाज की डार्क साइड भी देखनी चाहिए

आलिया ने नवाजुद्दीन को अहंकारी बताया है। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि ये आदमी पावर और फेम के चक्कर में बौखला गया है। बच्चे आज भी मेरे से चिपक कर सोते हैं, इसने तो उन्हें कभी गले भी नहीं लगाया होगा। मुझे कोर्ट पर पूरा भरोसा है इसलिए यकीन है कि फैसला मेरे हक में आएगा। आप सभी से निवेदन है कि इस आदमी की डार्क साइड भी देखो।'

एआर रहमान के बेटे के साथ सेट पर हुआ हादसा : शूटिंग के दौरान स्टेज पर गिरा झूमर, बाल-बाल बची जान

सिंगर एआर रहमान के बेटे एआर अमीन के साथ शूटिंग के सेट पर एक हादसा हुआ, जिसमें वो बाल-बाल बचे हैं। ये तब हुआ जब वो स्टेज पर परफॉर्म कर रहे थे और अचानक झूमर गिर गया। हालांकि, अच्छी बात ये रही की अमीन और उनकी टीम पूरी तरह से सही-सलामत हैं।

एआर अमीन ने पोस्ट शेयर कर दी जानकारी

अमीन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर सेट से दो तस्वीरें शेयर की हैं। जहां पहली फोटो में सेट सही सलामत है, तो वहीं दूसरी फोटो में मंच पर झूमर गिरा हुआ दिखाई दे रहा है। फोटोज के साथ उन्होंने एक नोट भी शेयर किया है, जिसमें उन्होंने हादसे के बारे में विस्तार से बताया है, साथ ही जान बचाने के लिए ऊपर वाले का शुक्रिया अदा किया है। 'इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट शेयर करते हुए अमीन ने लिखा- मैं ऊपर वाले, अपने माता-पिता, परिवार, शुभचिंतकों और अपने आध्यात्मिक गुरुओं का शुक्रगुजार हूं कि मैं आज जिंदा और सुरक्षित हूं।'

कुछ इंच भी इधर-उधर होता तो झूमर हमारे सिर पर गिर जाता-अमीन

हादसे का जिक्र करते हुए अमीन ने कहा- 'अभी तीन रात पहले, मैं एक गाने की शूटिंग कर रहा था और मुझे भरोसा था कि टीम ने तकनीक और सुरक्षा का ध्यान रखा है। जब मैं कैमरे के सामने परफॉर्म करने में बिजी था, तो अचानक क्रेन से लटके हुए पूरे ट्रस और

झूमर गिर गए। अगर कुछ इंच भी इधर-उधर होता तो पूरा रिंग हमारे सिर पर गिर जाता। मैं और मेरी टीम इस हादसे से बहुत डर गई है, हम अभी भी इस सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं।'

फैंस को हुई अमीन की चिंता

पोस्ट सामने आने के बाद से ही फैंस एआर अमीन को लेकर काफी परेशान हैं। कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा- 'उपरवाले का शुक्र है, मेरे भाई। हम सभी आपके साथ हैं।' दूसरे यूजर ने लिखा- 'अच्छा है कि तुम सही सलामत हो, इस तरह की लापरवाहियों के बारे में हमें सोचना चाहिए।' तीसरे यूजर ने लिखा- 'आपकी फैमिली और हम सभी फैंस की दुआएं आपके साथ है।'

बेटी नव्या को लेकर हमेशा सख्त रहीं हैं श्वेता बच्चन

:बोलीं-अगस्त्या ज्यादा मेच्योर है, महिलाओं के लिए ये दुनिया आसान नहीं है

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन नंदा ने हाल ही में अपने बच्चों के बारे में बात की। बातचीत के दौरान श्वेता ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्होंने बेटे और बेटी की परवरिश एक जैसी नहीं कि, वो हमेशा नव्या को लेकर सख्त रहीं हैं।

महिलाओं के मजबूत और सतर्क रहना चाहिए- श्वेता बच्चन

एक इंटरव्यू में जब श्वेता से सवाल किया गया कि क्या वो अपने बेटे अगस्त्या की तुलना में अपनी बेटी नव्या पर ज्यादा सख्ती करती हैं? इस पर श्वेता ने हामी भरते हुए कहा- मैं नव्या पर सख्त रही हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि यह दुनिया महिलाओं के लिए इतनी आसान नहीं है। इसलिए आपको उतना ही मजबूत,सतर्क और सावधान रहना चाहिए।'

नव्या और अगस्त्या दोनों का स्वभाव काफी अलग है- श्वेता बच्चन

श्वेता ने आगे कहा- ' नव्या और अगस्त्या दोनों का स्वभाव भी काफी अलग है। मुझे लगता है कि कि अगस्त्या काफी मेच्योर हैं। वहीं नव्या थोड़ी भोली है और मैं उसके कुछ खास दोस्तों और करीबियों पर ज्यादा भरोसा नहीं करती हूं। मैं चीजों के बारे में थोड़ी सावधान रहती हूं और उससे बात भी करती हूं।' 'हां लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि उसे अपनी जिंदगी जीने की पूरी आजादी है, जैसा वो चाहती है।'

श्वेता ने नव्या से जुड़ा किस्सा शेयर करते हुए बताया कि काफी समय पहले उन दोनों के बीच पियर्सिंग को लेकर बड़ी बहस हुई थी। उन्होंने कहा- 'मैं नव्या की बेली पियर्सिंग के सख्त खिलाफ थी, इसके बावजूद उसने इसे किया था और मैंने अपनी जिद्द से इसे हटवा दिया।'

नव्या का स्वभाव मेरी मां जैसा है- श्वेता बच्चन

मां जया से नव्या के स्वभाव की तुलना करते हुए श्वेता ने कहा- 'मुझे लगता है कि नव्या को मेरी मां से बहुत कुछ मिला है। उनकी तरह ही नव्या में दृढ़ विश्वास है, जिसे तोड़ना बहुत मुश्किल है। वो अपनी चीजों को लेकर काफी पैशनेट और मुखर है। वो उन मुद्दों पर खुलकर बात करती है, जिसमें उसका विश्वास होता है। मैं बहुत शर्मीली हूं और यह सब मेरे जैसे इंसान के लिए अच्छा नहीं है।'

नव्या को थी मां से भेदभाव की शिकायत

दरअसल, कुछ समय पहले नव्या ने 'शी दा पीपल' को दिए इंटरव्यू में बताया था कि लड़की होने की वजह से उनके साथ घर पर कई बार भेदभाव हुआ है। उन्होंने कहा था- 'मैंने अपने घर पर ऐसा होते देखा हैं, जब भी कोई मेहमान आते थे, तो मेरी मां हमेशा मुझे कुछ न कुछ लाने के लिए कहती थी। वहीं मेरे भाई के साथ ऐसा नहीं होता था, हमेशा मुझे ही होस्ट की तरह सभी स्वागत करना होता था।

शिल्पा शेट्टी ने डांस करते हुए किया वर्कआउट : शेयर किया मंडे मोटिवेशन वीडियो, फिटनेस देख फैंस कर रहे तारीफ

शिल्पा शेट्टी अक्सर सोशल मीडिया पर मंडे मोटिवेशन शेयर किया करती हैं। 47 साल की एक्ट्रेस की फिटनेस को देखकर उनकी उम्र का सही अंदाजा लगा पाना नामुमकिन है। अब हाल ही में उन्होंने फैंस के साथ मंडे मोटिवेशन वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वह घर पर मजेदार अंदाज में वर्कआउट करती हुई नजर आईं। वीडियो में एक्ट्रेस फिल्म पुष्पा के गाने 'ऊ अंटावा' में एक्सरसाइज के साथ डांस भी कर रही हैं।

इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने एक लम्बा चौड़ा कैप्शन भी दिया है। उन्होंने लिखा,'अपने #मंडे मोटिवेशन को कुछ ऐसा होने दें जिसे करना आपको पसंद हो, कुछ बेहतरीन गाने पर कैलोरी घटाने से बेहतर कॉम्बो क्या हो सकता है। मेरा आज का रूटीन लोअर बॉडी टार्गेटेड कार्डियो ड्रिल था'। अब सोशल मीडिया पर शिल्पा के इस मंडे मोटिवेशन वीडियो को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'सुपर से भी ऊपर'। तो वहीं दूसरे ने लिखा, 'बहुत बढ़िया मैम'।

एक्ट्रेस की आने वाली फिल्में

शिल्पा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही रोहित शेट्टी की फिल्म 'इंडियन पुलिस फोर्स' में विवेक ओबेरॉय और सिद्धार्थ मल्होत्रा संग लीड रोल में दिखाई देंगी। इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी पहली बार एक फीमेल पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाएंगी।

8 से 15 साल की उम्र तक पिता ने किया 'यौन शोषण', एक्ट्रेस खुशबू सुंदर के खुलासे से हर कोई हैरान

एक्ट्रेस से पॉलिटिशियन बनीं खुशबू सुंदर ने हाल ही में कुछ ऐसा खुलासा किया, जिसे सुनकर सभी के होश उड़ गए. खुशबू सुंदर ने हाल ही में अपने एक

इंटरव्यू में बताया कि 8 साल की उम्र में उनका यौन शोषण हो चुका है, ये घिनौना काम करने वाला कोई और नहीं बल्कि उनके ही पिता थे. खुशबू सुंदर को 8 से 15 साल की उम्र तक अपने ही पिता के हाथों यौन शोषण का शिकार होना पड़ा. एक दिन जब उनसे ये सब सहा नहीं गया तो उन्होंने आवाज उठाई. खुशबू के इस खुलासे के बाद हर तरफ अब उन्हीं की चर्चा है.

8 साल की उम्र से शुरू हुआ यौन शोषण

बरखा दत्त के साथ अपनी बातचीत में तमिल एक्ट्रेस खुशबू सुंदर ने कहा, 'मेरे पिता एक ऐसे व्यक्ति थे जो सोचते थे कि यह उनका अधिकार है. अपनी पत्नी को पीटना, अपने बच्चों को पीटना और अपनी इकलौती बेटी का यौन शोषण करना. यौन शोषण तब शुरू हुआ जब मैं सिर्फ 8 साल की थी. जब मैं 15 साल की थी तब मेरे अंदर इस घिनौने कृत्य के खिलाफ बोलने का साहस आया.' उन्होंने आगे कहा, जब एक बच्चे के साथ दुर्व्यवहार होता है, 'तो वो जिंदगी भर के लिए निशान छोड़ जाता है. ये सिर्फ एक लड़की या लड़के के बारे में नहीं है.'

'मां को बताने से डरती थी'

खुशबू आगे कहती हैं, 'मेरी मां सबसे अपमानजनक शादी से गुजरीं, मेरे पिता एक ऐसे व्यक्ति थे जो सोचते थे कि वो जो कर रहे हैं वो सही है, और उनका अधिकार है. जब मैंने अपनी मां को वो सब बताने के बारे में सोचा तो मुझे डर था कि कहीं उन्हें मुझ पर विश्वास ही न हो. मैंने उन्हें ऐसे माहौल में देखा है, जहां पति भगवान के बराबर होता है, चाहे कुछ भी हो. लेकिन, 15 साल की उम्र में, मैंने सोच लिया कि अब बस बहुत हो गया. मैंने अपनी चुप्पी तोड़ी. मैं 16 की भी नहीं हुई थी, मेरे पिता ने हमें छोड़ दिया. हमें ये भी नहीं पता था कि अगले दिन का खाना कहां से आएगा.'

केजीएफ से हो रही है फिल्म कब्जा की तुलना

पर्दे पर दिखाई जाएगी आजादी से पहले की कहानी

पिछले साल नॉर्थ इंडिया में भी कन्नड़ फिल्मों केजीएएफ2 और कंतारा ने अपने झंडे गाड़े थे। नए साल में साउथ से फिल्म कब्जा पूरे दमखम के साथ रिलीज हो रही है। इस पर प्रोड्यूसर आनंद पंडित ने भी बड़ा दांव लगाया है। वो इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर हैं। कहा जा रहा है कि यह बड़े बजट की फिल्म है। इसमें किच्चा सुदीप और एक्टर उपेंद्र राव अहम भूमिकाओं में है। फिल्म की कहानी आजादी के समय की है। दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान आनंद पंडित ने कहा- 'जिस कदर आजादी से पहले का इंडिया और बाद का इंडिया अलग रहा है। ठीक वैसे ही कोविड कालखंड से पहले का सिनेमा और अब का सिनेमा में अंतर रहने वाला है। वह इसलिए कि कोविड के चलते ओटीटी मजबूत हो गया है। लोगों की फिल्म देखने की आदत चेंज हुई है।'

कब्जा आज के ऑडियंस की फिल्म है- आनंद पंडित

कब्जा वैसी ही फिल्म है। हम इसे 1200 स्क्रीन पर रिलीज करेंगे। यह मूल रूप से तो कन्नड़ में शूट हुई फिल्म है। बाकी भाषाओं में यह डब हुई है। आनंद पंडित भी स्वीकारते हैं कि कब्जा की सीधी तुलना केजीएफ2 से होनी है।

आजादी के पहले की कहानी है कब्जा

आनंद ने आगे कहा- इसके टीजर देखने के बाद लोगों की ओर से कमेंट तो आ रहें हैं कि उन्हें इससे केजीएफ की फील तो आ रही है। वैसे भी इसकी ज्यादातर टेक्निकल टीम केजीएफ से ही है। बेशक हमारी कब्जा की कहानी अलग है। तब हमारा राष्ट्र सैकड़ों रजवाड़ों में बंटा हुआ था। तो हमारे किरदार अलग-अलग रजवाड़ों पर कब्जा करने की जद्दोजहद में रहते हैं। वहां फिर वॉर का आगाज होता है। तो हमारी कहानी उस वक्त के गैंगस्टर्स से इंस्पायर्ड है। थोड़ी बहुत सिनेमैटिक लिबर्टी ली गई है। किच्चा सुदीप और उपेंद्र राव दोनों अपने-अपने इलाकों के बड़े गैंगस्टर हैं।'

गैंगस्टर्स को देश के हर सिस्टम पर कब्जा करना था- आनंद

आनंद आगे कहते हैं- 'मूल रूप से उन गैंगस्टर्स को देश के हर सिस्टम पर कब्जा करना था, ताकि वह पूरे शहर पर राज कर सकें। यह फिल्म कोविड कालखंड में प्लान हुई है। यश का भी कद अच्छी फिल्म की वजह से ऊंचा हुआ। उससे पहले उनका स्टारडम अलग स्टेज पर था। कब्जा भी ऊंचे स्केल की फिल्म है। यह एक पीरियड फिल्म है। आजादी के वक्त का पूरा जहान क्रिएट करना आसान काम नहीं था हमारे लिए।'

हम देसी बॉयज 2 और ओमकारा की रीमेक बनाएंगे- आनंद

आनंद मानते हैं कि हाल के बरसों में उस लैंग्वेज में भी फिल्में अच्छा करने लगीं हैं। बॉक्स ऑफिस पर रिकवरी होने लगी है, जैसे पिछले साल उनकी फिल्म फक्त महिला आई थी। वह तीन करोड़ के बजट की फिल्म थी, पर तकरीबन 20 करोड़ का बिजनेस कर गई थी। काम के बारे में बात करते हुए आनंद ने कहा- 'मैं बाकी लैंग्वेज में भी फिल्में प्रोड्यूस कर रहा हूं। मैं तमिल, तेलुगू आदि लैंग्वेजेज में भी वहां के सितारों से बात कर रहा हूं। रहा सवाल हिंदी का तो सरकार 4, देसी बॉयज और ओमकारा की रीमेक बनाने वाला हूं। उन पर लिखाई अभी चालू है। स्टार कास्ट और डायरेक्टर कौन होंगे, वह तय होना बाकी है।'

रणबीर कपूर ने नाम से सेव किया है पत्नी आलिया का नाम

इन दिनों हर तरफ बॉलीवुड के क्यूटेस्ट कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की ही बातें हो रही हैं. दोनों सितारे शादी के बाद से ही फैंस के बीच छाए हुए हैं. हालांकि यह जोड़ी शादी के तुरंत बाद ही अपनी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हो गए. ऐसे में इनकी पर्सनल लाइफ के बारे में जानने का फैंस को ज्यादा मौका नहीं मिल पाया है. हालांकि जब से रणबीर कपूर अपने फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के प्रमोशन के दौरान एक मीडिया इंटरैक्शन में रणबीर से पूछा गया कि उन्होंने आलिया का नाम किस नाम से शेव किया है तो इसपर रणबीर का जवाब सुनकर आप हैरान हो जाएंगे.

रणबीर कपूर ने अपनी पत्नी का नंबर अपने फोन पर '8' के रूप में सेव किया है. बता दें कि 8 नंबर रणबीर के दिल के बेहद करीब है, जो उनके फैसलों और कार्यों पर काफी हद तक राज करता है. वर्क फ्रंट की बात करें, तो रणबीर कपूर अपनी होली रिलीज़ 'तू झूठी मैं मक्कार' के लिए तैयार हैं. लव रंजन द्वारा निर्देशित फिल्म में रणबीर और श्रद्धा कपूर प्रमुख भूमिकाओं में हैं.

कुछ महीनों पहले शमशेरा के प्रमोशन के दौरान रणबीर ने अपने पसंदीदा नंबर '8' के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा था कि 'इसका कोई कारण नहीं है, ना ही कोई अंधविश्वास है. मेरी मां का जन्मदिन आठ (जुलाई) को है और ये सिर्फ एक नंबर है जिसे मैं अपने साथ जोड़कर देखता हूं. मुझे पता है कि मुझे ये पसंद है. वो जैसा दिखता है मुझे काफी प्रभावित करता है. मेरी फुटबॉल जर्सी आठ नंबर की है और मैं इस नंबर को अपने लिए भाग्यशाली मानता हूं. ये भी मेरे लिए खुशनसीबी की बात है कि आलिया का भी लकी नंबर 8 है.'

जब स्मृति ईरानी को आंटी बुला रही थीं जान्हवी

बाद में मांफी मांगी, ट्रोलर्स ने स्मृति ईरानी पर साधा निशाना.. बोले- आंटी नहीं तो क्या कहेंगे

जान्हवी कपूर आज अपना 26वां बर्थडे मना रही हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर उनका एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जान्हवी स्मृति ईरानी को बार-बार आंटी बोल रही हैं। हालांकि बाद में जान्हवी ने आंटी बोलने पर माफी भी मांगी। ये वीडियो स्मृति ईरानी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर करते हुए बताया था कि पहले जान्हवी उन्हें आंटी कह रही थी, फिर प्यार से उन्होंने माफी भी मांगी। जिसके बाद से ही सोशल मीडिया यूजर्स स्मृति ईरानी को ट्रोल करने लगे।

ये मामला 2018 का है, जब एयरपोर्ट पर स्मृति ईरानी से जान्हवी कपूर टकरा गई थीं। जिसका वीडियो स्मृति ईरानी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट किया था। इस वीडियो के कैप्शन में स्मृति ईरानी ने लिखा था- किसी दूसरे के द्वारा शूट किया गया मोमेंट...जब जाह्नवी कपूर आपको लगातार आंटी कह रही हो और फिर प्यार से माफी मांगे और आप कहें, कोई बात नहीं बेटा। ये आज कल के बच्चे।

सोशल मीडिया यूजर्स ने स्मृति ईरानी को किया ट्रोल

स्मृति ईरानी के इस कैप्शन पर सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें बहुत ट्रोल किया था। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा था- आप पॉलिटिक्स में क्यों आ गईं आपको टीवी सीरियल्स में ही काम करना चाहिए था। वहीं दूसरे ने लिखा- अब आंटी को आंटी नहीं तो क्या बोलेंगे। वहीं कुछ यूजर्स ने स्मृति ईरानी के इस ह्यूमर की सरहना भी की। एक यूजर ने लिखा था- किसी को ये नहीं दिख रहा है कि उन्होंने जान्हवी को बेटा बोला है। लोग बस आंटी बोलने पर कमेंट कर रहे हैं, हद है। रिपोर्ट्स का दावा है कि जान्हवी अपना ये बर्थडे मनाने विदेश रवाना हुईं हैं। हाल ही में उनके साथ रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया भी एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए थे। साथ ही उनके पापा बोनी कपूर और बहन खुशी कपूर भी दिखाई दी थीं। जान्हवी फिलहाल नितेश तिवारी की फिल्म 'बवाल' में वरुण धवन के साथ काम कर रही हैं। ये फिल्म इसी साल रिलीज होगी। इसके अलावा उनके पास 'दोस्ताना 2' और 'मिस्टर एंड मिसेज माही' जैसी फिल्में हैं।

चेहरे पर तुरंत तेल-क्रीम लगाकर न खेलें होली 1 दिन पहले से लगाना शुरू करें पेट्रोलियम जेली

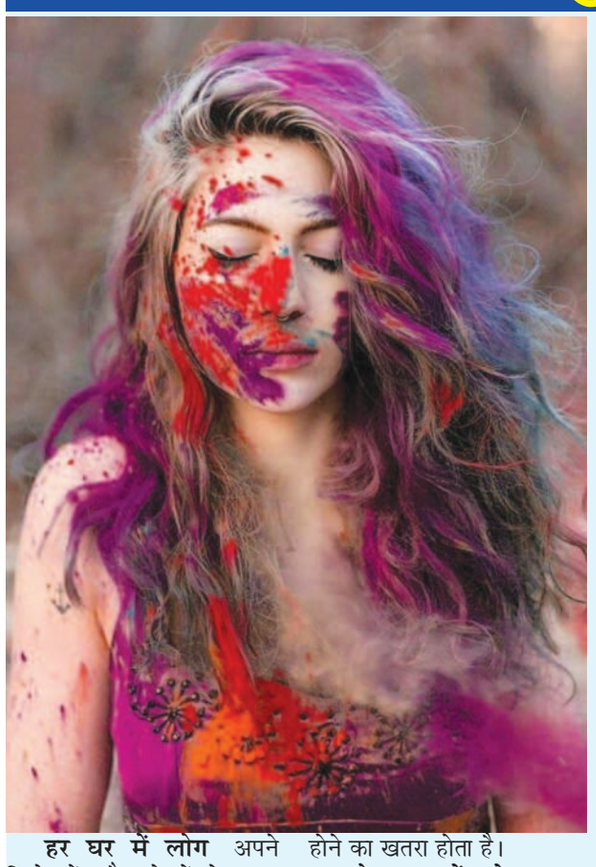

हर घर में लोग अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ होली खेलने का प्लान बना रहे होंगे। ऐसे में चिंता इस बात की होती है कि होली तो खेल लेंगे लेकिन रंग छुड़ाने में कहीं स्किन खराब न हो जाए। आप भले बाजार से हर्बल कलर ले आएं लेकिन लोग मना करने पर भी आर्टिफिशियल कलर लगा देते हैं। इन कलर्स में ऐसे केमिकल्स मिले होते हैं जिससे स्किन पर रैशेज होने का खतरा होता है।

टोनर का करें इस्तेमाल

आमतौर पर लोग होली के दिन रंग खेलने से पहले स्किन पर तेल या मॉइस्चराइजर लगाते हैं। लेकिन यह तरीका सही नहीं है क्योंकि रंग लगने पर स्किन सुरक्षित नहीं रह पाती। यह तब कारगर होता है जब पर्व से दो-तीन पहले से टोनर और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल शुरू किया जाए। टोनर लगाने से स्किन हाइड्रेट रहती है। अगर स्किन ड्राई है तो इसमें नमी आती है। सुबह चेहरे को पानी से धोने के बाद टोनर लगाना चाहिए। इसके बाद ही मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए। इससे चेहरे की स्किन टाइट रहती है और पोर्स बंद करने में मदद मिलती है। टोनर स्किन के pH लेवल को भी बैलेंस करता है। बाजार में कई तरह के टोनर मिलते हैं जिनमें गुलाब, चाय, अमरूद, खीरा के एक्सट्रैक्ट मिले होते हैं। हर्बल जेल टोनर भी हैं जिनसे स्किन को बढ़िया से मॉइस्चराइज किया जा सकता है। इन जेल टोनर में खीरा, एलोविरा और हनी मिले होते हैं। इससे स्किन टाइट रहती है।

बादाम का तेल स्किन पर लगाएं

रंग खेलने से पहले स्किन पर बादाम का तेल लगाएं। बाजार में बादाम का तेल खरीदते वक्त ये जरूर देखें कि यह कोल्ड प्रेस्ड टेक्नोलॉजी से बना है या नहीं। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट्स और एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं। जब स्किन पर यह तेल लगाते हैं तो इससे मॉइस्चराइजर की एक परत चढ़ जाती है। इससे स्किन पोर्स को नमी मिलती है तेल इसे काफी देर तक बनाए रखता है।

होंठों पर लगाएं पेट्रोलियम जेली

होली में सबसे ज्यादा रंग चेहरे पर ही लगता है। होंठ भी इससे बच नहीं पाते। रंगों में केमिकल्स होने के कारण होंठ फट जाते हैं। ऐसे में पहले से होंठों पर पेट्रोलियम जेली लगाना बेहतर होता है। कई लोग पेट्रोलियम जेली को मॉइस्चराइजर समझ लेते हैं लेकिन यह मॉइस्चराइजर नहीं है। स्किन पेट्रोलियम जेली को एब्सॉर्ब नहीं करता, बल्कि होंठों की नमी को खत्म होने से रोकता है। साथ ही बाहर से किसी तरह के केमिकल्स को आने से रोकता है। इसलिए होली में होठों पर पेट्रोलियम जेली लगाएं।

नाखूनों पर लगाएं नेल पॉलिश

कई लोगों के नाखूनों पर गहरे रंग चढ़ जाते हैं। ये देखने में काफी खराब लगते हैं और ये कलर भी जल्दी नहीं जाते। इसलिए होली खेलने से पहले नाखूनों पर नेल पॉलिश जरूर लगाएं।

चेहरे पर लगाएं सनस्क्रीन

होली ही नहीं, सामान्य दिनों में भी चेहरे पर सनस्क्रीन जरूर लगाना चाहिए। अगर रंग खेलने से 20 मिनट पहले सनस्क्रीन लगाते हैं तो इससे स्किन काफी हद तक सुरक्षित रहती है। सनस्क्रीन खरीदते वक्त ध्यान दें कि इसके SPF (सन प्रोटेक्शन फैक्टर) 20 से अधिक हो। इसमें कई मॉइस्चराइजिंग एक्सट्रैक्ट्स भी मिले होते हैं। इन उपायों के बाद कुछ रंग चेहरे या शरीर के दूसरे हिस्सों में रह जाएं तो उसे भी छुड़ाने के लिए बहुत मशक्कत करने की जरूरत नहीं। चलते-चलते ये ग्रैफिक देख लेते हैं।

होली के बाद जरूरी है सही स्किन-हेयर केयर : त्वचा और बालों पर से रंग छुड़ाने के लिए घर पर करें आसान उपाय

होली खेलने के बाद असली समस्या रंग छुड़ाने की होती है। रंगों से खेलने के बाद कई लोगों को स्किन पर खुलजी, जलन, रैशेज की तकलीफ होने लगती हैं। होली खेलने के बाद कैसे करें स्किन और बालों की केयर, इसके बारे में बता रही हैं ब्यूटी एक्सपर्ट ।

होली के बाद स्किन पर से रंग ऐसे छुड़ाएं

सादे पानी से चेहरा धोएं। फिर क्लींजिंग क्रीम या लोशन का इस्तेमाल करें। इसे लगाकर चेहरे पर मसाज करें। फिर नम रूई से पोंछ लें। हल्के हाथ से आंखों के आसपास की जगह को भी साफ करें।

घर पर अपना क्लींजर बनाने के लिए, आधा कप ठंडा दूध लें और उसमें एक चम्मच कोई भी वनस्पति तेल, जैसे तिल, जैतून या सूरजमुखी का तेल अच्छी तरह से मिलाएं। इस मिश्रण में रुई डुबोएं और इससे स्किन को साफ करें।

शरीर से रंगों को हटाने के लिए स्किन पर तिल के तेल से मालिश करें। इससे न सिर्फ स्किन पर से रंग हटते हैं, बल्कि स्किन भी सॉफ्ट हो जाती है। तिल का तेल सूरज की तेज रोशनी से स्किन को सुरक्षित रखता है। नहाते समय लूफा या सॉफ्ट कपड़े से धीरे-धीरे स्किन को स्क्रब करें। नहाने के तुरंत बाद चेहरे और शरीर पर मॉइश्चराइजर लगाएं, यह स्किन में मौजूदा नमी को बनाए रखता है।

खुजली हो रही है तो एक मग पानी में दो बड़े चम्मच सिरका मिलाएं। नहाने के बाद आखिर में यह पानी स्किन पर डालें। इससे खुजली कम हो जाती है। अगर इसके बाद भी खुजली हो, साथ ही स्किन पर दाने और रैशेज हो जाएं, तो ये रंग से हुई एलर्जी का संकेत है। ऐसी स्थिति में जितनी जल्दी हो सके डॉक्टर से सलाह लें।

होली के एक दिन बाद आधा कप दही में दो बड़े चम्मच शहद मिलाएं। इसमें एक चुटकी हल्दी डालें। अच्छी तरह मिलाकर चेहरे, गर्दन और बाहों पर लगाएं। इसे 20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर पानी से धो लें। यह टैन हटाता है और स्किन को मुलायम बनाता है।

एलोवेरा जेल या जूस को स्किन पर लगाएं। यह स्किन को मॉइश्चराइज करता है, ड्राईनेस और सन बर्न से बचाता है। इसमें जिंक होता है, जो एंटी-इंफ्लेमेटरी होता है। एक बड़ा चम्मच बेसन, एक चम्मच दही और एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर फेस पैक बनाएं। इसे चेहरे पर लगाएं, 20 मिनट बाद धो लें।

होली के बाद ऐसे करें हेयर केयर

बालों को धोते समय सबसे पहले सूखे रंगों और माइका के छोटे कण निकालने के लिए सादे पानी से धोएं। फिर उंगलियों से बालों में हल्का हर्बल शैंपू लगाएं। स्कैल्प की धीरे-धीरे मालिश करें। फिर पानी से अच्छी तरह धो लें।

बाल धोने के बाद आखिर में बालों पर बीयर का इस्तेमाल करें। यह बालों को मुलायम और कंडीशन करेगा। बियर में एक नींबू का रस मिलाएं। शैंपू के बाद बालों में लगाएं। कुछ मिनटों के लिए छोड़ दें और सादे पानी से धो लें।

घर पर अपना आयुर्वेदिक शैम्पू बनाएं। एक लीटर पानी में एक मुट्ठी सूखा रीठा, आंवला और शिकाकाई मिलाएं और रात भर भिगो दें। अगले दिन, धीमी आंच पर तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। ठंडा करके छान लें। फ्रिज में रख दें। इससे बाल धोएं।

बालों के लिए नीम के तेल का इस्तेमाल करें। 250 मिली नारियल तेल या तिल का तेल गर्म करें। तेल में एक मुट्ठी नीम की पत्तियां डालें। 4 या 5 दिन धूप में रखें और पत्तियों को छान लें। तेल को खुजली और स्कैल्प के फोड़े-फुंसियों से राहत पाने के लिए इस्तेमाल करें।ऑयली बालों के लिए तीन कप गर्म पानी में एक मुट्ठी गेंदे के ताजे फूल डालें। इसे एक घंटे तक ऐसे ही रहने दें। ठंडा होने पर पानी को छान लें। शैम्पू के बाद बालों को धोने के लिए इस पानी का इस्तेमाल करें।

रंगों को इन देसी उपायों से छुड़ाएं

मुलतानी मिट्टी

इसे औषधीय मिट्टी भी कहा जाता है। इसे लगाने से स्किन को ठंडक महसूस होती है। इसे लगाने से चेहरे पर लगे रंग को छुड़ाया जा सकता है

बेसन का पेस्ट

नींबू, दूध और बेसन का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है। इससे स्किन में जलन कम होती है, रंग भी कुछ देर में निकल जाता है

जौ का आटा

दूध, हल्दी और जौ का आटा मिलाकर पेस्ट बना लें। दूध की जगह बादाम का तेल भी ले सकते हैं। इस पेस्ट से रंग निकाल सकते हैं

पपाया पेस्ट

कच्चा पपीपा को कद्दूकस कर लें। इसमें दूध मिलाकर बनाए गए पेस्ट को चेहरे पर मलें।

संतरे का छिलका

मसूर दाल, बादाम और संतरे के छिलके को पिस लें और इसमें दूध मिला दें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं

खीरे का रस

गुलाब जल, सिरका और खीरे का रस मिला लें। इसे अपने चेहरे पर हल्के-हल्के मसाज करें

जीन को नियमित कर किडनी को बीमारी से मुक्त कर रहा आयुर्वेद

मानव जीन पर हो रहे अनुसंधानों से बीमारियों के प्रभावी उपचार के नये रास्ते खुल रहे हैं। इसी तरह के एक शोध में पता चला है कि आयुर्वेद के फार्मूला से तैयार नीरी केएफटी किडनी की बीमारियों के लिए जिम्मेदार छह जीन के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखता है। इससे किडनी की बीमारियों के बचाव और उपचार को नई दिशा मिल सकती है। विश्व किडनी दिवस पर बायोमेडिसन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक नीरी केएफटी का असर जानने के लिए जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एक्सीलेंस में यह शोध किया गया जिसे तीन अलग अलग तरीकों से किया गया। इन सभी के नतीजे बेहद सकारात्मक रहे हैं। अध्ययन के लिए नेशनल सेंटर फार सेल साइंसेज (एनसीसीएस) से किडनी की कोशिकाएं एचईके 293 मंगाई गई। शोधार्थियों ने बताया कि नीरी केएफटी का निर्माण एमिल फार्मास्युटिकल्स ने लंबे अनुसंधान के बाद किया है। यह पुनर्नवा, गोखरू, वरुण, कासनी, मकोय, पलाश तथा गिलोय समेत 19 जड़ी-बूटियों से बनी है। एमिल फार्मास्युटिकल के कार्यकारी निदेशक डा. संचित शर्मा ने कहा कि यह शोध साबित करता है कि नीरी केएफटी किडनी उपचार के साथ-साथ उसे स्वस्थ बनाए रखने में भी प्रभावी है। अध्ययन के अनुसार, नीरी केएफटी को किडनी की अनेक बीमारियों के लिए जिम्मेदार छह जीन सीएएसपी, आईएल, एजीटीआर-1, एकेटी, एसीई-2 तथा एसओडी-1 के व्यवहार को नियंत्रित करने में कारगर है। दरअसल, ये जीन किडनी की कार्यविधि के नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हैं। जीन के व्यवहार से तात्पर्य किसी जीन में उपस्थित सूचना के प्रयोग से उत्पादन होना है। जो आमतौर पर प्रोटीन होते हैं। ये प्रोटीन किसी न किसी रूप में किडनी की सेहत को बनाए रखने में कारगर होते हैं। इनके व्यवहार में कमी बीमारी का कारण बनती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि नीरी केएफटी जीन के व्यवहार को विनियमित करने वाले एक प्रमुख चयापचय यौगिक पॉलीफेनाल्स द्वारा जैविक क्रिया करती है जिससे जीन और पॉलीफेनाल्स के बीच परस्पर मजबूत प्रतिक्रिया होती है।

शोध के अनुसार, नीरी केएफटी गंभीर एवं पुराने किडनी रोग एवं उससे संबद्ध विकृतियों को नियमित करने के लिए एक मजबूत विकल्प है। इसके प्रभाव बहुआयामी हैं। जहां यह जीन के व्यवहार को विनियमित करती है, वहीं किडनी उपचार के दौरान कीमोथैरेपी में इस्तेमाल होने वाली दवा सिस्प्लेटिन के किडनी पर होने वाले दुष्प्रभावों को भी घटाती है। तीसरा फायदा यह है कि यह ऑक्सीडेटिव और इंफ्लामेंट्री स्ट्रैस को भी कम करने में कारगर है जो किडनी में जारी संक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए जरूरी होता है। ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस तब होता है जब शरीर में एंटी आक्सीडेंट और फ्री रेडिकल तत्वों का तालमेल बिगड़ जाता है। इससे शरीर की पैथोजन के खिलाफ लड़ने की क्षमता घटने लगती है। इसी प्रकार इंफ्लामेंट्री स्ट्रैस बढ़ने से भी शरीर का प्रतिरोधक तंत्र किसी भी बीमारी के खिलाफ नहीं लड़ पाता है।

सुबह के वक्त क्या आपको भी आती है बार-बार छींक?

कुछ लोगों को सुबह के वक्त बार बार छींक आने लगती है. छींक आने के साथ-साथ उन्हें गले में खुजली, नाक लाल होना, नाक में खुजली आदि समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है. वहीं उन लोगों को यह समस्या हर दूसरे तीसरे दिन झेलनी पड़ती है. ऐसे में इस समस्या के पीछे के कारण के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि व्यक्ति को सुबह के वक्त छींक क्यों आती है. पढ़ते हैं आगे

सुबह-सुबह छींक आने के कारण

बता दें कि सुबह के वक्त यदि व्यक्ति को छींक आए तो यह एलर्जिक राइनाइटिस के लक्षणों में से एक है. जब किसी व्यक्ति को एलर्जिक राइनाइटिस की समस्या हो जाती है तो उसे सुबह के वक्त बार बार छींक आने की समस्या का सामना करना पड़ता है.

जब व्यक्ति को साइनस की समस्या होती है तब भी व्यक्ति को सुबह के वक्त बार बार छींक आने की समस्या हो सकती है. हालांकि जब ये समस्या बढ़ने लगती है तो छींक के साथ-साथ व्यक्ति को चेहरे पर सूजन, नाक और गले में जलन, सिर में दर्द आदि का आसपास का हिस्सा भारी होना आदि लक्षण नजर आ सकते हैं.

जब व्यक्ति की नाक में रूखापन होता है तब भी व्यक्ति को सुबह के वक्त छींक आने की समस्या हो सकती है. ऐसा तब होता है जब कमरे का वातावरण शुष्क हो जाता है. ऐसे में रात के समय नाक में रूखापन होने की समस्या हो सकती है. ऊपर बताए गए बिंदुओं से पता चलता है कि सुबह के वक्त जब व्यक्ति को बार-बार छींक आए तो इसके पीछे कुछ कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. ऐसे में समय रहते इन कारणों को दूर करना जरूरी है. वरना समस्या और बढ़ सकती है.

अचानक हृदयाघात से बचा सकता है सीपीआर

गत दिनों दिल की धडकन रूक जाने से तेलंगाना में आधा दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हुई, मौका चाहे हल्दी लगाने का रहा हो या व्यायामशाला में व्यायाम करने का या फिर बारात में झूमने का। क्या उसमें कोई उम्रदराज के लोगों के साथ ऐसा हुआ? तो जवाब मिलेगा ना। दिल की धडकन रुकने से अचानक मौत हो जाने के सिलसिले ने जात-पांत, अमीर-गरीब, कोई भी किसी भी तरह का पक्षपात नहीं किया। ऐसा अगर आपके आसपास हो जाये तो हम क्या करें? हमारे चिकित्सक विज्ञान वे हम ऐसे किसी समय पर (सीपीआर) यानी कार्डियो पल्मनसी रिसस्टेशन देने की इजाजत देते हैं और जरूरत समझते हैं। अगर कोई आपके सामने एकदम से गिर जाये और उठाने पर उठे ना, तो उसको एक से दो बार जगाने की कोशिश करें। सीपीआर प्रारम्भ करें, जिसमें मूर्छित शरीर को जमीन या सख्त धरातल या बेड पर रख कर, दोनों हाथों को एकजुट करके छाती पर दबाव दिया जाना होता है। ये दबाव का पावर दोनों निप्पल के बीच एवं छाती के मध्य में होता है। छाती पर दबाव इतना होना चाहिये कि आपका हाथ 1-2 इंच तक छाती के मूवमेंट में बनाये रखे। छाती को दबाव देने की गति 100 प्रति मिनट होनी चाहिये और ये प्रक्रिया तब तक चालू रखे जब तक उचित परिणाम ना आ जाये। ज्ञात रहे कि सीपीआर करने में बडे-बडों को पसीने आ जाते हैं, इसीलिए जितनी सहायता आप ले सके उतनी सहायता का बदोबस्त करने का आह्वान करते रहे। ये सीखना इस समय बहुत ही जरूरी है और आसान भी। इससे संबंधित जानकारी लेना न भूलें। हमें स्वस्थ रहना है, साथ ही देश को स्वस्थ बनाना है।

डॉ. आशीष चौहान

क्या नींद में जीभ व गला सूखता है?

प्रश्न : मेरी उम्र 80 वर्ष है। पिछले 5 साल से रात को पांच- छह बार पेशाब के लिए उठना पड़ता है। कृपया इसका इलाज और परहेज बताइए।

- कमलेश्वर गुप्ता, सिकंदराबाद

उत्तर : आपके पत्र को पूरा ध्यान पूर्वक पढ़ा हूं। 80 वर्ष की उम्र में भी आप काफी सक्रिय व स्वस्थ है। बधाई। स्त्रियों में जैसे मीनोपॉज (रजोनिवृत्ति) होती है, वैसे ही पुरुषों में भी एक वय के बाद एंड्रोपाज हो जाता है। सक्रिय काम जीवन खत्म होने पर प्राकृतिक रूप से पौरुष ग्रंथि बढ़ने लगती है। इसके कारण मूत्राशय पर दबाव पड़ता है और यही बार बार पेशाब आने का कारण बनता है।

आप प्राणायाम, योगासन, घूमना- फिरना सब जारी रखें। अपने रात्रि भोजन को 7 बजे के भीतर ही ले लें। रात्रि भोजन हल्का-फुल्का ही रखें। शाम के बाद पानी कम पीवे। औषध कल्प में आप ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं ऊंझा गोक्षुरादि गुग्गुलु दो-दो गोली दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन यदि दो बार ही होता हो तो यह दवा दो बार ही लेवें।

तिल को सेक कर कूट लें। उसके संग थोड़ा गुड़ मिलाकर पांच -दस ग्राम की मात्रा में सुबह खाली पेट पानी से लिया करें। कुछ महीनों में आपको अवश्य आराम मिल जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 75 वर्ष है। नींद में जीभ और गला सूखता है और थोड़ी जलन भी होती है। ज्यों ही नींद खुलती है यह सारे लक्षण लोप हो जाते हैं। दिन में भी सोने पर यह शिकायत बनी रहती है। कृपा कर उपचार बताएं।

- राजकुमार रेड्डी, खम्मम

उत्तर : आपकी उम्र में व्यक्ति को गहरी नींद नहीं आती है । मस्तिष्क के कार्य-कलाप चालू रहते हैं और नींद में ही जीभ और गला सूखने व उनमें जलन जैसा महसूस होता है जो जगने पर बिल्कुल नहीं रहता। यह एक प्रकार की मानसिक दुर्बलता है। इसके लिए आप ऊंझा ब्राह्मी वटी सुबह-शाम एवं औरा टेंसट्रिम टिकीया दो गोली रात्री अदरक मिश्रित फीके गुनगुने दूध से लेवें। भोजन करने के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट एवं ऊंझा अश्वगंधारिष्ट दोनों 15 -15 मिलीलीटर दोगुने पानी में मिलाकर लेवें। इससे शारीरिक व मानसिक थकान मिटेगी। अवचेतन मन शांत होने से आपको इन लक्षणों में बहुत शांति मिलेगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 72 वर्ष है। रीढ़ की हड्डी में दर्द रहने लगा है। जिसके कारण चलने में थोड़ा झुक कर चलने लगा हूं। कृपा कर इससे बचने का उपाय और इलाज बताएं।

- अप्पा राव , महबूबनगर

उत्तर : रीढ़ की हड्डी हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पूरे शरीर के वजन को ही नहीं उठाता बल्कि हमारे रोजाना के कामकाज में भी ज्यादा जोर इसी पर पड़ता है। आप बैठते उठते समय सही पोश्चर रखें। सही पोश्चर नहीं रहने पर कशेरुकाओं (वर्टीब्रे) पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। बढ़ती उम्र के साथ मेरुदंड में ओस्टियोपोरोसिस, डिस्क डिजनरेशन, स्पाइन ओस्टियोआर्थराइटिस एवं स्पाइनल स्टेनोसिस आदि के होने की संभावना रहती है ।

भोजन में सुधा तत्व वाले खाद्य पदार्थ जैसे दूध, दही, केला, गाजर आदि शामिल करें। धूम्रपान यदि करते हैं तो तुरंत बंद करें। शरीर का वजन बढ़ने ना दें। भारी वस्तुएं ना उठाएं ।

आयुर्वेद में सुधा तत्व की भरपाई के लिए ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस, ऊंझा प्रवाल पंचामृत रस , अश्वगंधादि चूर्ण के साथ गाय के दूध से सुबह-शाम लेवें। मेरुदंड में दर्द की स्थिति में औरा रस रामेश्वर रस टिकिया और शल्लकी टिकिया या ऊंझा रास्नादी गुग्गुलु एवं त्रयोदशांग गुग्गुलु भोजन के बाद पानी से लेवें। फोम के बिस्तर पर नहीं सोएं। रुई की गद्दी पर सो सकते हैं । कोशिश करके सीधा बैठे या सीधा ही चले । झुकें नहीं। धीरे-धीरे इसमें अंतर अवश्य आएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

एलन मस्क का बड़ा एलान, 280 कैरेक्टर्स की जगह जल्द ही कर पाएंगे लंबे ट्वीट

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। ट्विटर के सीईओ एलन मस्क लगातार नए-नए एलान करते रहते हैं और अपने यूजर्स को हैरान करते रहते हैं।अब एक ऐसा ही एलान उन्होंने अपने ट्वीट के जरिए कर दिया है जो ट्विटर यूजर्स को काफी खुश कर सकता है।ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने सोमवार को कहा कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म जल्द ही 'लॉन्गफॉर्म ट्वीट्स' को 10,000 अक्षरों तक बढ़ा देगी।जब कोडिंग से संबंधित वीडियो पोस्ट करने वाले यूट्यूबर एटदरेट द प्राइम अगेन ने मस्क से पूछा, डेव समुदाय और मैं सोच रहा था कि क्या आप ट्वीट्स में कोड ब्लॉक जोड़ सकते हैं? मस्क ने जवाब दिया, अटैचमेंट के रूप में? कितने कैरेक्टर ? हम जल्द ही लॉन्गफॉर्म ट्वीट्स को 10 हजार तक बढ़ा रहे हैं।ट्विटर सीईओ के पोस्ट पर कई यूजर्स ने अपने विचार जताए और किसी ने इस पर खुशी जताई तो कुछ नाराज दिखाई दिए।जबकि एक यूजर ने कहा, तुम एक क्रेजी आदमी हो, दूसरे ने टिप्पणी की, !! वाह ! यह वास्तव में अच्छी खबर है।वास्तविक माइक्रोब्लॉगिंग !पिछले महीने कंपनी ने घोषणा की थी कि यूएस में ब्लू सब्सक्राइबर प्लेटफॉर्म पर 4,000 अक्षरों तक के लंबे ट्वीट पोस्ट कर सकते हैं।केवल ब्लू सब्सक्राइबर ही लंबे ट्वीट पोस्ट कर सकते हैं, लेकिन नॉन-सब्सक्राइबर उन्हें ट्वीट पढ़, रिप्लाई, रीट्वीट और कोट कर सकते हैं।

क्यों रघुराम राजन ने कहा भारत है खतरनाक रूप से

'हिन्दू रेट ऑफ ग्रोथ के करीब', कौन है इस शब्द का जनक

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा हालात को लेकर चिंता जाहिर की है।राजन ने कहा कि निजी निवेश में उदासीनता, उच्च ब्याज दरें और वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास दर में गिरावट के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था हिन्दू रेट ऑफ ग्रोथ के खतरनाक स्तर के करीब जा पहुंचा है।पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा कि तिमाही दर तिमाही विकास दर में गिरावट चिंता बढ़ाने का काम कर रही है। 'हिन्दू रेट ऑफ ग्रोथ' का हिन्दू धर्म के साथ कोई लेना-देना नहीं है। ब्रिटिश हूकूमत से जब भारत को 1947 में आजादी मिली तो भारत बेहद गरीब देश हुआ करता था और आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी।भारत में ज्यादातर लोग कृषि पर जीविका के लिए निर्भर थे।उद्योग-धंधों का अभाव था।आधारभूत ढांचा बेहद कमजोर हुआ करता था। आजादी मिलने के बाद से लेकर 70 के दशक यानि 1980 तक आर्थित विकास की रफ्तार बेहद धीमी हुआ करती थी।इस अवधि में सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश की औसत वार्षिक आर्थिक विकास दर 3.5 फीसदी के करीब ही रहा करती थी।निजी निवेश बहुत कम हुआ करता था।लालफीताशाही के चलते देश के उद्योमियों को निवेश के लिए प्रोत्साहन नहीं था। 70 के दशक में अर्थशास्त्री और प्रोफेसर राज कृष्ण

ने आर्थिक विकास दर की इस सुस्त रफ्तार को हिन्दू रेट ऑफ ग्रोथ की संज्ञा दी।1950 से लेकर 70 के दशक तक धीमी आर्थिक विकास की दर को हिन्दू रेट ऑफ ग्रोथ कहा जाता था। सार्वजनिक क्षेत्रों की बड़ी संख्या में कंपनियों के निर्माण, बैंकों के राष्ट्रीकरण, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति के बावजूद भारत की विकास दर 3.50 फीसदी के करीब ही रहती थी इसलिए इसे हिन्दू रेट ऑफ ग्रोथ कहा जाता था।इस वकत्व्य का अर्थ ये था कि सरकार की आर्थिक विकास को गति देने की तमाम कोशिशों के बावजूद विकास दर 3.5 फीसदी के ईद-गिर्द ही रहती है।

वजह थी निजी निवेश का अभाव।साथ ही आर्थिक विकास दर से ज्यादा रफ्तार से देश की जनसंख्या बढ़ रही थी।इसके चलते ज्यादातर लोग विकास के वंचित रह जा रहे थे। हिन्दू रेट ऑफ ग्रोथ से भारत का पीछा 1991 में छूटा जब तात्कालीन सरकार ने आर्थिक सुधार और उदारीकरण की नई इबादत लिखी।इसके बाद भारत ने तेज गति से आर्थिक विकास करना शुरू किया।निजी से लेकर विदेशी निवेश को उद्योग कारखाने लगाने के लिए आकर्षित किया गया।टेलीकॉम, आईटी और सर्विस सेक्टर को बढ़ावा दिया गया।इससे रोजगार के अवसर बढ़े, तो खपत में तेजी आई है।बीमा समेत कई दूसरे सेक्टर्स निजी निवेश के लिए खोले गए।2004 से 2009 के बीच भारत का आर्थिक विकास दर सालाना 9 फीसदी के दर तक जा पहुंचा था जब सरकार डबल डिजिट में आर्थिक विकास दर का लक्ष्य लेकर चल रही थी। 28 फरवरी 2023 को सांख्यिकी विभाग ने 2021-22 के लिए आर्थिक विकास की समीक्षा के बाद जो नया आंकड़ा दिया है वो 9.1 फीसदी है हालांकि वो कोरोना के चलते लो बेस के कारण भी है।

एनपीएस से पुरानी पेंशन स्कीम में स्विच कर सकेंगे ये कर्मचारी, केंद्र सरकार ने दिया विकल्प

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने कुछ सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सुविधा दी है।केंद्र सरकार के कुछ कर्मचारी अब नई पेंशन योजना से पुरानी पेंशन योजना में स्विच कर सकते हैं।पेंशन विभाग और पेंशनर्स वेलफेयर ने सीसीएस पेंशन नियम 1972 (अब 2021) के तहत वन टाइम अपना पेंशन पाने का विकल्प दिया है।नई पेंशन योजना को पुरानी पेंशन योजना में स्विच करने के लिए कुछ कर्मचारियों को ये लाभ दिया है।ये सिर्फ उन कर्मचारियों के लिए लागू होगा, जिनकी नियुक्ति किसी पद या रिक्ति के खिलाफ किए गए थे और जिसे नेशनल पेंशन सिस्टम की अधिसूचना की तारीख से पहले नोटिफाई किया गया था।एनपीएस 22 दिसंबर 2003 को नोटिफाई किया गया था। डीओपीपीडब्ल्यू के मुताबिक, योग्य कर्मचारी 31 अगस्त 2023 तक वन-टाइम विकल्प का उपयोग कर सकते हैं और एनपीएस से ओपीएस में अपने पेंशन को ट्रांसफर कर सकते हैं।ये विकल्प सिर्फ केंद्रीय कर्मचारियों को ही दिया जाएगा। अगर योग्य केंद्र सरकार सिविल कर्मचारी 31 अगस्त तक वन टाइम विकल्प के तहत ओल्ड पेंशन योजना का विकल्प नहीं चुनते हैं, उन्हें एनपीएस के तहत ही कवर किया जाएगा। डीओपीपीडब्ल्यू ने कहा कि कर्मचारियों की ओर से चुना गया ये विकल्प फाइनल होगा।दोबारा मौका नहीं दिया जाएगा।

सोना-चांदी खरीदना है तो ज्यादा खर्च करने के लिए रहें तैयार, दो सौ रुपए तक बढ़ गए दाम

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। सोना और चांदी खरीदने वालों को आज ज्यादा खर्च करने के लिए तैयार रहना होगा। सोना और चांदी दोनों ही कीमती मेटल्स आज बढ़त के साथ कारोबार कर रही हैं और लोगों की जेब पर ज्यादा बोझ आएगा।

सोना खरीदने वालों के लिए आज का दिन खरीदारी के लिहाज से थोड़ा महंगा साबित होने वाला है।दरअसल बढ़ी हुई मांग और ग्लोबल रेट में उछाल के चलते घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोना और चांदी उछाल के साथ कारोबार कर रहे हैं। एमसीएक्स पर आज सोने के दाम में प्रति 10 ग्राम पर 200 रुपये से ज्यादा का उछाल देखा जा रहा है।एमसीएक्स पर आज सोने का अप्रैल वायदा 224 रुपये या 0.40 फीसदी की उछाल के साथ 55945 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर बना हुआ है।सोने में ये उछाल ज्यादा मांग की वजह से देखा जा रहा है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के दाम

कमोडिटी बाजार में आज चांदी भी तेजी के साथ ही दिखाई दे रही है।चांदी के दाम में 435 रुपये की तेजी के साथ कारोबार हो रहा है जो इसे करीब 0.70 फीसदी की उछाल पर दिखा रही है।चांदी के दाम आज 64836 रुपये प्रति किलो के रेट पर हैं और इसके ये दाम मई वायदा के लिए हैं।

देश के चार महानगरों में कैसे हैं आज सोने के दाम

राजधानी दिल्ली में आज 150 रुपये की तेजी के साथ 56700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर सोना मिल रहा है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में सोने के दाम 56550 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर हैं। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सोने के दाम 56550 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर हैं।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में सोना 10 रुपये की गिरावट के साथ 57,270 रुपये के रेट पर मिल रहा है।

घरेलू उत्पादन अनुमान के अनुसार रहे तो चीनी का और निर्यात संभव

अधिकारी ने दिए संकेत

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यदि घरेलू उत्पादन अनुमानित 33.6 मिलियन टन तक पहुंच जाता है तो इस साल 10 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश में चीनी की उपलब्धता संतोषजनक है, हालांकि चालू विपणन वर्ष 2022-23(अक्टूबर-सितंबर) में कुल चीनी उत्पादन घटकर 33.6 मिलियन टन रहने का अनुमान है। विपणन वर्ष 2021-22 में चीनी का उत्पादन 35.9 मिलियन टन रहा था। खाद्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव सुबोध कुमार ने संवाददाताओं से कहा, 'अगले महीने हमें चीनी उत्पादन के ठोस आंकड़े मिलेंगे और उसके बाद हम आगे चीनी निर्यात पर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि

चालू विपणन वर्ष 2022-23 के फरवरी तक चीनी उत्पादन 24.7 मिलियन टन पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, 'अधिक निर्यात संभव है यदि हमारे पास अनुमानित 33.6 मिलियन टन से अधिक चीनी उपलब्ध हो। बता दें सरकार ने इस साल 6 लाख टन (6 मिलियन टन) चीनी के निर्यात की अनुमति दी है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है और शीर्ष निर्यातकों में से एक है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	05-20 बजे
चंद्र-	सिंह	में	मीन...	06-58 बजे
मंगल	वृष	में	मेष--	08-34 बजे
बुध-	कुंभ	में	वृष--	10-18 बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	12-18 बजे
शुक्र-	मीन	में	कर्क...	14-31 बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	16-43 बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	18-50 बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	20-56 बजे
			वृश्चिक.	23-07 बजे
			धनु.....	01-19 बजे
			मकर..	03-26 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु- बसंत दिशाशूल- उत्तर • गुड खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा **- 18 -10** उपरान्त प्रतिपदा
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष , मंगलवार **Mar 07**
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी **- 02 -21** राततक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - धृति **- 21 - 13 -** तक उप शूल
करण- बव **- 18 - 10 -** तक उप- बालव
विशेष:- छारंडी,पूर्णिमा पुण्य
व्रत -त्योहार - वसन्तोतसव, चैतन्य महाप्रभु ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 16:54 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
रोग	06:34 - 08:01	अशुभ	काल	18:20 - 19:54 अशुभ
उत्पात	08:01 - 09:29	अशुभ	लाभ	19:54 - 21:25 शुभ
चंचल	09:29 - 10:58	शुभ	उत्पात	21:25 - 22:56 अशुभ
लाभ	10:58 - 12:27	शुभ	शुभ.	22:56 - 00:27 शुभ
अमृत	12:27 - 13:56	शुभ	अमृत	00:27 - 01:58 शुभ
काल.	13:56 - 15:25	अशुभ	चंचल	01:58 - 03:29 शुभ
शुभ.	15:25 - 16:54	शुभ	रोग	03:29 - 04:59 अशुभ
रोग	16:54 - 18:20	अशुभ	काल	04:59 - 06:34 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज के दिन आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं रहेंगी । आप अपने वर्त्तमान घर या नौकरी में बदलाव का फैसला ले सकते हैं । कशमकश में न रहें , बदलाव होना अच्छा ही रहेगा । आपको किसी ऐसे आदमी से बात करके अप्रत्याशित सहायता मिल सकती है जो चुपचाप आपकी भलाई चाहता रहा है । आप आज सामाजिक रूप से काफी सक्रिय रहेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)

आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों को मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

कर्क (ही, हू ,हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें । उस दोस्त की अपनी कुछ परेशानियां चल रही ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं । आज ध्यान से उन परिवर्तनों के बारे में सोचेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम खत्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी । आज का दिन कोई नया स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रम शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है ।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले । अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का -फुल्का काम करें । कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।आज आप ख़ुशी मनाने के मूड में अधिक रहेंगे ।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नहीं रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी आपको आज रिएक्शन और एलर्जी हो सकती है ।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है । आपको आज अपनी शारीरिक शक्ति की परीक्षा नही लेनी चाहिए।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोड़ा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेषण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है और आपको इसका उपयोग अपनी कमियां दूर करने के लिए इसका उपयोग जरुर करना चाहिए ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है । आपको और भी अच्छे और नियमित रूप से अधिक शारीरिक मेहनत की प्रेरणा मिलेगी ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद हरकत में आरबीआई

बैंकों से सबसे ज्यादा कर्ज लेने वाले टॉप 20 औद्योगिक समूहों पर रखे हुए है पैनी नजर

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। अडानी समूह को लेकर हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के सामने आने के बाद बैंकिंग सेक्टर के रेग्युलेटर भारतीय रिजर्व बैंक देश के टॉप 20 कॉरपोरेट हाउसेज पर कड़ी नजर रखे हुए है जिनपर बैंकों का सबसे ज्यादा कर्ज बकाया है।आरबीआई इन कंपनियों के मुनाफे के साथ साथ वित्तीय लिहाज से उनके प्रदर्शन पर बेहद करीब से नजर रख रहा है।इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक आरबीआई पहले से ही इन कंपनियों की रूटीन मॉनिटरिंग करता रहा है लेकिन उसके अतिरिक्त वित्तीय लिहाज से महत्वपूर्ण संस्थानों के साथ सेंट्रल रिपॉजिटरी ऑफ इंफॉरमेशन ऑन लार्ज क्रेडिट्स की अब सख्त निगरानी कर रहा है।आरबीआई कॉरपोरेट्स के मुनाफे उनके वित्तीय प्रदर्शन के , कंपनियों द्वारा विदेशों से ईसीबी या फिर बॉन्ड के जरिए जुटाये गए कर्ज पर निगरानी रख रहा है जिससे ये पता लगाया जा सके कि कंपनी किसी वित्तीय संकट में तो नहीं है।ये मॉनिटरिंग सिस्टम इसलिए तैयार किया गया है जिससे संकट का पता पहले से लगाया जा सके और ये सुनिश्चित किया जा सके कि इसका बैंकों के बैलेंसशीट पर कोई असर ना पड़े।रिपोर्ट के मुताबिक कंपनियों के डाटा, उनके बिजनेस मॉडल्स और लोन पोर्टफोलियो के साथ साथ दूसरे पैरामीटर्स के जरिए नजर रखी जा रही है।आरबीआई इसलिए भी सतर्क

है क्योंकि एनपीए के संकट से लंबे समय जूझने के बाद बैंक उससे बाहर आए हैं।कमर्शियल बैंकों का एनपीए मार्च 2018 में 11.2 फीसदी के लेवल से घटकर मार्च 2022 में 5.8 फीसदी पर आ चुका है।हिंडनबर्ग के रिपोर्ट आने के बाद जब अडानी समूह को दिए गए कर्ज को लेकर सवाल उठ रहे थे तो रेग्युलेटर ने बयान जारी कर कहा था कि भारत का बैंकिंग सेक्टर स्थिर और लचीला है।रेग्युलेटर होने के नाते आरबीआई वित्तीय स्थिरता बनाये रखने के लिए निगरानी बनाये रखता है।

आरबीआई ने कहा था कि पांच करोड़ रुपये से ज्यादा के कर्ज पर नजर रखने के लिए आरबीआई के पास सेंट्रल रिपॉजिटरी ऑफ इंफॉरमेशन ऑफ लार्ज क्रेडिट डाटाबेस सिस्टम है जिसके जरिए बड़े कर्जों की मॉनिटरिंग की जाती है।

होली पर सस्ते हुए खाद्य तेल! मांग में तेजी के बावजूद खाने के तेलों की कीमतों में आ रही गिरावट

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। आम लोगों को होली के त्योहार पर खाद्य तेलों की महंगाई से राहत मिल रही है। मांग में तेजी के बावजूद खाने की तेलों के दामों पर गिरावट देखी जा रही है। खाद्य तेलों के सस्ते होने की वजह विदेशी बाजार में इनके दाम घटने के साथ ही घरेलू तिलहन की पैदावार ज्यादा होना मानी बताई जा रही है। खाने के तेल में फरवरी में 10 फीसदी तक गिरावट देखी गई है। जबकि सालभर में यह 30 फीसदी तक सस्ते हुए हैं। पिछले साल इन्हीं दिनों सरसों तेल 165 से 170 रुपये लीटर बिक रहा था, जो अब घटकर 135 से 140 रुपये लीटर बिक रहा है। इसी तरह साल भर में रिफाइंड सोयाबीन तेल के दाम 140-145 रुपये से घटकर 115 से 120 रुपये लीटर और सूरजमुखी तेल के दाम 135-140 रुपये से घटकर 115 से 120 रुपये लीटर रह गए हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो महीने भर में सरसों तेल 10 फीसदी, सोयाबीन तेल 3 फीसदी सस्ता हुआ है। साल भर में आयातित तेलों में कच्चे पाम तेल के दाम करीब 30 फीसदी गिरकर 95 रुपये लीटर और आरबीडी पामोलीन के दाम करीब 25 फीसदी घटकर 100 रुपये प्रति लीटर रह गए हैं। सेंट्रल ऑर्गेनाइजेशन फॉर ऑयल इंडस्ट्री

एंड ट्रेड से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि होली पर खाद्य तेलों की मांग बढ़ने के बावजूद इनके दाम घट रहे हैं। क्योंकि देश में तिलहन की बंपर पैदावार होने का अनुमान है और विदेशी बाजारों में भी खाद्य तेल सस्ते हैं। दरअसल, भारत में खाद्य तेलों के दाम काफी हद तक विदेशी बाजारों पर निर्भर रहते हैं क्योंकि देश में इनकी खपत की पूर्ति के लिए बड़ी मात्रा में खाद्य तेल आयात किए जाते हैं। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी संघ से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि ब्राजील व अर्जेंटीना में सोयाबीन और मलेशिया में पाम तेल का उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। जिससे विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम नरम पड़े हैं। इससे देश में आयातित तेल सस्ते हुए हैं। इसके अलावा देश में खरीफ सीजन में सोयाबीन की पैदावार ज्यादा थी।

अडाणी ग्रुप के 10 में से 8 शेयरों में तेजी : फ्लैगशिप कंपनी एंटरप्राइजेज का शेयर 5% से ज्यादा चढ़ा, सेंसेक्स 415 अंक बढ़कर बंद हुआ

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। मजबूत ग्लोबल संकेतों के चलते घरेलू शेयर बाजार में आज यानी सोमवार (6 मार्च 23) को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 415 अंक बढ़कर 60,224 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 117 अंक चढ़ा। ये 17,711 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और सिर्फ 5 में गिरावट रही।

अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 5.45% चढ़ा

आज अडाणी ग्रुप के 10 शेयरों में से 8 में तेजी रही। फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 5.45% चढ़कर 1,982 रुपए पर बंद हुआ। वहीं अडाणी ट्रांसमिशन, विल्मर, पावर, टोटल गैस, ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी के शेयरों में 5-5% की तेजी रही। अडाणी पोर्ट्स 0.49% बढ़ा। वहीं ग्रुप की सीमेंट कंपनी एसीसी के शेयर में 1.53% और अंबुजा में 1.80% की गिरावट देखने को मिली।

टाटा मोटर्स-ओएनजीसी निफ्टी के टॉप गेनर रहे

अडाणी एंटरप्राइजेज, टाटा मोटर्स, ओएनजीसी, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस, एशियन पेंट्स और टीसीएस समेत निफ्टी-50 के 39 शेयरों में तेजी रही। वहीं ब्रिटानिया, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को, एलटी, इंडसइंड बैंक और सन फार्मा समेत निफ्टी के 10 शेयरों में गिरावट रही। वहीं एक शेयर में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.22% की तेजी रही

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 9 में तेजी रही। आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.22% की तेजी रही। बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मीडिया, मेटल, फार्मा और प्राइवेट बैंक सेक्टर में भी तेजी रही। सिर्फ पीएसयू बैंक और रियल्टी सेक्टर में गिरावट रही।

अमेरिकी बाजारों में भी तेजी रही थी

शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में भी तेजी देखने को मिली थी। डाउ जोन्स में 387.4 अंकों या 1.17% की तेजी रही और यह 33,390.97 के लेवल पर बंद हुआ। एस एंड पी 500 इंडेक्स 64.29 अंक या 1.61% बढ़कर 4,045.64 के लेवल पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट में 226 अंकों या 1.97% बढ़त रही और यह 11,689.01 के लेवल पर बंद हुआ था।

शुक्रवार को 900 अंक चढ़ा था सेंसेक्स

भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (3 मार्च 23) को तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स करीब 900 अंक बढ़कर 59,808 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 272 अंक की तेजी रही। यह 17,594 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 शेयरों में तेजी और सिर्फ 5 शेयरों में गिरावट रही थी।

एफआईआई और डीआईआई की खरीदारी

शुक्रवार के कारोबार में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स यानी एफआईआई नेट बायर्स रहे। एनएसई पर उपलब्ध प्रोविजनल डेटा के अनुसार 3 मार्च को एफआईआई ने बाजार में 246.24 करोड़ रुपए की खरीदारी की। वहीं इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स भी नेट बायर्स रहे। उन्होंने 2089.92 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

बंपर छूट के नाम पर फालतू शॉपिंग

कैसे बेवकूफ बन रहे ग्राहक, मॉल का डिजाइन ही फंसाने के लिए बना है

6 मार्च। (एक्सक्लूसिव डेस्क) फेस्टिव सीजन के नाम पर आकर्षक दरों पर छूट वाली सेल सबको आकर्षित करती है। त्योहारों के आने के पहले ही ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर सेल सेल सेल दिखाई देने लगती है। वहीं बड़े-बड़े शॉपिंग मॉल, ब्रांड्स के रिटेल स्टोर्स में आए दिन सेल चलती रहती है। होली त्योहार पर इस समय ऑन लाइन और ऑफ लाइन सेल चल रही है। इसके बाद नवरात्रि स्पेशल चलने लगेगी। आप भी इसे सुनहरा मौका समझकर शॉपिंग कर खुद को लकी समझेंगे। ऐसे ही लोगों को बता दें कि हाल ही में फ्लोरिडा और केरोलिना यूनिवर्सिटी के शोध में सामने आया कि इस तरह रिटेलर्स कस्टमर्स को बेवकूफ बनाकर मुनाफा कमाते हैं। सेल के नाम पर कस्टमर कैसे बेवकूफ बनाते हैं और किस तरह से आप खुद को सेल की मायाजाल से निकाल सकते हैं, यही समझने की कोशिश करते हैं ।

शॉपिंग मॉल, ऑनलाइम प्लेटफॉर्म और बड़े रिटेल स्टोर्स में कस्टमर्स को ठगने के लिए शॉपिंग मॉल में जानबूझकर कौन सा सामान कहां रखा है इसका डायरेक्शन क्लियर नहीं होता। इससे यह होता है कि जो चीज आप खरीदने आएं हैं, उसे ढूंढते-ढूंढते आप कई ऐसी चीजों को देखकर खरीदने का प्लान करते हैं जो आपकी जरूरत की नहीं होती। मॉल में ज्यादा खिड़कियां और दरवाजें नहीं बनाएं जाते। इससे ग्राहक बाहर की दुनिया से पूरी तरह कट जाते हैं। वो अंदर की चकाचौंध में फंसा रह जाता।

मॉल में हमेशा महंगे आइटम पर ऑफर लगते रहते हैं। साथ ही उसके पास सस्ते दामों वाले कई आइटम रखे जाते हैं। जिससे लोग महंगी ऑफर वाली चीजों को तो पसंद करते ही हैं, लेकिन पास रखी सस्ती चीज भी देखकर खुश हो जाते हैं और खरीदने का मन बना लेते हैं। शॉपिंग मॉल को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि लोग उनकी तरफ आकर्षित हो जाएं और वहां ज्यादा टाइम स्पेंड करें। यहां मैक्सिमम रिटेल प्राइस (एमआरपी) यानी अधिकतम खुदरा मूल्य बढ़ाकर उस पर डिस्काउंट देते हैं। शॉपिंग मॉल में जब भी आप राइट टर्न लेंगे, आपको एक आकर्षक ऑफर दिखेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर लोग राइट साइड की चीजों की ओर जल्दी आकर्षित हो जाते हैं। इसलिए मॉल में ज्यादातर ऑफर राइट साइड पर ही लगाए जाते हैं। सामानों पर ऐसी डील लगाते हैं कि कस्टमर्स को खूब सारा लेने का मन करने लगता है और ग्राहक ज्यादा से ज्यादा खरीद लगते हैं।

इस तरह कस्टमर्स बन रहे हैं बेवकूफ

सामानों की लालच और अपनी बचत करने के चक्कर में आम आदमी इनके जाल में फंस जाता है। समय-समय पर पुराना माल बेचने के लिए सेल लगाकर प्रोडक्ट्स बेचने लगते हैं। जब कहा जाता है कि ऑफर लिमिटेड टाइम के लिए है तो कस्टमर्स तुरंत उसका फायदा उठाना चाहते हैं। शॉपिंग मॉल में हर महीने चीजों की जगह बदल दी जाती है। महंगे प्रोडक्ट्स आंख के सामने रखे जाते हैं। ऑनलाइन स्टोर्स पर महंगी चीजें आसानी से ऑफर के साथ मिल जाती हैं। हर जगह आपका मोबाइल नंबर और ईमेल मांगा जाता है। जिससे समय-समय पर कस्टमर्स को ऑफर्स के बारे में बताया जाता है। ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म या शॉपिंग मॉल में भी ज्यादा खर्च करने पर फ्री शिपिंग का ऑफर दिया जाता है।

प्रोडक्ट्स पर 199, 99, 599 रुपए लिखा होता है। इससे आप ये सोचते हैं कि चलो 100 रुपए से कम का है या 600 से कम में पड़ा। ऑफर होने के बाद भी दामों में कोई न कोई चार्ज लगाकर पैसे वसूल लेते हैं।

जानकारों के मुताबिक कोई कंपनी इस तरह का कोई लालच देती है जिससे किसी व्यक्ति के विधिक अधिकारों का हनन होता है और उसका समय, मेहनत, धन बर्बाद हुआ है तो वो कोर्ट जाकर

उसके खिलाफ अपने नुकसान की मांग कर सकता है। यह भी याद रखें कि इस पर कोई अपराधिक मामला नहीं बनता है।

सेल और डिस्काउंट से सिर्फ कंपनियों का ही फायदा होता है। वो अपने प्रोडक्ट की एमआरपी बढ़ाकर डिस्काउंट देने का दावा करती हैं। डिस्काउंट देखकर कस्टमर वो चीजें भी खरीद लेते हैं जिनकी उन्हें उस समय जरूरत नहीं होती। इस तरह डिस्काउंट कहकर कंपनियां अपनी सेल बढ़ा लेती हैं। जैसे- कोई प्रोडक्ट 100 रुपए का है। तो पहले उसकी एमआरपी 200 रुपए कर दी जाएगी। फिर उस पर 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। इस तरह कंपनी को न सिर्फ 50 रुपए का फायदा होगा बल्कि डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा लोग उस प्रोडक्ट को खरीदेंगे। इसके अलावा सेल कहकर पुराना स्टॉक कंपनियां बेचती हैं। लोग उन्हें भी खुशी से खरीद लेते हैं। इस तरह कंपनियां ऑफर का झांसा देकर दोहरा लाभ कमाती हैं। कई बार सेल से लोग ऐसी चीज खरीद लेते हैं जो कभी इस्तेमाल ही नहीं करते। फिर बाद में गिल्ट फील करते हैं।

इस जालसाजी से बचने के उपाय

डिस्काउंट ऑफर पर प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसके प्राइस को अलग-अलग वेबसाइट, दुकानदारों से चेक कर लें। प्रोडक्ट की प्राइस हिस्ट्री भी चेक करें। डिस्काउंट ऑफर देखकर खरीदने की जल्दबाजी बिल्कुल न करें। शॉपिंग मॉल में ऐसा होता है कि 1100 रुपए के एक प्रोडक्ट के पास एक 1000 रुपए का और एक 500 रुपए का प्रोडक्ट रखा होगा। ऐसे में कस्टमर 1000 रुपए का प्रोडक्ट खरीदकर सोचते हैं कि उन्हें एक अच्छी डील मिली है। लेकिन ऐसा न करें। अगर कम चीजें खरीदनी हैं तो शॉपिंग कार्ट या ट्रॉली न लें। जब आप सामान हाथ में रखेंगे तो कम चीजें ही खरीद सकेंगे।

ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं या ऑनलाइन प्रोडक्ट्स देख रहे हैं तो इन्कॉग्निटो मोड पर करें। साथ ही पुरानी कुकीज और हिस्ट्री डिलीट कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आप एक साइट पर ज्यादा समय बिताते हैं तो आपको महंगे प्रोडक्ट्स दिखने लगेंगे। जबकि कम समय बिताने वाले लोगों को सस्ते प्रोडक्ट्स दिखेंगे। शॉपिंग मॉल में आई लेवल से ऊपर और नीचे के प्रोडक्ट्स पर भी ध्यान दें। वहां आपको बेहतर प्राइस मिलेगा। डिस्काउंट ट्रैप्स में न फंसे। इससे आप बिना काम की चीजों को खरीदने से बचे रहेंगे। रिटेल आउटलेट या मॉल के काउंटर पर ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। इन ऐप को डाउनलोड न करें।

आप जैसे ही किसी ऑनलाइन साइट पर जाते हैं आपके सामने एक बंपर डिस्काउंट वाले प्रोडक्ट का विज्ञापन आता है। आप तुरंत आकर्षित होकर उस लिंक पर क्लिक करते हैं, लेकिन बाद में प्रोडक्ट को देखने के बाद निराशा ही आपके हाथ लगती है। एक बार क्लिक करके उस वेबसाइट पर जाने के बाद आपको दूसरे प्रोडक्ट्स भी दिखाई देते हैं, जिसमें किसी तरह का डिस्काउंट नहीं होता है। ऐसे में अब आप बिना डिस्काउंट वाले प्रोडक्ट्स भी देखने लगते हैं और देखते-देखते कई बार उन्हें खरीदने का मन बना लेते हैं।

ऐसे प्रोडक्ट्स पर छूट, जिन्हें बेचना जरूरी है

ज्यादातर दुकानदार सिर्फ उन चीजों पर भारी छूट देते हैं, जिनकी बिक्री कम होती है। ऐसे छूट सिर्फ त्योहारी सीजन में ही देखने को मिलती है। क्योंकि इस वक्त लोग सामान खरीदना पसंद करते हैं। बंपर छूट का समय फिक्स कर दिया जाता है ताकि लोग इसे खरीदने में देरी न करें। जैसे- किसी सामान में छूट होली तक ही रहेगी उसके बाद इसकी कीमत बढ़ जाएगी। ऐसा करने पर लोग तय तारीख तक उस सामान को खरीद लेते हैं।

आपको बार-बार मैसेज किए जाते हैं

जब आप ऑफलाइन शॉपिंग के लिए किसी मार्ट में जाते हैं तो वहां आपसे आपका मोबाइल नंबर ले लिया जाता है। ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त भी आपका नंबर रजिस्टर्ड हो जाता है। ऐसे में ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही साइड से आपको फेस्टिवल सीजन में मैसेज आने शुरू हो जाते हैं। आप इनकी भारी भरकम छूट को देखकर आकर्षित हो जाते हैं और जो सामान आपके काम का नहीं है उसे भी खरीदने का मन बना लेते हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

कई बार कुछ इस तरह के ऑफर दिए जाते हैं- '2 खरीदें 1 मुफ़्त पाएं' या , '1 खरीदें और दूसरे आइटम पर 50% छूट पाएं'। इंडियन कस्टमर इस तरह के ऑफर से आकर्षित होते हैं। स्वतंत्र कंसलटेंट हरीश एचवी के अनुसार, इंडियन कस्टमर को इस तरह के छूट की आदत हो गई हैं।

टेक्नोपैक एडवाइजर्स के चेयरमैन और एमडी अरविंद सिंघल के अनुसार, डिस्काउंट का ऑफर ग्राहकों के दिमाग पर असर डालता है। ग्राहक ये जानता है कि वो जिस सामान को खरीदना चाहते हैं उसकी कीमत और छूट वाले सामान की कीमत एक ही है। फिर भी वो डिस्काउंट देखकर आकर्षित हो जाते हैं। कॉम्बो ऑफर देने का मकसद होता है ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सामान को बेचना। अगर दुकानदार हर एक सामान पर छूट देंगे तो ग्राहक सिर्फ एक सामान खरीदेगा, लेकिन अगर वो कॉम्बो ऑफर देते हैं तो अपने फायदे के लिए ग्राहक एक की जगह कॉम्बो ऑफर का सामान खरीदेगा।

बेरोजगार युवाओं को हर माह 2500 रुपए

नवा रायपुर से दुर्ग तक चलेगी लाइट मेट्रो, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन सहित कई का मानदेय बढ़ा

रायपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मौजूदा सरकार का आखिरी बजट पेश कर दिया है। खास बात ये है कि, छत्तीसगढ़ की जनता के लिए किसी नए कर की या टैक्स में बढ़ोतरी की बात नहीं की गई है। नवा रायपुर से दुर्ग तक लाइट मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। कई योजनाओं की राशि, मानदेय बढ़ा दिया गया है। सबसे प्रमुख बात कि प्रदेश के शिक्षित युवाओं को दो वर्ष तक ढाई हजार रुपए प्रति माह बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की गई है, हालांकि इसमें कुछ नियम भी बनाए गए हैं। इस बार का बजट 1 लाख 21 हजार 500 करोड़ का था। जोकि अब तक का सबसे बड़ा बजट है।

मुख्यमंत्री भूपेश बोले, हमने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। जिन परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख से कम है, ऐसे परिवार के युवाओं को दो साल तक ढाई हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। बेरोजगारी भत्ता पाने के लिए और भी नियम व शर्तें बनाई गई हैं, जिसे फिलहाल स्पष्ट नहीं किया गया है। निराश्रित पेंशन की राशि 350 से बढ़ाकर 500 रुपए

किया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मासिक मानदेय बढ़ाकर 6.5 हजार से 10 हजार किया गया है। सहायिका का मानदेय 3.5 से बढ़ाकर 5 हजार रुपए कर दिया गया है। अब सिलेसिलेवार पढ़िए किसे क्या मिला

स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 19 हजार 489 करोड़ रुपए

आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल के लिए 870 करोड़ रुपए

सर्व शिक्षा अभियान के लिए 1380 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति के लिए निर्माण के लिए 681 करोड़ रुपए

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के लिए 60 करोड़

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 10 हजार 329 करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री आवास योजना- 3238 करोड़ रुपए, प्रधानमंत्री सड़क योजना- 789 करोड़ रुपए

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन- 494 करोड़ रुपए, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी परब सम्मान निधि- 5 करोड़ रुपए

ग्राम पंचायत भवनों में जल संवर्धन 50 करोड़ रुपए, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना 200 करोड़ रुपए

मनरेगा के लिए- 1902 करोड़ रुपए, मुख्यमंत्री ग्राम एवं सड़क योजना 319 करोड़ रुपए

स्वच्छ भारत मिशन- 400 करोड़ रुपए, रूरल इंडस्ट्रियल पार्क 149 करोड़ रुपए, ग्रामीण यात्रिंकी सेवा 189 करोड़ रुपए

कृषि विभाग के लिए 10 हजार 70 करोड़ रुपए

राजीव गांधी किसान न्याय योजना- 6800 करोड़ रुपए, फसल बीमा योजना- 575 करोड़ रुपए

एकीकृत बागवानी योजना- 205 रुपए, चिराग योजना-200 करोड़ रुपए

गोधन न्याय योजना- 175 करोड़ रुपए, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना 187 करोड़ रुपए

गन्ना उत्पादक किसानों को बोनस 60 करोड़ रुपए,सेंटर ऑफ एक्सीलेंस 1.51 करोड़ रुपए

राजधानी रांची के अर्बन हाट में लगी आग

रांची, 6 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी रांची में बड़े सपने के साथ बन रहे अर्बन हाट में भीषण आग लगी। गोंदा थाना इलाके में बन रहे अर्बन हाट में आग इतनी भयावह थी कि काफी दूर तक आग की लपटें देखी गयी। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस आग से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है लेकिन कई दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गयी। आग कैसे लगी इसका पता नहीं चल सका है। बताया जाता है कि यह इलाका नशेड़ियों का अड्डा बन चुका था। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। कांके प्रखंड के गोंदा में निर्माणाधीन अर्बन हाट में रबर की पाइप रखी थी। सबसे पहले आग इसी पाइप में लगी। धीरे- धीरे आग फैलने लगी लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। कई जगहों से दमकल वाहन को गोंदा भेजा गया ऑड्रे हाउस से 4 दमकल वाहन भेजे गये, एक वाहन डोरंडा से पहुंच गयी है। एक और गाड़ी पिस्का मोड़ से मंगायी गयी है।

थप्पड़बाज डॉक्टर का एक और कारनामा

शराब के नशे में धुत पहुंचा कोरबा अस्पताल, मरीज और परिजनों से की अभद्रता

कोरबा, 6 मार्च (एजेंसियां)। डॉक्टरों को धरती का भगवान कहा जाता है। लेकिन, कुछ डॉक्टरों की हरकत से यह पेशा भी बदनाम हो रहा है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नशे में धुत होकर लड़खड़ाते एक डॉक्टर का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

आग से झुलसी महिला के परिजनों से अभद्रता भी की है। इससे पहले डॉक्टर पर महिला मरीज को थप्पड़ मारने पर भी कार्रवाई हो चुकी है। अब इस मामले में डीन ने मुख्यालय को पत्राचार करते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं।

दरअसल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बुद्धेश्वर सिंह कंवर पदस्थ है। बताया जा रहा है कि वह आए दिन नशे की हालत में अस्पताल पहुंचते हैं।

बीते दिनों उन्होंने बेहोशी की हालत में पहुंची महिला मरीज को थप्पड़ जड़ दिया था। मामले में

अस्पताल प्रबंधन ने कार्रवाई भी की थी। इसके बावजूद उनके व्यवहार में सुधार नहीं आ रहा। वह शराब के नशे में लड़खड़ाते हुए सीधे अस्पताल जा पहुंचे।

उन्होंने बर्न वार्ड में दाखिल आग से झुलसे मरीज से बिना मतलब के सवाल शुरू कर दिए। इतना ही नहीं उन्होंने परिजनों से भी अभद्रता शुरू कर दी। जिससे परिजन परेशान हो गए । उनके आक्रोशित होने पर डॉक्टर ने अस्पताल से बाहर आना मुनासिब समझा थोड़ी देर बाद लड़खड़ाते हुए पुनः अस्पताल की ओर जाने लगे, इस दौरान डॉक्टर अपने पैरों में चलने लायक भी नहीं थे। उन्हें लड़खड़ाते देख कुछ लोगों ने कंधे का सहारा देकर अस्पताल के भीतर पहुंचाया।

मामला संज्ञान में आने के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल कोरबा के डीन डॉ. अविनाश मेश्राम ने न सिर्फ मुख्यालय को पत्राचार किया है, बल्कि जांच के लिए भी आदेश जारी कर दिए हैं।

संसदीय राजभाषा समिति का लखनऊ दौरा

लखनऊ, 6 मार्च (एजेंसियां)। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु संसदीय राजभाषा समिति की पहली उपसमिति ने लखनऊ का दौरा किया। इस दौरान इसने कुल 23 केंद्रीय कार्यालयों के राजभाषा संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया। ज्ञातव्य हो कि संसद द्वारा पारित राजभाषा अधिनियम 1963 में दिए गए प्रावधानों के तहत संसदीय राजभाषा समिति का गठन किया गया है।इस समिति में कुल 30 सांसद होते हैं, जिसमें 20 लोकसभा के तथा 10 राज्यसभा के।

यह समिति तीन उपसमितियों में बंटी हुई है। प्रत्येक उप समिति में 10 संसद सदस्य तथा उनके 5 सहयोगी अधिकारी एवं स्टाफ को मिलाकर कुल 15 सदस्य होते हैं । प्रथम उप समिति ने लखनऊ का दौरा किया तथा कार्यालयों के निरीक्षण हेतु समन्वय की जिम्मेदारी लखनऊ के गोमती नगर स्थित सीआरपीएफ के मध्य सेक्टर मुख्यालय को सौंपी गई। सीआरपीएफ के महनिरीक्षक जसबीर सिंह संधू, राजीव रंजन, भा.पु.से., पुलिस उप महानिरीक्षक, सुनील कुमार उप महानिरीक्षक, राजीव कुमार चौधरी कमांडेंट, रमेश यादव उप कमांडेंट, मोहम्मद आसिफ सहायक कमांडेंट एवम मो.इकबाल सहायक कमांडेंट (हिंदी) सहित अन्य अधिकारियों और स्टाफ ने अपना योगदान दिया ।

समिति ने लखनऊ, कानपुर, औरैया, अमेठी, बरेली स्थित कार्यालयों के राजभाषा का निरीक्षण कार्य किया। जिसमें प्रमुख कार्यालय एच.ए.एल.गेल, वायुसेना स्टेशन बरेली, ग्लाइडर इंडिया लिमिटेड, ट्रूप्स कंफर्ट, केंद्रीय विद्यालय संगठन, आईओसीएल, एचपीसीएल, रक्षा संपदा निदेशालय, छावनी परिषद लखनऊ गुणवत्ता आश्वासन संस्थान कानपुर, भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ, भारतीय तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी संस्थान लखनऊ, भारतीय सांस्कृतिक संपदा अनुरक्षण अनुसंधानशाला लखनऊ, सिपेट लखनऊ, केमिकल एंड फर्टिलाइजर लिमिटेड लखनऊ कंपनी रजिस्ट्रार कार्यालय कानपुर इत्यादि का निरीक्षण किया।

समिति ने सभी को राजभाषा क्षेत्र में और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सीआरपीएफ एवं अन्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिंदी में अपनी प्रस्तुति दी। समिति के सदस्य धर्मेंद्र कश्यप, संसद सदस्य एवं श्याम सिंह यादव ने अधिकारियों एवं स्टाफ का मनोबल बढ़ाया। सभी 23 निरीक्षणधीन कार्यालयों ने सीआरपीएफ के समन्वय की प्रशंसा की तथा इसे उत्कृष्ट बताया। इस कड़ी के दौरान संसदीय समिति ने अयोध्या स्थित राम लला के भी दर्शन किए।

पत्नी की हत्या करके 6 टुकड़े किए

बिलासपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। बिलासपुर में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। नकली नोट के अवैध कारोबार में लगे एक युवक के घर पर जब पुलिस ने छापा मारा तो नकली नोट, नोट छापने वाली मशीन के साथ ही वहां एक टंकी में महिला की 6 टुकड़ों में की गई लाश मिली। यह लाश पानी की टंकी में रखी हुई थी। आरोपी ने बताया, दो महीने पहले उसने अपनी पत्नी की हत्या करके लाश को काटकर छिपा दिया था। उसने हत्या करने की वजह पत्नी के चरित्र पर संदेह होना बताया।

दरअसल नकली नोट की तलाशी में जब पुलिस आरोपी के घर पहुंची तो उसके घर की स्थिति चौंकाने वाली थी। पुलिस को घर से बदबू आ रही थी। इस बीच जैसे ही पुलिस ने सिंटेक्स की टंकी का ढक्कन खोला तो टुकड़ों में कटी लाश मिली, आरोपी पवन ने बताया, लाश उसकी पत्नी सती साहू की है। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार करके पूछताछ की जा रही है।

सकरी टीआई सागर पाठक के मुताबिक, उन्हें जानकारी मिली कि उसलापुर रेलवे स्टेशन के पीछे रहने वाला पवन सिंह ठाकुर नकली नोटों का अवैध कारोबार करता है।

जिसके बाद पुलिस की टीम ने उसे उसलापुर ओवरब्रिज के पास नकली नोट के साथ दबोच लिया। और फिर जब उसके घर में दबिश दी गई तो 500 और 200 के नकली नोट के बंडल मिले।

7 युवकों ने किया गैंगरेप

जगदलपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में 7 लड़कों ने मिलकर मेला देखने गई 24 साल की युवती के साथ गैंगरेप किया है। आरोपियों ने पहले लड़की के भाई को धमकाकर भगा दिया। फिर लड़की को घसीटकर जंगल की तरफ ले जाकर सभी ने उसके साथ दरिंदगी की। मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। जबकि, 2 आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पूरा मामला बस्तर के दरभा थाना क्षेत्र का है। जहां 4 मार्च को मावलीपदर में पारंपरिक मेले का आयोजन किया गया था। जानकारी के मुताबिक, युवती अपने परिजनों के साथ मेला देखने गई हुई थी। परिवार के लोग वहां घूम रहे थे, और युवती अपने भाई के साथ स्कूल के पीछे खाना खाने गई थी। यहां दोनों भाई-बहनों को अकेला देख इलाके के कुछ युवकों ने उन्हें घेर लिया था। भाई को डरा धमकाकर वहां से भगा दिया।

सीएम के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का का तबादला

रांची, 6 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का पर गंभीर आरोप लगाए। इन आरोपों पर राजनीति तेज थी तभी देर शाम प्रधान सचिव और गृह सचिव राजीव अरुण एक्का का ट्रांसफर कर दिया गया।कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी। चर्चा है कि इस तबादले में अहम भूमिका निभाई 22 सेकेंड की एक वीडियो क्लिप ने। बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का पर आरोप लगाते हुए कहा, ईडी के अभियुक्त विशाल चौधारी के घर जा कर अधिकारी फाइलें निपटा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 22 सेकेंड का एक वीडियो क्लिप भी जारी किया था। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस क्लिप में राजीव अरुण एक्का विशाल चौधरी के अरगोड़ा चौक स्थित कार्यालय में फाइल में लगे पेपर साइन कर रहे हैं। वहीं उनके बगल में एक महिला खड़ी है। बताया जा रहा है कि महिला विशाल चौधरी की कर्मचारी है। और बगल में जिसकी आवाज आ रही है और अपने महिला कर्मचारी से किसी से पैसे आने नहीं आने के बारे में पूछ रहा है वो विशाल चौधरी की आवाज बताई जा रही है। फिर महिला द्वारा पैसा नहीं आने की जानकारी पर विशाल किसी को फोन लगाकर पैसे के बारे में पूछ रहा है। इस तबादले ने बाबूलाल मरांडी के आरोपों को हवा दे दी है।

विपक्ष इस मुद्दे को और तेजी से उठायेगा और मामले के जांच की मांग करेगा। बाबूलाल मंरांडी ने उसी वक्त यह संकेत दे दिए थे कि यह बात राजभवन तो जाएगी ही। ईडी के अधिकारियों को भी सारे साक्ष्य सौंपें जाएंगे। उनसे इस मामले की जांच की मांग भी की जाएगी। बाबूलाल मरांडी ने मांग की है कि मुख्यमंत्री अविलंब राजीव अरुण एक्का को पद से हटाएं और उन पर एफआईआर कराएं।

त्योहार के मद्देनजर बर्ड फ्लू को लेकर बढ़ी सख्ती

रांची, 6 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में बर्ड फ्लू के बढ़ते खतरे को लेकर निगरानी तेज कर दी गयी है। त्योहार के मद्देनजर चिकन की बिक्री पर बढ़ते खतरे का असर देखा जा रहा है। राजधानी रांची के जेल मोड़ चौक इलाके में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन एक्टिव मोड में है। संक्रमित क्षेत्र के एक किमी के दायरे में संक्रमित बचे मुर्गों को मारने के आदेश जारी कर दिया गया है। 10 किमी की परिधि को सर्विलांस जोन घोषित किया जा चुका है।

10 किमी की परिधि में अगले आदेश तक मुर्गी-मुर्गा, अंडा, पक्षी की खरीद-बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा दी गयी है। इसकी निगरानी के लिए एसएसपी को जिम्मेदारी सौंपी गयी है। निगरानी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। मजिस्ट्रेट को रैपिड रिस्पांस टीम के साथ समन्वय बनाकर विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ अनिल कुमार ने बताया कि संक्रमित क्षेत्र के एक किमी के दायरे में आनेवाले मुर्गे-मुर्गियों को मारा जायेगा. उसके बाद क्षेत्र को सैनिटाइज किए जाने का आदेश दिया गया है। इस इलाके में कबतक चिकन की खरीद बिक्री की इजाजत मिलेगी। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर कोई मामला सामने नहीं आता तो एक दो दिन की निगरानी के बाद खरीद बिक्री की इजाजत दी जा सकती है।

ऑस्ट्रेलिया में फिर हिंदू मंदिर निशाने पर क्यों

भारत विरोधी नारे और तोड़फोड़ की घटनाएं क्यों बढ़ीं?

कैनबरा, 6 मार्च (एजेंसियां)। पिछले कुछ समय से ऑस्ट्रेलिया समेत दुनियाभर में हिंदू मंदिर कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर एक हिंदू मंदिर में हमले की घटना सामने आई है। अबकी बार ब्रिस्बेन स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में तोड़फोड़ की गई है। मानवाधिकार विशेषज्ञों का कहना है कि देश में रह रहे हिंदुओं को डराने के लिए किया गया है। ऑस्ट्रेलिया में हिंदू धर्म स्थलों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हुई हैं। इससे पहले विक्टोरिया, ब्रिस्बेन और मेलबोर्न जैसे बड़े शहरों में कई मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना सामने आईं थीं।

ताजा घटना क्या है?

ताजा मामला ब्रिस्बेन से आया है जहां शनिवार को श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में खालिस्तान समर्थकों ने तोड़फोड़ की। मंदिर के अध्यक्ष सतिंदर शुक्ला ने स्थानीय मीडिया से बात करते हुए बताया कि सुबह के समय श्रद्धालु मंदिर में पूजा-पाठ के लिए पहुंचे थे, इसी दौरान उन्होंने देखा कि मंदिर की दीवार को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

इस घटना पर मानवाधिकार विशेषज्ञों ने नाराजगी व्यक्त की है। हिंदू ह्युमन राइट्स की निदेशक सारा गेट्स ने एक बयान में कहा कि सिख फॉर जस्टिस की तर्ज पर इस घृणा अपराध को अंजाम दिया गया है। यह ऑस्ट्रेलिया में रह रहे हिंदुओं को भयभीत करने के लिए किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया में क्या पहले भी इस तरह के हमले हुए हैं?

विदेशी धरती पर हिंदू आस्था पर चोट करने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले फरवरी मध्य में ऑस्ट्रेलिया में दो हिंदू मंदिरों को धमकियां दी गईं थीं। पहला मामला ब्रिस्बेन स्थित गायत्री मंदिर का था। रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर के अध्यक्ष जय राम और उपाध्यक्ष धर्मेश प्रसाद को शुक्रवार को अलग-अलग फोन आए, फोन करने वाले ने खुद की पहचान 'गुरुवादेश सिंह' के रूप में बताई। फोन करने वाले ने शिवरात्रि पर मंदिर में खालिस्तान समर्थक नारे लगवाने का दबाव डाला। बाद में मंदिर की जनसंपर्क अधिकारी नीलिमा ने भी कहा कि उन्हें एक अमेरिकी नंबर से कई फोन आए। वहीं इन फोन कॉल के बाद मंदिर प्रबंधन ने वहां

सुरक्षा बढ़ा दी थी।

दूसरा मामला ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में काली माता मंदिर का था जिसके पुजारी को फोन पर धमकी दी गई। पुजारी भावना को फोन कॉल करके धमकी में दी गई थी कि यदि भजन कार्यक्रम रद्द नहीं हुए तो नतीजे गंभीर होंगे। उस वक्त मंदिर का प्रबंधन आगामी धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारी कर रहा था।

23 जनवरी को सामने आईं रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में इस्कॉन मंदिर में खालिस्तानी समर्थकों ने कथित तौर पर तोड़फोड़ की थी। इतना ही नहीं, मंदिर में भारत विरोधी नारे भी लिखे गए थे।

इससे पहले 16 जनवरी को कैरम डाउन इलाके में स्थित श्री शिवा विष्णु मंदिर पर भी भारत विरोधी नारे लिख दिए गए थे। मंदिर में जब भारत विरोधी नारे लिखे गए, उस वक्त मंदिर में तमिल हिंदुओं द्वारा तीन दिन का थाई पोंगल त्योहार मनाया जा रहा था। 15 जनवरी को खालिस्तान समर्थकों ने मेलबर्न में एक कार रैली निकालकर खालिस्तान पर जनमत के लिए समर्थन जुटाने का प्रयास किया था लेकिन उन्हें समर्थन नहीं मिल सका और मेलबर्न में भारतीय मूल की करीब 60 हजार आबादी रहती है लेकिन रैली के दौरान कुछ सौ लोग ही मौजूद रहे। माना जा रहा है कि इसी गुस्से में हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया था।

मंदिर क्यों बन रहे हैं निशाना?

विदेश मामलों के जानकार डॉ. आदित्य पटेल कहते हैं, 'ऑस्ट्रेलिया-कनाडा में तोड़फोड़ करने वाले खालिस्तान समर्थक हैं। ये स्पष्ट हो चुका है। इस तरह की हरकत करके यह लोग दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हैं। वह अपनी नाजायज मांगों के समर्थन में बाकी देशों में भी समर्थन चाहते हैं।'

इसके पीछे पाकिस्तान जैसे देशों की शह भी शामिल है। ये भारत में अस्थिरता लाने के लिए लंबे समय से काम कर रहे हैं। जब कश्मीर में आतंकी घटनाओं पर सरकार ने सख्त कदम उठाना शुरू किया तो इन लोगों ने दूसरे तरह से अपनी मुहिम को तेज करना शुरू कर दिया है। अब ये खालिस्तानी समर्थकों का सहारा ले रहे हैं।

900 से ज्यादा स्कूली छात्राओं के जहर देने के पीछे इस्लामी कट्टरपंथी या विदेशी दुश्मन?

तेहरान, 6 मार्च (एजेंसियां)। ईरान में 900 से ज्यादा स्कूली छात्राओं को जहर देने का मामला दिनों दिन उलझता जा रहा है। दरअसल पहले कहा गया था कि स्कूली छात्राओं को जहर देने के पीछे इस्लामिक कट्टरपंथियों का हाथ है और वह नहीं चाहते कि लड़कियां स्कूल जाएं और उन्हें रोकने के लिए ही लड़कियों को जहर दिया गया। स्कूली छात्राओं को जहर देने का पहला मामला बीती 30 नवंबर को ईरान को कोम शहर में सामने आया था, जिसमें 50 के करीब छात्राओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि कुछ दिन बाद ही स्कूली छात्राओं को अस्पताल से वापस घर भेज दिया गया था। हालांकि एक छात्रा की मौत की भी खबर थी।

ईरानी मीडिया के अनुसार, देश के आठ प्रांतों के 58 स्कूलों में छात्राओं को जहर देने का खुलासा हुआ था। वहीं अंतरराष्ट्रीय मीडिया के अनुसार,

ईरान के 10 प्रांतों के 30 स्कूलों में स्कूली छात्राओं को जहर दिया गया। पहले ईरानी सरकार ने इससे इनकार किया लेकिन बाद में स्वीकार किया कि स्कूली छात्राओं को जहर दिया गया। हाल ही में जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की बैठक हुई, जिसमें ईरान का यह मामला उठाया गया। कई देशों ने इस पर चिंता जाहिर की। ईरान के डिप्टी शिक्षा मंत्री ने भी स्वीकार किया कि कुछ लोगों ने लड़कियों को स्कूल जाने से रोकने के लिए ऐसा किया। हालांकि बाद में वह अपने बयान से पलट गए।

बीते शुक्रवार को ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने दावा किया कि यह ईरान के दुश्मन देशों का काम है ताकि लोगों में डर और असुरक्षा की भावना पैदा की जाए। फिलहाल ईरान के आंतरिक मामलों के मंत्री को घटना की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं ईरान के एक वरिष्ठ मौलवी का कहना है कि सरकार के बयानों से लोगों में सरकार की विश्वसनीयता खत्म हो रही है। इससे लोगों में असमंजस की स्थिति बन गई है।

अवैध प्रवासियों का ब्रिटेन में प्रवेश होगा बंद

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक लाएंगे नया कानून

लंदन, 6 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रविवार को एलान किया कि जो लोग अवैध तरीके से ब्रिटेन में आ रहे हैं, उन्हें वापस भेजा जाएगा और वह यहां शरण नहीं मांग सकेंगे। बता दें कि ब्रिटेन में अभी तक ऐसा नियम है कि यहां अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लोग भी आवेदन देकर शरण मांग सकते हैं। हालांकि हाल के सालों में ब्रिटेन में अवैध प्रवासियों की संख्या में जबरदस्त उछाल आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुनक सरकार इस हफ्ते के अंत तक अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कानून ला सकती है। ब्रिटेन में इंग्लिश चैनल से नावों में बैठकर बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी आ रहे हैं, इनकी रोकथाम के लिए कानून में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं। नए कानून के तहत ब्रिटेन के गृह मंत्री को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है कि वह नौकाओं के जरिए ब्रिटेन में अवैध रूप से आ रहे प्रवासियों को रोकें। साथ ही ब्रिटेन में रह रहे अवैध प्रवासियों को वापस भेजा जाएगा।

ऋषि सुनक ने कहा कि नौकाओं द्वारा ब्रिटेन में आ रहे अवैध प्रवासियों को रोकना उनकी पहली प्राथमिकता है। अवैध प्रवासी अब ब्रिटेन में नहीं रह सकेंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि अवैध प्रवासी ब्रिटेन के करदाताओं, ब्रिटेन में वैध तरीके से आने वाले लोगों के लिए ठीक नहीं हैं।

पाकिस्तान में फिर हुआ आत्मघाती हमला!

विस्फोट में नौ पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद, 6 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में एक और आतंकवादी हमले की खबर है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान प्रांत में हुए एक धमाके में नौ पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है। यह हमला सोमवार को ब्लूचिस्तान को बोलान इलाके में हुआ। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, यह इलाका सिबी और कच्छी सीमा पर स्थित है। शुरुआती जांच में यह पता लगा है कि यह एक आत्मघाती हमला था लेकिन अभी जांच के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्लूचिस्तान पुलिस के जवान जब ड्यूटी से लौट रहे थे। उसी दौरान यह धमाका हुआ। धमाका इतना तेज था इसके असर से पुलिस के जवानों को लेकर जा रही गाड़ी पलट गई। इस धमाके में 15 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। बता दें कि हाल के दिनों में पाकिस्तान में कई आतंकी हमले हुए हैं। बीती जनवरी में ही पाकिस्तान के पेशावर में हुए एक आत्मघाती हमले में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी। यह हमला उस वक्त हुआ, जब पुलिसकर्मी एक मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए इकट्ठा हुए थे। उसी दौरान पुलिस के भेष में आए एक आतंकी ने खुद को बम विस्फोट से उड़ा लिया था।

यह धमाका इतना तेज था कि मस्जिद की छत भी गिर गई थी, जिसके चलते मरने वालों का आंकड़ा बहुत ज्यादा हो गया था। दरअसल आतंकी संगठन तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान और पाकिस्तानी सेना के बीच सीजफायर टूट चुका है और उसके बाद से ही पाकिस्तान में आतंकी हमलों की लहर सी आई हुई है। खास बात ये है कि अधिकतर आतंकी हमलों में पाकिस्तान पुलिस के जवानों को निशाना बनाया गया है। इससे पहले फरवरी में ही कराची पुलिस मुख्यालय पर आतंकवादी हमला हुआ था। टीटीपी ने ही इस हमले को अंजाम दिया था। इस हमले में हथियारबंद आतंकियों ने पुलिस मुख्यालय पर हमलाकर तीन लोगों की हत्या कर दी थी और हमले में 10 लोग घायल हुए थे। हालांकि सुरक्षाबलों की कार्रवाई में पांच आतंकी ढेर कर दिए गए थे।

बांग्लादेश में रिफ्यूजी कैंप में आग

12 हजार से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी बेघर, बोले- हमसे सब छिन गया

ढाका, 6 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए बनाए गए रिफ्यूजी कैंप वाले इलाके में आग लग गई। हादसे में 2 हजार से ज्यादा शेल्टर होम तबाह हो गए। इस दौरान किसी की जान नहीं गई और न ही कोई घायल हुआ। हालांकि, कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। लोगों का कहना कि आग ने उनसे सब छीन लिया। आग लगने की वजह सामने नहीं आई है।

बांग्लादेश के रिफ्यूजी कमिश्नर मिजानुर रहमान ने कहा- आग कुतुपालोंग इलाके में 5 मार्च दोपहर 2:45 बजे लगी। यहां सबसे ज्यादा शरणार्थी रहते हैं। 12 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए हैं। अब इस घटना के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

इनमें आग लगने के बाद मची भगदड़, काला धुआं और तबाही दिख रही है। रिफ्यूजी कैंप में रहने वाले मामुन जौहर ने कहा- मेरा घर-दुनिया तबाह हो गया। आग ने मुझसे सब छीन लिया। अब मेरे पास कुछ नहीं बचा। वहीं, घटनास्थल पर मौजूद रहे दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया की आग बुझाने में साढ़े तीन घंटे लग गए। वहीं, आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा- रिफ्यूजी कैंप पहाड़ी इलाके में स्थित है। यहां लगी आग काफी भयानक थी।

मरियम नवाज बोलीं, इमरान खान गीदड़

गिरफ्तारी से बचने के लिए दूसरों की बेटियों को ढाल बना रहा, देश छोड़ दे

इस्लामाबाद, 6 मार्च (एजेंसियां)। 5 मार्च को पुलिस पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार करने पहुंची थी। लेकिन वो घर पर मौजूद नहीं थे। वो भाग गए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान मुस्लिम लीग (पीएमएल) की लीडर मरियम नवाज ने खान को डरपोक और गीदड़ कह दिया।

इतना ही नहीं उन्हें देश तक छोड़ने के लिए कहा। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, मरियम ने ट्वीट कर कहा कि गीदड़ चोरी करने के बाद भी दूसरों की बेटियों के पीछे छुपता है और गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्हें शील्ड की तरह इस्तेमाल करता है।

दरअसल, गिरफ्तारी से नाराज इमरान के समर्थक सड़कों पर आ गए है। इनमें महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस को शक है कि इमरान गिरफ्त में आने से बचने के लिए महिलाओं और बच्चों को ढाल बना सकते हैं।

मरियम ने पिता नवाज को शेर बताया

ट्वीट में मरियम ने कहा- नवाज शरीफ बहादुर हैं क्योंकि वो मुश्किल समय में भागे नहीं, बल्कि जेल गए। जबकि इमरान खान कभी जेल नहीं गए। उन्होंने इमरान की तुलना अपने पिता नवाज से की। पिता को शेर कहा और इमरान को गीदड़ बताया। मरियम ने कहा- शेर भले ही बेगुनाह हो लेकिन वो अपनी बेटी का हाथ पकड़ता है, लंदन से पाकिस्तान आ जाता है और जेल जाता है। गीदड़ छुपता है। देश शेर और गीदड़ के बीच का अंतर समझ गया है।

खान को मुश्किलों का सामना करने का साहस दें

जेल भरो तहरीक इतिहास का सबसे असफल आंदोलन है। इमरान खान पीएमएल-एन के सुप्रीमो नवाज शरीफ की तरह बहादुर नहीं है। वो डरपोक हैं। उन्हें देश छोड़ देना चाहिए। आवाम लीडर और भीड़ जमा करने वाले के बीच फर्क जानती है। उन्होंने नवाज शरीफ से इमरान खान को साहस देनी की बात भी कही।

खान ने समर्थकों को टाइगर कहा था

घर से भागने के चंद घंटों बाद ही इमरान खान ने लाहौर में अपने समर्थकों को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था- पाकिस्तान इतना जलील कभी नहीं हुआ, हमारा क्राइम मिनिस्टर भीख मांगता घूम रहा है। इमरान ने अपने समर्थकों से कहा- आप मेरे टाइगर्स हैं। मैं कभी किसी के सामने नहीं झुका हूं, हम सिर्फ अल्लाह के सामने झुकने वाले लोग हैं।

तोशाखाना मामले में होनी है गिरफ्तारी

पाकिस्तान पुलिस 5 मार्च को तोशाखाना मामले में पूर्व

प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची थी। दरअसल, सत्ताधारी पाकिस्तानी डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने तोशाखाना गिफ्ट मामला उठाया था। कहा था कि इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। इमरान ने चुनाव आयोग को बताया था कि उन्होंने तोशाखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था, बेचने पर उन्हें 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। बाद में खुलासा हुआ कि यह रकम 20 करोड़ से ज्यादा थी।

तोशाखाना मामले में ऐसे पकड़ी थी इमरान की चोरी

पाकिस्तानी पत्रकार आरिफ अजाकिया और इमदाद अली शूमरो के मुताबिक- इमरान को सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ने गोल्ड से बनी और हीरों से जड़ी बेशकीमती रिस्ट वॉच गिफ्ट की थी। उन्होंने दो लिमिटेड एडिशन घड़ियां बनवाईं थीं। एक खुद के पास रखी थी। दूसरी इमरान को गिफ्ट की थी। इसकी कीमत करीब 16 करोड़ रुपए थी।

इमरान ने घर आकर यह रिस्ट वॉच पिंकी पीरनी (तीसरी पत्नी बुशरा बीबी) को रखने के लिए दे दी। बुशरा ने यह घड़ी उस वक्त के एक मंत्री जुल्फी बुखारी को देकर कीमत पता करने को कहा। मंत्री ने बताया कि यह तो बेहद महंगी है। बुशरा ने उसे बेचने को कहा। ब्रांडेड घड़ी देखकर शोरूम के मालिक ने इसकी मैन्यूफेक्चरिंग कंपनी को फोन कर दिया और यहीं से इमरान की कलई खुल गई। मेकर्स ने सीधे एमबीएस के ऑफिस से संपर्क किया और बता दिया कि आपने जो 2 घड़ियां बनवाईं थीं, उनमें से एक बिकने के लिए आई है।

इमरान को अपनी हत्या का डर

पाकिस्तान के चीफ जस्टिस को चिट्ठी लिखी कहा- पेशी के दौरान पुख्ता सुरक्षा मुहैया कराएं

लाहौर, 6 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अपनी हत्या का डर सता रहा है। पाकिस्तानी वेबसाइट एक्सप्रेस ट्रिब्यून के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इमरान ने अपनी सुरक्षा के लिए पाकिस्तान के चीफ जस्टिस को चिट्ठी लिखी है। इसमें इमरान ने कोर्ट में पेशी के दौरान पुख्ता सुरक्षा इंतजाम करने का आग्रह किया है। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने जानकारी दी है कि इमरान ने सीजेआई को लिखी चिट्ठी में कहा है- मैं एक बेहद गंभीर मुद्दे की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। मेरे ऊपर कई सारी एफआईआर लादी जा चुकी हैं। मुझे धमकियां मिल रही हैं। अब मुझे डर है कि मेरी हत्या की कोशिश की जा सकती है। जिओ न्यूज के मुताबिक इमरान खान को आज तोशाखाना समेत कई मामलो में लाहौर कोर्ट के सामने पेश होना होगा। इसकी जानकारी खान के वकील अजहर सिद्दिक ने दी है। वहीं पाकिस्तान की वेबसाइट डॉन ने दावा किया है कि कोर्ट के रजिस्ट्रार ने इमरान की बेल की अर्जी पर कागज पूरे नहीं होने के चलते आपत्ति जाहिर कर दी है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट की तरफ से तोशाखान केस में जारी गिरफ्तारी वारंट होने के बावजूद पुलिस इमरान खान को रविवार को अरेस्ट नहीं कर पाई। कई घंटे तक ड्रामा चला। इस दौरान कहा गया कि इमरान घर पर मौजूद ही नहीं हैं। अदालत के नोटिस को भी खान के स्टाफ ने रिसीव किया। कई घंटे बाद जब पुलिस लौट गई तो इमरान बाहर आए। खान ने सरकार, पुलिस, फौज और आईएसआई पर जबरदस्त जुबानी

हमले किए। हालांकि, पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स बता रही हैं कि इमरान गिरफ्तारी से बच नहीं सकते। उनकी गिरफ्तारी के लिए स्पेशल कमांडो फोर्स तैयार है।

गिरफ्तारी से बचने के लिए इमरान खान ने अपने समर्थकों को लाहौर के अपने घर जमान पार्क के बाहर जुटा लिया है। जमान की तरफ चार रास्ते जाते हैं और इन चारों पर लाठी-डंडों के साथ उनके समर्थक मौजूद हैं।

समुद्र में जैव विविधता की रक्षा के लिए यूएन सदस्यों में सहमति

किन प्रजातियों पर है खतरा?

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने समुद्र में जैव विविधता की रक्षा के लिए संधि पर सहमति बना ली है। दो हफ्ते तक चली बातचीत के बाद सदस्य देशों के बीच शनिवार को संधि को लेकर सहमति बन गई है। इस संधि के लिए कई वर्षों से चर्चाएं चल रहीं थी, लेकिन सदस्य देशों के बीच सहमति नहीं बन पा रही थी। यूनाइटेड नेशन न्यूज के अनुसार, 190 से ज्यादा देशों ने इसपर अपनी मंजूरी दे दी है।

संयुक्त राष्ट्र उच्च समुद्र संधि दुनिया के 30% महासागरों को संरक्षित क्षेत्रों में रखती है, समुद्री संरक्षण में ज्यादा पैसा लगाती है और समुद्र में खनन के लिए नए नियमों को बनाती है। पर्यावरण समूहों का कहना है कि यह जैव विविधता के नुकसान को दूर करने और सतत विकास सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता की ओर से इस बाबत बयान जारी किया गया। इसमें गुटेरेस ने कहा कि ये जैव विविधता के संरक्षण को लेकर बड़ी जीत है। हमारे आने वाली पीढ़ी के लिए इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। समुद्री जीवविज्ञानी रेबेका हेल्म ने कहा,

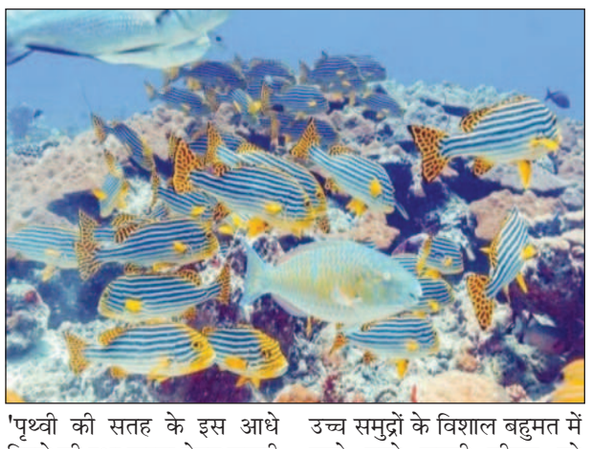

'पृथ्वी की सतह के इस आधे हिस्से की रक्षा करना बेहद जरूरी है। महासागर विशेषज्ञ निकोला क्लार्क ने कहा, 'इस संधि लेकर बनी सहमति महासागरों की रक्षा करने का अवसर है। यह जैव विविधता के लिए बड़ी जीत है।

उच्च समुद्र क्या है?

दुनिया के दो-तिहाई महासागरों को वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय जल माना जाता है। यानी सभी देशों को वहां मछली पकड़ने, जहाज चलाने और रिसर्च करने का अधिकार है। लेकिन अब तक इनमें से करीब 1% पानी - जिसे उच्च समुद्र के रूप में जाना जाता है - संरक्षित किया गया है। यह उच्च समुद्रों के विशाल बहुमत में रहने वाले समुद्री जीवन को जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक मछली पकड़ने और शिपिंग यातायात सहित खतरों से शोषण के जोखिम में छोड़ देता है।

कौन सी समुद्री प्रजातियां खतरे में हैं?

इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के मुताबिक, समुद्री प्रजातियों के नए आंकलन में, करीब 10% के विलुप्त होने का खतरा पाया गया है। नाइजीरियन इंस्टीट्यूट फॉर ओशनोग्राफी एंड मरीन रिसर्च के मुख्य शोध अधिकारी डॉ. न्गोजी ओगुगुआ ने कहा, 'विलुप्त होने के दो सबसे बड़े कारण अत्यधिक मछली पकड़ना और प्रदूषण हैं। अगर हमारे पास समुद्री संरक्षित अभयारण्य हैं, तो अधिकांश समुद्री संसाधनों को ठीक होने का समय मिलेगा।'

अबालोन प्रजातियां - शेलफिश का एक प्रकार - शार्क और व्हेल समुद्री भोजन और दवाओं के रूप में उनके उच्च मूल्य के कारण विशेष दबाव में आ गई हैं। एक साइंस मैग्जीन में प्रकाशित स्टडी के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन ने समुद्री गर्मी की लहरों को भी 20 गुना बढ़ा दिया है - जो चक्रवात जैसी चरम घटनाओं के साथ-साथ बड़े पैमाने पर मृत्यु दर की घटनाओं को भी ला सकता है। समुद्र में जलवायु परिवर्तन के मुद्दे से निपटने के लिए पेरिस समझौते जैसे अन्य वैश्विक समझौतों को लागू करना शामिल है।

संधि के तहत क्या-क्या होगा?

इस संधि के तहत समुद्र संरक्षण का प्रबंधन करने और खुले समुद्र में समुद्री संरक्षित क्षेत्रों के लिए नए निकाय का गठन किया जाएगा। महासागरों में वाणिज्यिक गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन करने के लिए नियम भी बनाया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि वर्ष 1994 में लागू हुई थी। समुद्र के संसाधनों को आंतरिक जल, प्रादेशिक सागर और अनन्य आर्थिक क्षेत्र और खुले समुद्र में वर्गीकृत किया जाता है।

तटीय देशों को सभी प्राकृतिक संसाधनों की खोज

आंतरिक जल किसी देश की भूमि के किनारे पर होता है। इसके बाद प्रादेशिक सागर 12 समुद्री मील की दूरी तक होता है। प्रादेशिक सागर किसी देश का संप्रभु क्षेत्र है।

विदेशी असैन्य एवं सैन्य जलयानों को कुछ शर्तों के तहत प्रवेश की अनुमति होती है। अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) 200 नाटिकल मील तक फैला होता है। इसमें तटीय देशों को सभी प्राकृतिक संसाधनों की खोज, दोहन, संरक्षण और प्रबंधन का संप्रभु अधिकार होता है।

इसके बाद का समुद्री क्षेत्र खुला समुद्र होता है। इसमें राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जल क्षेत्रों में महासागरों का 95 प्रतिशत हिस्सा आता है। ये क्षेत्र बहुमूल्य पारिस्थितिकी, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, विज्ञानी और खाद्य सुरक्षा से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी अमीर संस्थान लेकिन टीचर्स की सैलरी बहुत कम

दो-तिहाई एकेडमिक स्टाफ वर्षों से कॉन्ट्रैक्ट पर, महिलाओं को मैटरनिटी लीव भी नहीं मिलती

लंदन, 6 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया में विख्यात ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी अमीर संस्थानों में माना जाता है। उसके पास 64 हजार करोड़ रु. (6.4 अरब पाउंड) की दान राशि है। 2020-21 में ऑक्सफोर्ड को 80 करोड़ पाउंड की रिसर्च ग्रांट प्राप्त हुई जो किसी भी ब्रिटिश विश्वविद्यालय में सबसे ज्यादा थी। लेकिन कॉन्ट्रैक्ट फैकल्टी खराब सेवा शर्तों और कम वेतन

जैसी समस्याओं से जूझ रही है। शिक्षकों का कहना है कि हमें नियमित नहीं किया जाता, बिजनेस कार्ड भी नहीं दिए जाते। पढ़ाने का कॉन्ट्रैक्ट बहुत कम नोटिस पर रद्द या बदला भी जा सकता है। फिक्स्ड टर्म कॉन्ट्रैक्ट पर महिला शिक्षकों को मैटरनिटी लीव भी नहीं मिलती और उनका करार खत्म हो जाता है जिसके बाद में रिन्यू होने की गारंटी नहीं होती।

राजस्थान के सीएम गहलोत ने कहा, पीड़ितों का पैसा वापस दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी सरकार

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। सीएम गहलोत बार-बार केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाते रहे हैं। शेखावत जोधपुर से सांसद हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार संजीवनी साख सहकारी समिति घोटाले के पीड़ितों की जमा राशि वापस दिलाने का हर संभव प्रयास करेगी। जारी विज्ञप्ति में कहा, गहलोत ने धोखाधड़ी के पीड़ितों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद यह बात कही। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों ने मुख्यमंत्री को करोड़ों रुपये की ठगी के साथ-साथ अपनी बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बारे में बताया। सीएम गहलोत बार-बार केंद्रीय

मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाते रहे हैं। शेखावत जोधपुर से सांसद हैं। हालांकि, शेखावत ने घोटाले वाले आरोप को गलत बताया है। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को दिल्ली की अदालत में एक शिकायत भी दर्ज की, जिसमें मुख्यमंत्री गहलोत पर संजीवनी घोटाले पर टिप्पणी करके उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया। विज्ञप्ति के अनुसार घोटाले के शिकार लोगों ने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान कई पीड़ितों ने शेखावत और सोसाइटी के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह का नाम लिया। पीड़ितों में से एक शकुंतला शर्मा ने कहा कि एजेंटों ने उसे बताया था कि पैसा सुरक्षित है। शर्मा ने कहा कि उसने सोसायटी में 25 लाख रुपये का निवेश किया था। एक अन्य पीड़ित उषा ने कहा कि उसने समाज में निवेश किया था और अन्य महिलाओं से भी इसमें निवेश करवाया था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 20 लाख रुपये की राशि का निवेश किया गया था और अब वे महिलाएं उससे रोजाना पैसे वापस मांगती हैं। जयपुर के मलपुरा निवासी विष्णु ने बताया कि खुद के साथ-साथ उन्हें अपने रिश्तेदारों से करीब 5 करोड़ रुपये का निवेश कराया था। अब धन नहीं मिलने के कारण संबंधों में खटास आ गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला गंभीर है और पीड़ितों को उनकी बात सुनने के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अजमेर में तमिलनाडु पुलिस के 12 जवान गिरफ्तार

52 लाख के गोल्ड चोरी केस में नाम हटाने मांगी 25 लाख की घूस

अजमेर, 6 मार्च (एजेंसियां)। गोल्ड चोरी के केस से नाम निकालने के लिए दंपती से तमिलनाडु पुलिस के 25 लाख रुपए रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। इस सिलसिले में एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) अजमेर की टीम ने तमिलनाडु पुलिस के 12 जवानों को देर रात ट्रैप किया।

पुलिस जवानों को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। वहीं, तमिलनाडु पुलिस के जवानों ने पूछताछ में बताया कि वे 105 (करीब 52 लाख) तोला सोना चोरी के मामले में बरामदगी के लिए अजमेर आए थे। चोरी मामले में आरोपी दंपती अजमेर जिले का रहने वाला है। एसीबी के डीआईजी समीर कुमार सिंह ने बताया, '4 मार्च 2023 को शिकायत मिली

कि तमिलनाडु पुलिस की एक टीम भिनाय थाना क्षेत्र से सोनिया पत्नी पन्नालाल सोनी को घर से उठा कर ले गई है। उसका व उसके पति का नाम चोरी के कथित मुकदमे से निकालने के लिए 25 लाख रुपए की डिमांड रखी गई है। वैरिफिकेशन के बाद घूस मांगने के आरोपों की पुष्टि हुई, फिर ट्रैप की कार्रवाई की गई।'

रेलवे स्टेशन से पकड़ा

देर रात एसीबी की दो टीम डीएसपी प्रभु दयाल व राकेश वर्मा के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन के पास पहुंची और तमिलनाडु पुलिस के 12 पुलिसकर्मियों को पकड़ लिया। उनसे पूछताछ और आगे की जांच जारी है।

समीर कुमार सिंह ने बताया- जांच करने पर पता चला कि तमिलनाडु में चार मुकदमे दर्ज हैं, जहां से 105 (करीब 52 लाख) तोला सोना चोरी हुआ था। इस वारदात में भिनाय के भैरूखेड़ा के कुछ लोग शामिल थे। इनसे बरामदगी के लिए पुलिस टीम आई थी। इस संबंध में पुलिस टीम की ओर से रिकॉर्ड भी उपलब्ध कराया गया। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी दिखाई हुई है। पूछताछ के दौरान रिकॉर्ड के मुताबिक फिलहाल सब कुछ सही पाया गया।

पुलिस टीम में शामिल पुलिसकर्मियों में से अधिकांश तमिल ही बोलते है, ऐसे में एसीबी को पूछताछ में परेशानी हुई, लेकिन इसमें से कुछ को हिंदी आती थी। ऐसे में एसीबी ने उनसे बातचीत कर पूरा मामला जाना। उनकी ओर से उपलब्ध कराए रिकॉर्ड की जांच की।

बंदूक दिखाकर दो बदमाशों ने पांच मिनट में बैंक से लूटे दस लाख रुपये

बैंककर्मी की बाइक लेकर हुए फरार

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। डीसीएम चौक स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक में हथियारों से लैस दो नकाबपोश बदमाशों ने की दस लाख की लूट। सूचना पर पहुंची पुलिस जयपुर शहर में करवाई नाकाबंदी। लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस।

जयपुर में बैंक लूट की वारदात को अंजाम देते हुए बदमाशों ने दस लाख रुपये लूट लिए। शहर के अजमेर रोड स्थित डीसीएम चौराहे पर इंडियन ओवरसीज बैंक में दो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। सुबह दस बजकर आठ मिनट पर बैंक खुलते ही हथियारों से लैस दो नकाबपोश बदमाश बैंक में दाखिल हुए और बंदूक के बल पर बैंक कर्मियों को बंधक बना लिया। आरोपियों ने बंदूक के बल पर बैंक की तिजोरी खुलवाई और नकदी से भरा बैग लेकर पांच मिनट में ही लूट को अंजाम दिया। इसके बाद बदमाश बड़े आराम से बैंक कर्मी की ही मोटरसाइकिल लेकर फरार हो

गए।

शहर में कराई नाकाबंदी

डीसीएम स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक में लूट की सूचना की जानकारी लगते ही पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जयपुर शहर में तुरंत ही नाकाबंदी कराकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आसपास पूछताछ कर सुराग जुटाने मे लगी हुई है। फुटेज में देखा गया कि बाइक सवार दोनों बदमाश ने अपने चेहरे ढके हुए थे। एक ने हेलमेट और दूसरे ने कपड़े से मुंह को ढक रखा था। पुलिस फुटेज और मोटरसाइकिल के आधार पर लुटेरों की तलाश में जुटी हुई है।

पुष्कर के विकास के लिए राजस्थान सरकार कृत संकल्प

मीणा बोले- 500 करोड़ से होगा पुष्कर का कायाकल्प

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा ने किया पुष्कर का दौरा। सरोवर की पूजा अर्चना की एवं ब्रह्मा मंदिर के दर्शन कर देश एवं प्रदेश में खुशहाली की कामना की।

राजस्थान सरकार के पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा ने कहा कि पुष्कर के विकास के लिए राजस्थान सरकार कृत संकल्प है। राजस्थान के लोकप्रिय मुख्यमंत्री ने पुष्कर के विकास, जीर्णोद्धार और सुंदरीकरण के लिए 500 करोड़ रुपये की लागत के निर्माण कार्य चरणबद्ध कराने के लिए अनुमोदन कर दिया है।

पर्यटन मंत्री मीणा पुष्कर प्रवास के दौरान पत्रकारों से औपचारिक बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए

सतत प्रयास किए हैं। जिससे राजस्थान में देसी-विदेशी पर्यटकों की आमद में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग धार्मिक आस्था को बढ़ावा दे रहा है और इसके अंतर्गत कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मार्च के अंत में आयोजित होंगे कार्यक्रम

उन्होंने कहा कि राजस्थान की लोक संस्कृति लोकनृत्य लोकगीत एवं कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए मार्च के अंतिम सप्ताह में राज्य भर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पर्यटन मंत्री मीणा ने कहा कि पुष्कर में हर वर्ष होली महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री मीणा ने राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री धर्मेंद्र राठौड़ की तरफ से राजस्थान में पर्यटन को पंख लगाने के लिए एवं सवारी रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील को चलाने के लिए प्रशसा की।

ब्रह्मा मंदिर के शेष कार्यों को पूरा कराने का आग्रह

पर्यटन मंत्री मीणा ने पुष्कर प्रवास के दौरान अंतरराष्ट्रीय होली महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया एवं आमजन सें जनसंवाद किया। पर्यटन राज्यमंत्री मीणा ने तीर्थराज पुष्कर सरोवर की पूजा अर्चना की एवं ब्रह्मा मंदिर के दर्शन कर देश एवं प्रदेश में खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर ब्रह्मा मंदिर के महंत एवं साधुओं ने प्रज्ञान पुरी के नेतृत्व में राज्यमंत्री मीणा एवं निगम अध्यक्ष राठौड़ से भेंट कर राजस्थान सरकार द्वारा ब्रह्मा मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए गए प्रयासों की सराहना की एवं शीघ्र ही ब्रह्मा मंदिर के शेष विकास कार्यों को समयबद्ध पूरा करवाने के लिए आग्रह किया।

इस अवसर पर समाजसेवी अरुण पाराशर, बैजनाथ पाराशर, भागचंद दग्दी, गौरव दग्दी, महेश चौहान, शिव कुमार बंसल, हेमंत जोधा सहित कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने राज्यमंत्री मीणा का पुष्कर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया।

जयपुर में इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर नाबालिग लड़की का किडनैप

दोस्त के साथ मिलकर बनाया प्री-प्लान

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। मुहाना थाना पुलिस ने नाबालिग का किडनैप करने के मामले में आरोपी मोहित और उसके दोस्त विजय सिंह को अरेस्ट किया।

जयपुर में 14 साल की लड़की के किडनैपिंग का मामला सामने आया है। इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर बहला-फुसलाकर नाबालिग का किडनैप किया गया था। किडनैप कर उसे जयपुर से दिल्ली और पहचान छिपाकर दिल्ली से अहमदाबाद ले जाया गया। मुहाना थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर किडनैपर्स को ट्रेस आउट किया। पुलिस ने अहमदाबाद से दोनों किडनैपर्स को पकड़कर किडनैप नाबालिग लड़की को सुरक्षित छुड़वा लिया है। पुलिस ने नाबालिग को किडनैप करने के मामले में दोनों आरोपियों को रविवार रात अरेस्ट किया है। डीसीपी (साउथ) योगेश गोयल ने बताया कि नाबालिग लड़की के किडनैपिंग में आरोपी मोहित भार्गव (18) पुत्र लोकेश भार्गव निवासी बरोनी टोंक हाल

प्रियंका कॉलोनी अशोक विहार-ए सांगानेर और विजय सिंह उर्फ मोनू उर्फ डाकू (23) पुत्र मुकेश सिंह निवासी सैफउ धौलपुर हाल अशोक विहार सांगानेर को अरेस्ट किया है। दोनों आरोपियों को अहमदाबाद से पकड़ किडनैप नाबालिग लड़की को सुरक्षित छुड़ाया गया। 27 फरवरी को मुहाना थाने में 14 साल की नाबालिग लड़की के किडनैपिंग का मामला दर्ज करवाया गया। रिपोर्ट में बताया कि नाबालिग लड़की शाम के समय घर से कचरा फेंकने गई थी, जो वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला। रहस्यमय तरीके से नाबालिग के लापता होने पर पुलिस ने आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला।

158 शहीदों के नाम स्कूल नहीं, 81 परिजन बिना नौकरी

क्योंकि सरकार के पास प्लान ही नहीं, मंत्री बोलेः ये शर्म की बात

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। पांच दिन पहले सैनिक कल्याण राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा में प्रदेश के कलेक्टर्स और रेवेन्यू ऑफिसर पर आरोप लगाया था कि– वे शहीदों के परिजनों को कॉपरेट नहीं करते। वे उन्हें चक्कर कटवाते हैं।

कारण था– शहीद के परिजनों को जो सुविधाएं या सरकारी नौकरी मिलनी थीं, वो अब तक पेंडिंग हैं। राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल पिछले 6 दिनों से जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर वीरांगनाओं के साथ धरने पर बैठे हैं। अचानक धरना स्थल से उठकर वीरांगनाओं को लेकर राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र को ज्ञापन देने पहुंचे। यहां ज्ञापन सौंपने के बाद वीरांगनाये मुख्यमंत्री से मिलने का कहकर सीएम आवास की और जाने लगी, जिन्हें पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। इस बीच पुलिस के साथ धक्का-मुक्की के दौरान शहीद सैनिक रोहिताश लांबा की वीरांगना मंजू जाट घायल हो गईं, जिन्हें फ़ौरन एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया।

राजयसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने आरोप लगाया है कि वो तीनों वीरांगनाओं के साथ राज्यपाल कलराज मिश्र को ज्ञापन देने राजभवन गए थे। ज्ञापन सौंपने के बाद वीरांगनाएं मुख्यमंत्री जी से मिलने के लिए मुख्यमंत्री आवास की ओर पहुंची तो पुलिस ने उनके साथ अभद्रता व मारपीट की। इसमें पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए रोहिताश्व लांबा की पत्नी वीरांगना मंजू जाट घायल हो गईं। उन्हें एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। क्या वीरांगनाओं का प्रदेश के मुखिया से मिलने के लिए उनके सरकारी आवास की ओर जाना गुनाह है,

जो पुलिस ने उनके साथ अभद्रता व मारपीट की?'

राजस्थान के 81 शहीदों के परिजनों को सालों से नौकरी नहीं मिली है। देश की रक्षा के लिए प्राण देने वाले शहीदों के परिजन अब सरकारी सुविधाओं के लिए दर-दर की ठोकर खा रहे हैं।अनुकंपा नियुक्ति पाने के लिए रोजाना सरकारी ऑफिस के चक्कर काट रहे है। इनमें 1962 में भारत-पाक और 1965 में हुए भारत-चीन युद्ध के शहीदों के परिजन भी हैं। इनके आवेदन 2 साल से ज्यादा समय से पेंडिंग हैं। 158 स्कूल और 25 चि कि त सा संस्थान आज भी शहीद के नाम से नहीं हो पाए। वहीं, पिछले 3 साल में शहीद हुए 11 जवानों के परिजन एक मुश्त 45 लाख की नकद सहायता और पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम से वंचित है। इतना ही नहीं शहीदों के परिजन नल-बिजली कनेक्शन और रोडवेज में पास के लिए भी भटक रहे हैं।

इस मामले की जानकारी जुटाई तो सामने आया कि सरकारी योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए सिंगल क्लिक विंडो सिस्टम है। लेकिन, शहीदों के परिजनों को सरकारी योजनाएं पाने के लिए कोई ऑनलाइन आवेदन का सिस्टम और सिंगल क्लिक विंडो का ऑप्शन नहीं है। हाल ही में सदन में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि शहीदों के परिजनों को सरकारी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कोई ऑनलाइन सिस्टम नहीं है और न ही सरकार के पास ऐसा कोई प्लान या व्यवस्था है।

सैनिक कल्याण राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने भी विधानसभा में माना कि कई कलेक्टर और राजस्व विभाग के अफसर शहीदों के परिजनों का बिल्कुल सहयोग नहीं करते है। इससे एक दिन पहले ही उन्होंने जयपुर में चल रहे पुलवामा शहीदों के धरने में पहुंचकर कहा था कि ' ये सरकार के लिए शर्म की बात है।'

उन्होंने शहीदों के परिजनों को हो रही दिक्कतों के मसले को कैबिनेट मीटिंग में रखने की बात भी कही थी।

राजस्थान में बारिश-ओले गिरने का अलर्ट

आंधी चलेगी, बिजली चमकने की आशंका; फसलों को हो सकता है नुकसान

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में होली-धुलंडी पर एक बार फिर मौसम में बदलाव हो सकता है। मौसम विभाग ने आज से तीन दिन 28 जिलों में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। बारिश-ओलों के साथ आंधी भी चलने की आशंका है। ऐसे में फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक सोमवार को उदयपुर, कोटा संभाग में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। बादल छाने के साथ तेज हवाएं चलने और कहीं-कहीं ओले भी गिर सकते हैं। कई स्थानों पर बिजली भी चमक सकती है। 7 मार्च को कोटा, उदयपुर संभाग के अलावा बीकानेर, जोधपुर संभाग में मौसम बदलेगा और यहां कहीं-कहीं आंधी चलेगी। 8 मार्च को अजमेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में बारिश-ओलावृष्टि हो सकती है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इन दिनों एक हल्के प्रभाव का वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्तर भारत में एक्टिव हुआ है। इसके कारण हवा की दिशा पश्चिम से दक्षिण-पूर्वी दिशा में हो गई। इसके अलावा एक बंगाल की खाड़ी के आसपास एंटी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है, जबकि पाकिस्तान गुजरात सीमा के बीच अरब सागर के पास के साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।

इन तीनों सिस्टम के कारण राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश के आसपास एक ट्रफ लाइन बनी है। इसके अलावा इन राज्यों में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी मिल रही है, जिसके कारण ये वेदर सिस्टम बन रहा है।

गर्मी को कंट्रोल करेगा सिस्टम

मौसम विभाग ने मार्च के पहले सप्ताह में तेज गर्मी पड़ने की आशंका जताई थी। साथ ही होली पर तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने की भविष्यवाणी थी। इन सिस्टम ने मौसम विभाग की भविष्यवाणी को फेल कर दिया। मार्च का ये दूसरा सप्ताह है और लगातार दूसरा बड़ा सिस्टम बन रहा है। बारिश के साथ ओले गिरने, बिजली चमकने और धूलभरी आंधी चलने की गतिविधियां होगी। ये सिस्टम अगले 5-7 दिन तक गर्मी को कंट्रोल करेगा।

6 मार्च को बांसवाड़ा, बारां, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, उदयपुर, बीकानेर और जैसलमेर जिलों में मेघगर्जना के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश या ओले गिर सकते हैं।

7 मार्च को नागौर, जोधपुर, जालोर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, उदयपुर, टोंक, सीकर, दौसा, भीलवाड़ा, बारां, अलवर और अजमेर में बादल छाने, ओले गिरने और बिजली चमकने के साथ 30-40 किलोमीटर तक स्पीड से आंधी चल सकती है। 8 मार्च को अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, जयपुर, डूंगरपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और टोंक जिलों में बारिश होने के साथ कहीं-कहीं ओले गिरने और हवा चल सकती है।

चचेरे भाइयों ने डंडो से पीटकर की युवक की हत्या

जमीनी रंजिश के चलते हुआ विवाद, मृतक के भाई को भी पीटा

उदयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर में आदिवासी क्षेत्र कोटड़ा में जमीनी रंजिश के चलते दो जनों से डंडो से बुरी तरह पीटकर एक युवक की निर्मम हत्या कर दी।

उदयपुर में आदिवासी क्षेत्र कोटड़ा में जमीनी रंजिश के चलते दो जनों से डंडो से बुरी तरह पीटकर एक युवक की निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मामला कोटड़ा के लांबाहल्दू क्षेत्र का है। थानाधिकारी रामसिंह चूंडावत ने बताया कि लांबाहल्दू निवासी रूपा(40) पुत्र कर्मा गमार की हत्या उसके ही चचेरे भाई लांबाहल्दू निवासी प्रकाश व तेजा पुत्र हरिया ने कर दी। ये तीनों ही कोटडा खरीदारी करने आए हुए थे। यहां से लोटते समय लांबाहल्दू में इनके बीच पुराने जमीन विवाद के चलते तीखी बहस हो गई।

ऐसे में दोनों आरोपी चचेरे भाइयों ने रूपा पर डंडो से हमला कर दिया। हमले में सिर पर गहरी चोट लगने से रूपा ने मौके पर ही दम तोड दिया। बीच बचाव में रूपा का भाई फागना आया तो उस पर भी हमला किया जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लगी है जिसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। सूचना पर थानाधिकारी रामसिंह, एएसआई मन्नालाल, हैडकांस्टेबल कालूलाल जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपियों का पीछा कर पकड़ने की कोशिश की लेकिन वे भाग निकले। पुलिस ने मृतक रूपा के शव कोटड़ा सीएचसी के मुर्दाघर में रखवाया।

मृतक रूपा के शव को कोटड़ा सीएचसी मोर्चरी के डीप फ्रीजर में रखवाया गया। उस फ्रीजर के अंदर रेंगते हुए छोटे कीड़े और खून से सने फ्रीजर को देख परिजनों ने आपत्ति जताई।

सुसाइड नोट का वीडियो बनाकर थाने में खुद को लगाई आग

बोला- परिवार के साथ एसएचओ और एसीपी मेरी मौत के जिम्मेदार

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में एक युवक ने के करधनी थाने में आत्मदाह कर लिया। पेट्रोल छिड़क कर खुद को आग लगा ली। घटना गुरुवार की है। युवक की शुक्रवार दोपहर मौत हो गई। सुसाइड से पहले उसने कार में बैठकर वीडियो बनाया था, जो रविवार को सामने आया। इसमें उसने परिवार के सदस्यों के साथ ही करधनी थाना एसएचओ और एसीपी को भी अपनी मौत का जिम्मेदार बताया। मामले की जांच एसीपी (बगरू) अनिल शर्मा कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मृतक विकास शर्मा (40) गांव हरदतपुरा का रहने वाला था। वह खेती-बाड़ी का काम करता था। वह यू-ट्यूब पर फार्मिंग हिन्दी एडवाइज के नाम से चैनल चलाता था। उसने पर्चा बयान में बताया कि उसके पिता हरिराम शर्मा, चाचा पूरण मल, कानाराम, जगदीश प्रसाद, रामप्रकाश चारों की पत्नियां, इनके बच्चे इनकी पत्नियां, तीन बुआ-फुंफा उनके बेटे और बहन-जंवाई सहित सभी लोगों ने संपत्ति से बेदखल कर दिया। उसके बाद विकास का उनके दो चाचा के साथ अलग-अलग समय पर विवाद हुआ। गुरुवार को विकास को एक संपत्ति के संबंध में कोर्ट से स्टे भी मिला था।

इन सब के चलते वह गुरुवार शाम करीब 6 बजे झोटवाड़ा एसीपी के पास पहुंचा था। एसीपी ने उसे करधनी एलएचओ पास भेजा था। एलएचओ ने सुनवाई करने के बाद चौकी प्रभारी को मौके पर भेजकर स्टे के आधार पर दोनों पक्षों को पाबंद करा दिया। इस दौरान विकास ने चाचा से जगह खाली करवाने की बात कही।

रात करीब 8:30 बजे विकास कार से वापस थाने आया। थाना परिसर में घुसते ही खुद के शरीर पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा ली। पुलिसकर्मियों ने मिट्टी डालकर आग पर काबू पाया।

कांची वेलफेयर सोसायटी का नारी शक्ति पुरस्कार समारोह आयोजित

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह अंतर्गत कांची वेलफेर सोसायटी का नारी शक्ति पुरस्कार समारोह-2023 सिकंदरावाद जिरा स्थित गुजराती स्कूल प्रांगण में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। सोसायटी की कार्यक्रम संयोजिका कांची मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमतभाई पटेल, विशेष अतिथि के रूप मे मोंडा मार्केट पार्षद कोंतम दिपीका, रामगोपालपेट पार्षद सीएच. सुचित्रा, जीएचएमसी की सीएमओ डॉ पद्मजा, मार्टीन ग्रुप आफ इन्स्टीदुयशन स्कूल की सिनीयर सेंकडरी इंचार्ज मेजर के. पद्मजा, जीएचएमसी आशा वर्कर इचार्ज श्रीमती सुनंदा ने आदि भाग लिया। सम्माननिय अतिथि के रूप मे अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय मंत्री स्वामी कमलेश महाराज ने भाग लिया।

अवसर पर प्राणीमित्र रमेश जागीरार मेमोरियल फाउंडेशन की अध्यक्षा जया रमेश जागीरदार, जीएचएमसी चिफ मेडिकल ओफीसर डा पद्मजा, मार्टीन ग्रुप आफ इन्स्टीटुयशन स्कूल की सिनीयर सेंकडरी इंचार्ज मेजर के. पद्मजा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ट्रस्टी व भारतीय जैन संघठना महिला शाखा की रंजना मनीष शाह, विश्व विख्यात हेन्ड राईटींग एक्सपर्ट डॉ. समीता पंड्या, मिशन बेटी बचाओ बेटी पढाओ तेलंगाना की संयोजिका पंकजा श्रीनिवासन, श्री जैन सेवा संघ महिला विभाग की हंसा सावडिया जैन, विवेक वर्धीनी एड्युकेशन सोसायटी की मंत्री डॉ. गीता काटे, समाजसेवी का पूजा कावरा, डीएमहेचओ हैदरावाद युकुतपुरा डॉ. आयेशा, समाजसेवीका दीपा अवस्थी, वी एन्ड शी संस्था की संस्थापिका श्रव्या मंदडी, जीव दया मित्र मंडल की अध्यक्षा सरस्वतीदेवी राठी को नारी शक्ती एवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया। वहीं महिला दिवस को पुरस्कृत करते हुए 400 से अधिक जी.एच.एम.सी. वर्कर्स, आशा वर्कसर्स को गिफ्ट वोक्स प्रदान किया।

अग्रवाल समाज शाहअलीबंडा शाखा का विराट कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, शाहअलीबंडा शाखा के तत्वावधान में समाज सेवी नरेश कुमार बंसल के निवास स्थान, काशी विश्वनाथ मंदिर, शाह-अली-बंडा में 7 मार्च को सायं 6 बजे से होली के रंग, कवियों के संग विराट कवि सम्मेलन और संगीत के रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम के शाखा अध्यक्ष महावीर प्रसाद डोकानिया ने बताया कि कवि सम्मेलन में हास्य-व्यंग्य, गीत व ग़ज़ल के कवि भाग लेंगे। कवि सम्मेलन के आरंभ में संगीत का कार्यक्रम संपन्न होगा, जिसमें इंटरनेशल ग़ज़ल गायक सुल्तान मिर्जा साहब और उनके साथी गीत और ग़ज़लें प्रस्तुत करेंगे। तबले पर उस्ताद नजमुद्दीन जाविद संगत करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति तेलंगाना के पदाधिकारियों में अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, महामंत्री कपूरचंद गुप्ता, सहमंत्री सतीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान और विशेष अतिथि के रूप में हिंदू वाहिनी तेलंगाना के अध्यक्ष अशोक सेन भाग लेंगे। वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम के बीच महामूर्ख विश्वविद्यालय की ओर से नगर के प्रमुख कवियों, समाज-सेवियों, राजनीतिज्ञों को होली की उपाधियों से अलंकृत किया जाएगा। सभी कवियों को होली की विशेष माला, विशेष टोपी और स्मृति-चिह्न भेंट किये जाएँगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नरेश बंसल, राजू भाई चाटवाला, आनंद संघी, पवन कुमार डोकानिया, हरी किशन अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, पंकज गोयनका, प्रेम अग्रवाल, तरुण गोयल, रोशन अग्रवाल, प्यारेलाल गुप्ता, सालगराम अग्रवाल, संजय अग्रवाल, कन्हैया लाल, सत्यनारायण गुलखंडिया, हरद्वारी लाल गोयल, हनमंत राव कुलकर्णी, भरत बंसल, नवल किशोर गोयल, फतेहचंद मित्तल, विजय अग्रवाल आदि अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देंगे।

जन सेवा संघ द्वारा होली मिलन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ साउथ जोन द्वारा रविवार को बड़े ही धूमधाम से भव्यता से होली मिलन समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। हजारों लोगों की उपस्थिति हुई, जिसमें फरिश्ता फिल्म के मशहूर गायक बबुवा विकास एवं उनकी टीम द्वारा गीत संगीत और नृत्य का समा बाँध दिया गया एवं इसका लोगों ने इसका भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन सुनील श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी, महासचिव सुधीर जायसवाल, कोषाध्यक्ष एके मिश्रा, प्रोग्राम कॉर्डिनेटर सत्यप्रकाश सिंह, पीपी पांडेय, मदनलाल रावल, आरपी सिंह, जेपी सिंह, केएल श्रीनिवास राव, श्याममोहन यादव, मनोज यादव, जितेंदर सिंह, एके सिंह, राजनारायण सिंह, नारायण ओझा, मिंटू ओझा, गुड्डू ओझा, हरी सिंह, सुशील श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, अर्चना पांडेय, अमित चतुर्वेदी, मनोज कुमार सिंह यादव, संजय कुमार भगत, हरेन्दर चौबे, नरेंदर प्रसाद एवं टिम, धनंजय कुमार आदि उपस्थित हुए।

लोगों की प्यास मिटाने के लिए आगे आने की अपील

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बोइनपल्ली सेंटर स्थित ऑक्सफोर्ड स्कूल का प्रबंधन हर साल गर्मी के मौसम में पैदल चलने वालों की प्यास बुझाने के लिए जलशालाओं की स्थापना करता है। भाजपा नेता बनुका मल्लिकार्जुन ने मुख्य अतिथि के रूप में फाल्गुनी जलशाला का उद्घाटन किया।

छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष व समाजसेवी जम्पन्ना प्रताप ने कहा कि यह सराहनीय है कि पाठशाला मालिक लोगों की प्यास मिटाने के लिए जलशाला स्थापित कर रहे हैं। कार्यक्रम में ऑक्सफोर्ड स्कूल के निदेशक जुनीद हम्माद, प्राचार्य राजू, वीआर अस्पताल के निदेशक नंदकिशोर, भाजपा नेता तिरुपति, अजय, वेंकट चारी स्कूल के शिक्षक सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल ने की सरकारी विद्यालय की सहायता

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा चलाई जा रही सरकारी विद्यालयों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों आदि की सहायता योजना के अंतर्गत दोड्डी अलवाल स्थित जिला परिषद उन्नत पाठशाला में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की सुविधा हेतु सेवा कार्य किया गया। अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार लगभग दो लाख रुपये की लागत से दोड्डी अलवाल स्थित जिला परिषद उन्नत पाठशाला मे प्रोजेक्टर कक्ष, साइकिल स्टैंड तथा शौचालय आदि की सुव्यव्स्था हेतु निर्माण कार्य करवाया गया तथा आवश्यकता अनुसार कुर्सियाँ भेंट की गई। पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद पित्ती ने बताया कि पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा भविष्य में भी सरकारी विद्यालयों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों की सहायता की जाती रहेगी।

कुम्भ मेला अग्रवाल बंधू, अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित पंकज कुमार अग्रवाल, राजकमल, अनूप अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, सुदीप राज, प्रखर अग्रवाल, राजू व अन्य। इस अवसर पर लोगों ने प्रसाद स्वरूप ठंडाई व फलहार का आनंद लिया।

वी सुरेश ने एनएमडीसी में निदेशक (वाणिज्य) के रूप में कार्यग्रहण किया

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वनाथ सुरेश ने एनएमडीसी में निदेशक (वाणिज्य) का पदभार ग्रहण किया। उन्हें भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी के बोर्ड में कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से पहले सुरेश सेल में अधिशासी निदेशक (कोयला आयात) के पद पर थे, जिसमें 15 एमटीपीए से अधिक आयातित कोयले की खरीद की जिम्मेदारी थी। उनके पास और अधिशासी निदेशक (कॉर्पोरेट सामग्री प्रबंधन) का अतिरिक्त प्रभार भी था। खनन एवं विनिर्माण क्षेत्र में तीन दशकों

से अधिक की लंबी सेवा के साथ, उनके करियर में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में इस्पात की बिक्री और विपणन, खरीद, रणनीतिक प्रबंधन और नीति जैसे बहुमुखी क्षेत्रों में अनुभव शामिल है। वाणिज्यिक कौशल और नेतृत्व गुणों के कारण, उन्होंने प्रणाली सुधार, बिक्री और राजस्व को बढ़ावा देने के लिए अनेक पहलें कीं। वह विभिन्न औद्योगिक सम्मेलनों में प्रायः मुख्य वक्ता रहते हैं। वी सुरेश राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला (पूर्व में आरईसी राउरकेला) के छात्र रहे हैं, जहां से उन्होंने मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने मार्केटिंग में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) में मास्टर डिग्री और आईआईएम, कोझिकोड से एडवांस्ड स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट कोर्स में सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया है।

जनता सेवा समिति, छावनी परिषद के वरिष्ठ नेता श्री गणेश ने कमेटी सदस्यों भास्कर, पवन, गौतम, शरद, राजू गौड़ के सहयोग से कई स्थानों पर महिला दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं तथा उन्हें पुरस्कृत किया गया।

इस्कॉन दुलापल्ली, मेडचल में आयोजित कृष्ण के संग फूलों की होली में भाग लेते हुए भाजपा वरिष्ठ नेता मुरलीधर राव, समाज सेवी गोपाल बल्दवा, मनोज शर्मा, जसमत भाई पटेल, ठाकुर जयपाल सिंह नयाल, प्रदीप सोनी, मनोज भाई पटेल, राजेश मिश्रा, इस्कॉन के सभी संत महात्मा व सैकड़ों भक्त।

देवासी समाज बंड्लागुडा का होली मिलन आज

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंड्लागुडा स्थित देवासी समाज मंदिर प्रांगण में देवासी समाज बन्धुओं के तत्वावधान मे होली मिलन एवं बच्चों की ढूंढ का विशेष कार्यक्रम मंगलवार 7 मार्च प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष खींयाराम देवासी व सचिव किशनलाल अलवाल ने बताया कि होली मिलन कार्यक्रम व बच्चों की सामूहिक ढूंढ का कार्यक्रम मंदिर प्रांगण मे आयोजित किया जाएगा। होली के रंग-अपनों के संग कार्यक्रम के तहत भगवान को फूलों की होली खेलाई जाएगी। तत्पश्चात् चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य एवं समाज के नन्हे-मुन्हे बच्चों का ढूंढ का कार्यक्रम मंदिर प्रांगण में किया जाएगा। जिन समाज बन्धुओं को अपने बच्चों की ढूंढ करवानी हो वे अपने नाम खींयाराम देवासी, किशनलाल अलवाल व जगदीश लितरिया के पास दें।

डीके अरुणा ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

हैदराबाद, 6 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने आज मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर डॉक्टर प्रीति की मौत के मामले को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने बाद वाले को चेतावनी दी कि अगर सीएम ने मामले को कमजोर करने का कोई प्रयास किया तो उनकी पार्टी मूकदर्शक नहीं बनी रहेगी। उन्होंने सीएम से पूछा कि वह महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के मुद्दों पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सीएम महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों पर रोक लगाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताएं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने अपना दबदबा साबित करने के लिए सनसनीखेज दिशा हत्याकांड के आरोपियों का एनकाउंटर किया था।

राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा धम्माईगुड़ा भवानी फंक्शन हॉल में फागुन मास के अवसर पर आयोजित रंगारंग गैर नृत्य में उपस्थित आईजी गैर मंडली के गैरिये, मित्र मंडल के अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, पदाधिकारी व समाजबंधु।

अग्रणी महिला मंच द्वारा दोमलगुड़ा में ठंडी होलिका माता की पूजा की गई। इस अवसर पर उपस्थित हैं मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रीता अग्रवाल, संगीता जाजोदिया, स्मिता शाह व अन्य।

हश्मतगंज रेसिडेंस एसोसिएशन द्वारा आयोजित होली दहन कार्यक्रम में भाग लेते हुए गोविंद राठी, घनश्याम तोषणीवाल, सुमित राठी, रमेश, मुरली, निखिल व अन्य।

मोहन ज्वैलर्स शोरुम का भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पोट मार्केट स्थित राजस्थानी पारम्परिक एवं आधुनिक आभूषणों के मोहन ज्वैलर्स शोरुम का मंत्रोच्चारण, श्री आईमाँ की तस्वीर पर माल्यापर्ण, दीप प्रज्वलितकर मुख्यअतिथि, सम्मानित अतिथियों व शुभचिंतक ग्राहकों के करकमलों द्वारा शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। मोहन ज्वैलर्स के प्रबंधक मोहनलाल सानपुरा एवं मोहनलाल काग ने संयुक्तरुप से बताया कि मोहन ज्वैलर्स शोरुम का भव्य शुभारम्भ प्रात: वेला में श्री आईमाँ की पूजा-अर्चना, महाआरती के पश्चात् दीप प्रज्वलितकर, श्री आईमाँ के चरणों मे पुष्प व श्रीफल भेंटकर मुख्यअतिथियों व सम्मानित अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे बतौर मुख्यअतिथि सीरवी समाज अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना अध्यक्ष हरजीराम काग, सीरवी शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, सीआरपीएफडिप्टी कोमांडर रवि डुडी, जीडिमेटला सीरवी समाज अध्यक्ष मांगीलाल काग, कोरेमुला सीरवी समाज पूर्व अध्यक्ष प्रभुराम परिहारियां, भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, सीए जस्साराम बर्फा, सम्मानित अतिथि जाट समाज ट्रस्ट अध्यक्ष दूदाराम बाबल, बाबुलाल पूनिया, कैलाश जाट, अर्जुनलाल बर्फा, उप्पल कुमावत समाज अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़, तुलसाराम सिन्दड़ा, सुरेश सैंणचा, गिरीश सेन, आशाराम गेहलोत, रामलाल बर्फा, कानाराम, कालुराम काग चिंतल, गायड़राम देवासी, सुरेश कोठारी एवं कार्यक्रम मे पधारे विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीयों व सम्मानित ग्राहकों का शॉल से विशेष सम्मान किया गया। शुभारम्भ कार्यक्रम मे राजस्थानी पारम्परिक एवं आधुनिक आभूषणों को खरीदने के लिए बहुत से समाज बन्धु एवं शुभचिंतक ग्राहक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे मोहनलाल सानपुरा, नरेशकुमार, मोहनलाल काग, चन्द्रप्रकाश, विजयकुमार प्रमुखरुप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नरेशकुमार ने किया।

बोंदिली राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा होली मिलन आयोजित

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बोंदिली राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन, तेलंगाना प्रदेश की ओर से होली मिलन का आयोजन संकट मोचन हनुमान मंदिर, परिसर हुसैनीआलम किया गया।

इस अवसर पर ठाकुर नरेन्द्र सिंह बिसेन, चेयरमैन, मुख्य अतिथि, ठाकुर कुन्दन सिंह चौहान, ट्रस्टी, क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड विशेष अतिथि और ठाकुर रामेश्वर सिंह बैस, प्रदेश अध्यक्ष, बोंदिली राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन, तेलंगाना प्रदेश की अध्यक्षता में होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर ठाकुर कमल सिंह, ठाकुर रंजीत सिंह उपाध्यक्ष, ठाकुर उमेश सिंह, कोषाध्यक्ष, के.राजेश सिंह, ट्रस्टी, विश्वजीत सिंह राजपूत, डी. नरेंदर सिंह, हंसराज सिंह, राजेंदर सिंह राजन, अनिल सिंह, कल्याण सिंह, क्रान्ति सिंह,महेंदर आदि सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सोमवार की शाम ऐतिहासिक श्री अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिर, हरिबोली में शुभ होली पर्व के उपलक्ष्य आयोजित होलीका दहनम पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंदिर समिति के प्रतिनिधि एसपी क्रांति कुमार, ए.सतीश कुमार, ए.गोपाल, गोपाल महाराज व स्थानीय श्रद्धालु।

बेगम बाजार में नवनिर्मित मच्छली बाजार में स्टालों के वितरण के संबंध में डीलरों की सूची जीएचएमसी के जोनल कमिश्नर रवि किरण को सौंपते हुए बीआरएस नेता नंदू बिलाल। साथ में हैं जनता जनार्दन समिति के पप्पू, शैलेश कुर्मा, प्रदीप राज, फतेह सिंह, रमेश, शिव, दर्शन सिंह, जयपाल सिंह, गोपाल सिंह और अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमिताभ बच्चन शूटिंग ...

मेरे लिए यह कहना काफी मुश्किल है पर मैं जलसा के गेट पर अपने चाहने वालों से नहीं मिल पाऊंगा तो वो ना आएं। आप उन लोगों को भी यह बात बता दें, जो जलसा आने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा बाकी सब ठीक है।'

अमिताभ बच्चन ने दिवाली से ठीक पहले अपने पैर की नस कटने की जानकारी दी थी। उन्होंने खुद एक ब्लॉग के जरिए बताया था कि पैर की नस कटने पर खूब खून बहा। उन्हें अस्पताल का चक्कर भी काटना पड़ा, जहां डॉक्टर्स ने उनके पैर पर टांके लगाए थे।

इलाज को किफायती ...

इस वर्ष के बजट में नर्सिंग क्षेत्र के विस्तार में बल दिया गया। मेडिकल कॉलेज के पास ही 157 नए नर्सिंग कॉलेज खोलना, मेडिकल ह्यूमन रिसोर्स के लिए बड़ा कदम है। हेल्थ इंफ्रा पर उन्होंने कहा कि देश में अच्छे और आधुनिक हेल्थ इंफ्रा का होना बहुत ज़रूरी है। आज देश में डेढ़ लाख हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तैयार हो रहे हैं। इन सेंटरों में डायबिटीज़, कैंसर और हार्ट से जुड़ी गंभीर बीमारियों की स्क्रीनिंग की सुविधा है।

अप्रचलित 65 कानूनों ...

मध्यस्थता बिल लाएगी सरकार

कानून मंत्री ने कहा कि जल्द ही मध्यस्थता बिल भी लाया जाएगा ताकि मध्यस्थता को देश में संस्थागत किया जाए। रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार ने लोगों की जिंदगी को आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के हर हिस्से में लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है। एक कल्याणकारी राज्य होने के नाते ये अहम है कि हम सभी की बात सुनें। बता दें कि इस कार्यक्रम में गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत समेत 52 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

अहमदाबाद में बन रही 'सामान्य पिच'

जीसीए के अधिकारी बोले- मैनेजमेंट से निर्देश नहीं मिले; जानें भारत का इस मैदान पर रिकॉर्ड

अहमदाबाद, 6 मार्च (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा और आखिरी टेस्ट मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच में पिच कैसी होगी, इसे लेकर सस्पेंस बना हुआ है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भारत के लिए अहमदाबाद टेस्ट जीतना बहुत जरूरी है। अहमदाबाद टेस्ट जीतते ही भारत डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंच जाएगा और उसे न्यूजीलैंड-श्रीलंका के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज के नतीजों का इंतजार नहीं करना होगा। पिछले 3 टेस्ट में बीसीसीआई ने स्पिन फ्रेंडली पिचें बनवाई थीं, ऐसे में देखना होगा कि चौथे टेस्ट की पिच कैसी होगी।

गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें भारतीय टीम के मैनेजमेंट से पिच को लेकर कोई निर्देश नहीं मिले हैं। पिच क्यूरेटर एक सामान्य पिच तैयार करने में लगे हैं। ऐसे में पिच बिलकुल वैसी होगी, जैसे पिछले दिनों रणजी ट्रॉफी मैचों के दौरान थी। आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि अहमदाबाद की पिच कैसी होगी और इस मैदान पर भारत का टेस्ट रिकॉर्ड कैसा रहा है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला गया तीसरा टेस्ट तीसरे दिन ही खत्म हो गया था। 15 सेशन का

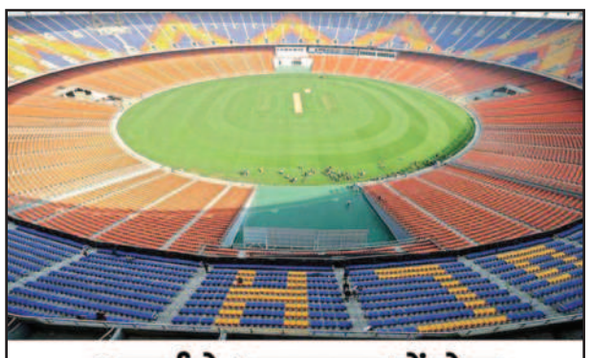

9 मार्च से अहमदाबाद में खेला जाएगा चौथा टेस्ट

खेल 7 सेशन ही चल सका। मैच में 31 विकेट गिरे, जिनमें से 26 स्पिनर्स ने लिए। जिसके बाद क्रिकेट एक्सपर्ट्स और फैंस ने पिच पर सवाल उठाए। दूसरी ओर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने स्टेडियम की पिच को 'पुअर' यानी खराब रेटिंग भी दी।

इसका मुख्य कारण था कि पिच पर स्पिनर्स को बहुत ज्यादा मदद मिली। यहां बैटर और बॉलर के बीच बराबरी का मुकाबला नहीं हुआ। पहले दिन से बॉल दब रहा था, असमान उछाल भी देखने को मिला। वहीं, इस पर किसी भी तरह की स्विंग या सीम मूवमेंट भी देखने को नहीं मिली। इन्हीं कुछ कारणों के चलते इंदौर टेस्ट की पिच पर सवाल उठे।

टीम इंडिया अहमदाबाद में 6 मैच जीती

अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम 2021 में बनकर तैयार हुआ। यहां टीम इंडिया ने अब तक 2 ही टेस्ट खेले। इस स्टेडियम से पहले अहमदाबाद के मोटेरा में सरदार पटेल स्टेडियम था। जिस तोड़कर नया स्टेडियम बनाया गया है। पुराने स्टेडियम में भारत ने 12 टेस्ट मैच खेले थे।

अहमदाबाद स्टेडियम में भारत ने पहला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ 1983 में खेला था। ओवरऑल टीम इंडिया ने अहमदाबाद में 14 मैच खेले। 6 जीते और 2 में टीम को हार मिली। इस शहर में 6 मैच ड्रॉ भी रहे। इस मैदान पर सबसे ज्यादा रन राहुल द्रविड़ के नाम है। उन्होंने यहां 7 मैच में 771 रन बनाए हैं। जबकि,अनिल कुंबले ने सबसे ज्यादा (36) विकेट लिए हैं।

2021 में आखिरी बार टेस्ट मैच खेला था

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 2021 में 4 टेस्ट मैच की सीरीज खेली थी। 4 में से 2 टेस्ट अहमदाबाद में खेले गए। उस पूरी सीरीज में भारत को स्पिन एडवांटेज मिला। अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने दोनों टेस्ट जीते। अहमदाबाद में खेला गया पहला टेस्ट 3 दिन में खत्म हो गया था। वहीं, दूसरा टेस्ट तो 2 ही दिन में खत्म हो गया। दोनों ही टेस्ट में स्पिनर्स का बोल बाला रहा, खास तौर पर अक्षर पटेल ने तो इंग्लिश बैटर्स की नाक में दम कर दिया था।

कैसी होगी अहमदाबाद की पिच?

पीटीआई के अनुसार, पिच क्यूरेटर डोमेस्टिक सीजन में यूज हुई मैचों जैसी पिच ही भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच के लिए भी बना सकते हैं। अहमदाबाद स्टेडियम में आखिरी मुकाबला 24 जनवरी 2023 रणजी ट्रॉफी का हुआ था। इसमें रेलवे और गुजरात की टीम आमने-सामने भिड़ी थीं।

रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान पिच बैटर्स के लिए ज्यादा कारगर साबित हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए रेलवे ने पहली पारी में 508 रन बनाए थे। तब कुल 30 में से 12 विकेट पेसर्स को मिले थे। अगर रणजी मैच की तरह ही चौथे टेस्ट के लिए भी पिच मिली तो दोनों टीमों के पास इस बार खूब रन बनाने के मौके रहेंगे।

पैट कमिंस नहीं खेलेंगे चौथा टेस्ट

स्टीव स्मिथ करेंगे कप्तानी; तेज गेंदबाज जाय रिचर्डसन वनडे सीरीज से बाहर

खेल डेस्क, 6 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट से बाहर हो गए है। वहीं टेस्ट के बाद होने वाले वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल जाय रिचर्डसन भी चोट की वजह से टीम से बाहर हो गए हैं।

दरअसल कमिंस की मां की तबियत खराब है। इस वजह से वें दिल्ली टेस्ट के बाद ही ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। हालांकि, उनकी वें तीसरे टेस्ट से पहले आने वाले थे, लेकिन अब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अपने परिवार के साथ रुकने का फैसला किया है। टीम के उप कप्तान स्टीव स्मिथ अहमदाबाद टेस्ट में टीम को लीड करेंगे। पैट कमिंस 17 मार्च से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में टीम में वापसी करेंगे।

इस समय ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में भारत के खिलाफ 2-1 से पीछे है। इंदौर में जीत के साथ कंगारू टीम ने चार मुकाबलों की सीरीज में वापसी की है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 9 से 13 मार्च तक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा।

रिचर्डसन भी चोटिल

टेस्ट सीरीज के बीच टीम को एक और झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जाय रिचर्डसन भारत के खिलाफ 17 मार्च से शुरू होने वाली तीन वनडे की सीरीज से बाहर हो गए है। उन्हें हैमर्सट्रिंग में चोट आई है। 26 वर्षीय रिचर्डसन की जगह टीम में मी डि य म फास्ट बॉलर नाथन एलिस को शामिल किया गया है। एलिस ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 3 वनडे खेले है।

जाय रिचर्डसन

पैट कमिंस

चोट की वजह से रिचर्डसन के आईपीएल खेलने पर भी संशय बना हुआ है। मुंबई इंडियंस ने उन्हें 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा था।

स्मिथ की कप्तानी में जीता ऑस्ट्रेलिया

इंदौर टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 9 विकेट से हरा दिया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 76 रन का टारगेट दिया था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 1 विकेट खो कर चेज कर लिया। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ ने टीम की कप्तानी की थी। 2004 के बाद ऑस्ट्रेलिया दूसरी बार भारत में टेस्ट जीता। दोनों ही टेस्ट टीम ने स्टीव स्मिथ की कप्तानी में जीते हैं।

मैच जीतने के बाद स्टीव स्मिथ ने कहा - मुझे भारत में कप्तानी करना पसंद है क्योंकि मैं यहां की कंडीशंस को समझता हूं। मैच में हर के बॉल पर रोमांच बढ़ता ही जा रहा था। इस हफ्ते मैं अपने काम से खुश हूं। डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंच कर बहुत खुश हूं।

वनडे स्क्वॉड में मार्श और मैक्सवेल की वापसी

ऑस्ट्रेलियाई टीम में ग्लेन मैक्सवेल और मिचेल मार्श की लंबे समय बाद वापसी हुई है। मैक्सवेल नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद चोटिल हो गए थे। वे एक बर्थडे पार्टी में फिसल गए थे, जिस कारण उनके पैर में चोट आई थी। वहीं, मार्श बाएं टखने की चोट के कारण काफी समय तक टीम से बाहर थे। टेस्ट सीरीज में बाहर हुए डेविड वार्नर भी वनडे सीरीज में वापसी करेंगे।

वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए वनडे सीरीज बहुत जरूरी- बेली

ऑस्ट्रेलिया के चीफ सेलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा- वर्ल्ड कप में लगभग 7 महीने बचे हैं। इस लिहाज से भारत में यह सीरीज टीम की तैयारी के लिए बहुत जरूरी है। मैक्सवेल और मार्श महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। यही स्क्वॉड शायद सात महीने बाद वर्ल्ड कप के लिए भी भारत आएगा। जोश इंग्लिश के लिए इस सीरीज का हिस्सा होना बहुत फायदेमंद होगा।

नोवाक जोकोविच ने इंडियन वेल्स से अपना नाम वापस लिया

कोरोना वैक्सीन नहीं लगाने पर अमेरिका में एंट्री पर है बैन

खेल डेस्क, 6 मार्च (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर वन टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अमेरिका के कैलिफोर्निया में होने वाले एटीपी टूर्नामेंट इंडियन वेल्स से अपना नाम वापस ले लिया है। इसकी पुष्टि रविवार को आयोजकों ने की। जोकोविच कोरोना वैक्सीन का टीका नहीं लगवाया है। वहीं अमेरिकी नीतियों के मुताबिक बिना कोरोना वैक्सीन लगवाए व्यक्ति को यूएस में एंट्री नहीं दी जाती है। जोकोविच ने अमेरिकी अधिकारियों से स्पेशल प्रवेश देने के लिए अनुरोध किया था। इंडियन वेल्स 6 मार्च से 19 मार्च के बीच होना है।

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ओपन और यूएस ओपन भी नहीं खेल पाए थे

सर्बियाई स्टार को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ओपन और यूएस ओपन से वंचित होना पड़ा था। पिछले साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ओपन के बीच में से उन्हें कोरोना वैक्सीन का सर्टिफिकेट नहीं होने के कारण वापस भेज दिया गया था। वहीं कोरोना का वैक्सीन नहीं लेने की वजह से यूएस ओपन भी नहीं खेल जाए थे।

जोकोविच जीत चुके हैं 22 ग्रैंड स्लैम

जोकोविच संयुक्त रूप से राफेल नडाल के साथ 22 ग्रैंड स्लैम जीतकर सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले टेनिस खिलाड़ी हैं। इन दोनों के बाद रोजर फेडरर 20 ग्रैंड स्लैम जीतकर दूसरे नंबर पर हैं।

डोप में फंसे बॉक्सर को खेलने से रोका गया

बीएफआई ने बिना जांच के बुल्गारिया भेज दिया था, मैच से पहले बाहर

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। स्ट्रेंड्जा कप के लिए 86 भार वर्ग में पंजाब के कार्तिक का चयन किया गया था। कार्तिक ने हिसार में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में इस भार में स्वर्ण जीता था। भारतीय मुक्केबाजी संघ (आईबीएफ) की ओर से डोप में फंसे मुक्केबाज को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट स्ट्रेंड्जा कप में खेलने सोफिया (बुल्गारिया) भेज दिया गया। इस मुक्केबाज को पहले दौर का मुकाबला खिलाने की तैयारियां भी शुरू हो गई थीं। बाउट से एक घंटे पहले इस मुक्केबाज को खेलने से रोका गया। उसे अपने प्रतिद्वंद्वी कजाखस्तान के बेकजात तांगतार को वॉकओवर देना पड़ा।

स्ट्रेंड्जा कप के लिए 86 भार वर्ग में पंजाब के कार्तिक का चयन किया गया था। कार्तिक ने हिसार में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में इस भार में स्वर्ण जीता था। उन्हें चैंपियनशिप का सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज भी आंका गया। इस प्रदर्शन के आधार पर कार्तिक का चयन 20 से 26 फरवरी को हुए स्ट्रेंड्जा कप के लिए कर लिया गया। टीम को दिल्ली से सोफिया के लिए 18 फरवरी को रवाना कर दिया गया। टूर्नामेंट शुरू भी हो गया और कार्तिक को 86 भार वर्ग की बाउट खिलाने स्टेडियम भी ले आया गया, जहां चीफ कोच सी कुटप्पा उन्हें

बाउट के लिए तैयारी भी करा रहे थे। तभी पता लगा कि कार्तिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप में डोप में फंसे हैं। इसके बाद उन्हें खेलने से रोका गया और वॉकओवर कराया गया।

हैरानी की बात यह है कि नाडा की ओर से लिए कार्तिक के सैंपल का परिणाम टीम की रवानगी से पहले ही मुक्केबाजी संघ और मुक्केबाज को भेज दिया गया था। बावजूद इसके कार्तिक को सोफिया जाने से नहीं रोका गया और उन्हें टीम के साथ भेज दिया गया। खुद कार्तिक ने भी इस बारे में किसी को नहीं बताया। दावा किया जा रहा है कि कार्तिक को रिपोर्ट नहीं मिली थी। अगर कार्तिक को सोफिया नहीं भेजा जाता तो सरकार की ओर से उन्हें भेजने, रहने, खाने का खर्च बच सकता सकता था, साथ ही टूर्नामेंट में देश को किरकिरी से बचाया जा सकता था। मुक्केबाजी संघ के एक पदाधिकारी कहना है कि कार्तिक ने रिपोर्ट के बारे में नहीं बताया, जिसके चलते उन्हें भेजा गया। उन पर अस्थाई प्रतिबंध लग चुका है।

गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्ज मैच का मोमेंट

चौका जड़ ग्रेस हैरिस ने किया पंजाबी डांस

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग शुरू हो चुका है। दो दिनों में तीन मैच खेले जा चुके हैं। शनिवार को एक मैच था, जबकि रविवार को दो मैच थे। पहले दो मैच एकतरफा रहे। पर रविवार को गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्ज के बीच खेला गया मैच काफी रोमांचक रहा। डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में यूपी वॉरियर्ज की बल्लेबाज ग्रेस हैरिस आखिरी ओवर की चौथी गेंद पर चौका जड़ने के बाद नाचने लगीं और उसके बाद उन्होंने छक्का मारकर टीम को जीत दिलाई। ग्रेस हैरिस का यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है।

दरअसल इस मैच में यूपी वॉरियर्ज ने 15.4 ओवर में 105 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। टीम को 65 रन की जरूरत थी। मैच पर पूरी तरह से गुजरात जायंट्स की पकड़ मजबूत हो गई थी। मैच यूपी वॉरियर्ज के हाथ से फिसलता हुआ नजर आ रहा था। उस समय क्रीज पर बैटर ग्रेस हैरिस क्रीज पर थीं। उन्हें सोफी

एक्लेस्टन का साथ मिला। दोनों ने 19.5 ओवर तक बैटिंग की और 26 बॉल में 70 रन जोड़कर यूपी को जीत दिला दी। दोनों ने 18वें ओवर से अटैकिंग बैटिंग शुरू की। किम गार्थ ने पारी का ये ओवर फेंका, इसमें 20 रन बने। 19वें ओवर में एश्ले गार्डनर के खिलाफ भी दोनों ने 14 रन बनाए। आखिरी 6 बॉल पर 19 रन चाहिए थे।

ग्रेस हैरिस ने खेले नाबाद 59 रन की पारी

पहली गेंद- हैरिस ने छक्का जड़ा।

दूसरी गेंद- वाइड रही। उसके बाद फेंकी गई गेंद पर 2 रन लिए।

तीसरी गेंद- हैरिस ने चौका जड़ा।

चौथी गेंद- वाइड रही। इसके बाद फेंकी गई गेंद पर हैरिस ने चौका जड़ा और स्कोर बराबर हो गया। जिसके बाद वह मैच के बीच में ही पंजाबी डांस करने लगीं।

पांचवीं गेंद- छक्का जड़ा और टीम को 3 विकेट से जीत दिलाई और फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया।

ग्रेस हैरिस ने सिर्फ 26 गेंदों में नाबाद 59 बनाए।जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल हैं। इसमें भी 2 चौके और 2 छक्के आखिरी ओवर में आए, जब यूपी को 19 रनों की जरूरत थी।

गुजरात ने 169 रन बनाए

इस मैच में टॉस जीतकर गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। टारगेट का पीछा करने उतरी यूपी वॉरियर्ज ने 7 विकेट के नुकसान पर एक गेंद शेष रहते हुए 175 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल कर लिया।

स्पॉन्सर नहीं था, बैट पर एमएसडी लिखा

नवगिरे ने फिफ्टी लगा वॉरियर्ज को जिताया, 2011 वर्ल्डकप में धोनी को देखकर क्रिकेट शुरू की

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। किरण नवगिरे ने रविवार को खेले गए डब्ल्यूपीएल मैच में गुजरात जॉयंट के खिलाफ 43 बॉल में 53 रन बनाए।

डब्ल्यूपीएल में यूपी वॉरियर्ज की बैटर किरण नवगिरे ने रविवार को गुजरात जॉयंट के खिलाफ फिफ्टी लगाकर टीम की जीत निश्चित की। नवगिरे ने 43 गेंदों में 53 रनों की पारी खेली। जितनी चर्चा नवगिरे की इस पारी की है, उससे ज्यादा चर्चा उनके बैट की हो रही है। मैच के दौरान ड्रोन कैमरा ने जब नवगिरे के बैट पर फोकस किया तो उस पर लिखा था... एमएसडी और 07 यानी महेंद्र सिंह धोनी। महाराष्ट्र के सोलापुर में जन्मी किरण नवगिरे विमेंस प्रीमियर लीग में उत्तर प्रदेश वॉरियर्स के लिए खेल रही हैं। नीलामी में फ्रेंचाइजी ने उन्हें बेस प्राइस 30 लाख रुपये में खरीदा था। वे महाराष्ट्र से है लेकिन, डोमेस्टिक क्रिकेट में वे नगालैंड की टीम से खेलती हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवगिरे को स्पॉन्सर नहीं मिला है। इसी वजह से उनके बैट पर किसी कंपनी का प्रमोशनल टैग नहीं था। नवगिरे ने धोनी का नाम लिखे बल्ले से बैटिंग की। डब्ल्यूपीएल शुरू होने से पहले एक इंटरव्यू में नवगिरे ने कहा था- मैंने धोनी को देखने के बाद ही क्रिकेट खेला शुरू किया।

नवगिरे ने इंटरव्यू में कहा- जब धोनी ने 2011 में भारत को वर्ल्ड कप जिताया, तब से मैंने उन्हें ही फॉलो किया है। मुझे पता नहीं था कि विमेंस क्रिकेट जैसी भी कोई चीज होती है। मैंने तो गांव के लड़कों के साथ कैजुअली क्रिकेट खेला शुरू कर दिया था। इसके बाद मुझे इस स्पोर्ट से प्यार हो गया। नवगिरे इंस्टाग्राम पर एक्टिव हैं। उन्होंने अपनी प्रोफाइल पिक्चर में एमएस धोनी का फोटो लगा रखा है। नवगिरे के इंस्टाग्राम पर 4500 से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। गुजरात जायंट ने 170 रन का टारगेट दिया था। यूपी वॉरियर्ज की टीम ने पावरप्ले में ही 3 विकेट गंवा दिए। किरण नवगिरे ने यहां से पारी संभाली, उन्होंने 53 रन बनाए। नवगिरे के बाद हैरिस (59 रन) और एक्लेस्टन (22 रन) ने आक्रामक बल्लेबाजी से मैच पलटकर अपनी टीम को जीत दिलाई। इस जीत के लिए मजबूत नीव नवगिरे ने अपनी अर्धशतकीय पारी से रखी।

किलियन एम्बाप्पे ने तोड़ा कवानी का रिकॉर्ड

पीएसजी के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने

खेल डेस्क, 6 मार्च (एजेंसियां)। किलियन एम्बाप्पे शनिवार को फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उनकी टीम ने लीग वन में नांतेस पर 4-2 से जीत हासिल की। एम्बाप्पे ने इंजरी टाइम में गोल किया। यह पीएसजी के लिए उनका 201वां गोल था जो कि सबसे ज्यादा है। फ्रांस के इस स्टार फुटबॉलर ने मर्साइल के खिलाफ पिछले हफ्ते की जीत में गोल के साथ एडिन्सन कवानी के 200 गोल के पिछले रिकॉर्ड की बराबरी की थी। अब पार्क डेस प्रिंसेस में इंजरी टाइम में गोल दाग अपना रिकॉर्ड

कवानी से बेहतर कर लिया।

किलियन एम्बाप्पे शनिवार को फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उनकी टीम ने लीग वन में नांतेस पर 4-2 से जीत हासिल की।

डब्ल्यूपीएल में डीआरएस का नया नियम

वाइड और नो-बॉल के खिलाफ भी रिव्यू ले सकेंगे, मुंबई इंडियंस ने सबसे पहले यूज किया

खेल डेस्क, 6 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई में डब्ल्यूपीएल यानी विमेंस प्रीमियर लीग का पहला सीजन खेला जा रहा है। इसमें पांच टीमें हिस्सा ले रही है। इस साल डब्ल्यूपीएल के साथ भारत में पहली महिला टी-20 लीग शुरू हुई है। इसके साथ ही क्रिकेट के खेल में अब एक नया नियम जुड़ गया है। डब्ल्यूपीएल में अब खिलाड़ी अंपायर के वाइड बॉल और नो-बॉल के डिसीजन को चैलेंज कर सकते है। दूसरे शब्दों में कहें तो खिलाड़ी वाइड बॉल या नो बॉल का फैसला डीआरएस के माध्यम से थर्ड अंपायर के पास भेज सकते है। इसे सबसे पहले मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टूर्नामेंट के पहले ही मैच में यूज किया।

डब्ल्यूपीएल के नियम के मुताबिक खिलाड़ी, ऑन-फील्ड अंपायर द्वारा लिए गए किसी भी फैसले के खिलाफ रिव्यू ले सकता है। खिलाड़ी को वाइड या नो-बॉल के फैसले पर भी रिव्यू लेने की अनुमति मिलती है।

13वें ओवर की आखिरी बॉल पर मुंबई की साइका ने मोनिका पटेल को गेंद फेंकी। मोनिका ने पुल शॉट खेलना चाहा, लेकिन बॉल मिस हो गई। अंपायर ने इसे वाइड बॉल बताया। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने डीआरएस लिया। रिव्यु में देखा गया की बॉल पटेल के ग्लोव से लगी है। इसके बाद अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। साइका इशाक का यह ओवर मेडन रहा और उन्होंने 3.1 ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया।

लुईस हैमिल्टन ने रोक के बावजूद ज्वेलरी पहनकर एफ-1 में कार दौड़ाई, इस कारण मिली विशेष छूट

खेल डेस्क, 6 मार्च (एजेंसियां)। एफआईए ने एफ-1 रेस में नोजपिन (ज्वेलरी) पहनकर उतरने पर रोक लगा दी थी। इस पर हैमिल्टन ने तर्क दिया है कि वह नाक में पहनी अपनी ज्वेलरी को निकाल नहीं सकते क्योंकि पहले वह ऐसा करते रहे हैं और इस कारण उनकी नाक में छाला हो जाता है।

फॉर्मूला वन कार रेसिंग की शीर्ष वैश्विक संस्था एफआईए ने सात बार के एफ-1 चैंपियन ब्रिटेन के रेसर लुइस हैमिल्टन की नाक और कानों में पहने आभूषण की जांच करने के बाद ही उन्हें बहरीन में होने ग्रां प्री के लिए अभ्यास रेस में शामिल होने की अनुमति प्रदान की। पिछले साल हैमिल्टन का एफआईए से इस बात को लेकर टकराव हो गया था कि उन्होंने नाक में सोने की ज्वेलरी पहन रखी थी। एफआईए ने एफ-1 रेस में नोजपिन (ज्वेलरी) पहनकर उतरने पर रोक लगा दी थी। इस पर हैमिल्टन ने तर्क दिया है कि वह नाक में पहनी अपनी ज्वेलरी को निकाल नहीं सकते

क्योंकि पहले वह ऐसा करते रहे हैं और इस कारण उनकी नाक में छाला हो जाता है। हैमिल्टन ने बाद में कहा है कि उनके आभूषणों को अनावश्यक इतना तूल दिया जा रहा है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। केवल वहीं एकमात्र एफ-1 रेसर हैं जो ऐसे आभूषण पहनते हैं। लोग अपने को शक्तिशाली दिखाना और साबित करना चाहते हैं। एफआईए ने अपने बयान में कान में पहने नोजपिन (नाक में सोने का आभूषण) का जिक्र नहीं किया लेकिन कहा कि हैमिल्टन को चिकित्सकीय आधार पर विशेष छूट दी गई है। चिकित्सा विशेषज्ञों की राय ली गई। नाक से नोजपिन को बार-बार हटाने लगाने से हैमिल्टन को परेशानी हो सकती है। पिछले साल मई में जब एफआईए ने आभूषणों पर रोक का फैसला लागू किया था तब हैमिल्टन विरोधस्वरूप मियामी ग्रां प्री में कई घड़ियां और अंगूठी पहनकर उतरे थे। उन्होंने तो यह भी धमकी दी थी कि वह रेसों में भाग लेने से भी हट सकते हैं।

महिलाओं की सुरक्षा के मामले में पूरे देश में एसएचई टीमों का नाम : शांति कुमारी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शी टीमों ने रन का आयोजन किया

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हैदराबाद सिटी पुलिस की शी टीमों ने सोमवार को यहां पीपुल्स प्लाजा, नेकलेस रोड पर 'एम्ब्रेस इक्विटी' रन का आयोजन किया। 2 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दौड़ में विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 5000 महिलाओं ने भाग लिया। तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में डीजीपी अंजनी कुमार और नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद के साथ दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। टैंकबंड पर फैली सुखद ठंडी हवा तथा महिलाओं द्वारा आयोजित नृत्य और वार्मअप सत्र ने प्रतिभागियों को उत्साहित किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पहली महिला मुख्य सचिव ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मामले में पूरे देश में एसएचई टीमों का नाम है। शी-टीम महिलाओं के भरोसे पर खरी उतर रही है। डीजीपी अंजनी कुमार न कहा कि हैदराबाद देश का सबसे सुरक्षित शहर है और एसएचई टीमें बेहतर सेवा प्रदान कर रही है। सिटी सीपी आनंद ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और आश्वासन दिया कि महिला की सुरक्षा हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने महिला सुरक्षा दस्ते की सेवाओं की सराहना की और आयोजन को सफल बनाने में अधिकारियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। गणमान्य व्यक्तियों के संदेशों ने उन प्रतिभागियों को प्रेरित किया जो महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के लिए अपनी एकजुटता दिखाने के लिए एकत्र हुए थे। बाद में मुख्य अतिथि ने विजेताओं को मेडल प्रदान कर बधाई दी। अतिरिक्त महानिदेशक महिला सुरक्षा, शिखा गोयल, विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सीपी (एल एंड ओ) सहित हैदराबाद सिटी पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी, ए.आर.श्रीनिवास, अतिरिक्त सीपी (अपराध और एसआईटी, प्रभारी एसएचई टीम व भरोसा), सुधीर बाबू, एडिशनल सीपी ट्रैफिक, ज्वाइंट सीपी और डीसीपी, सिरिशा राघवेंद्र, एसपी इंटेलिजेंस, हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) के कर्मचारियों और अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

स्कॉलरशिप पर विदेश में पढ़ रहे हैं तेलंगाना के 7,000 छात्र : केटीआर

आईटी मंत्री ने राजन्ना सिरसिल्ला में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन मंत्री केटी रामाराव ने बताया कि राज्य के करीब 7000 छात्र ओवरसीज स्कॉलरशिप योजना का लाभ प्राप्त कर विदेशों में अध्ययन कर रहे हैं। चूँकि शिक्षा ही गरीबी को दूर करने का एकमात्र हथियार थी, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली राज्य सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही थी और एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक और ओसी के बीच गरीबों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए 1,000 गुरुकुलम स्कूलों की स्थापना की। 204 अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय भी स्थापित किए गए। प्रत्येक छात्र पर प्रति वर्ष 1.20 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जबकि स्कूलों को बनाए रखने के लिए कुल 6,000 करोड़ रुपये हर साल खर्च किए जा रहे हैं। कुछ टिप्पणियों को याद करते हुए कि मुस्लिम लड़कियां स्कूलों में नहीं जाएंगी, रामा राव ने बताया कि अल्पसंख्यक लड़कियों को स्कूल और कॉलेज की शिक्षा प्रदान करने के लिए लड़कियों के लिए अलग स्कूल भी स्थापित किए गए थे। मंत्री ने सोमवार को सिरसिला कस्बे में 1.10 करोड़ रुपये विधायक निधि से निर्मित मैरेज हाल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, रामा राव ने कहा कि जाति और धर्म के बावजूद मुख्यमंत्री अलग तेलंगाना के गठन के बाद समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रहे थे। चंद्रशेखर राव ने हमेशा लोगों को इंसान माना है लेकिन कभी भी जाति और धर्म के नाम पर राजनीति नहीं की। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने जाति और धर्म के बावजूद विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की है। प्रदेश में चल रही किसी न किसी योजना का लाभ नवजात शिशुओं से लेकर वृद्धों तक को मिल रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ प्रदान करने में जाति, धर्म, समूह और राजनीतिक दल के नाम पर कोई भेदभाव नहीं दिखाया जाएगा और लाभ पाने के लिए पात्रता ही एकमात्र मानदंड है। पिछले साढ़े आठ वर्षों के दौरान सिरसिला को एक मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, कृषि कॉलेज, कृषि पॉलिटेक्निक कॉलेज, जेएनटीयू कॉलेज स्वीकृत किए गए थे। रामाराव ने सलाह दी कि निराधार आरोप लगाने के बजाय, विपक्षी दलों को जनता के लिए किए गए कार्यों की व्याख्या करके लोगों का मन जीतना चाहिए। बाद में, मंत्री ने सिरसिला प्रेस क्लब समिति के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया, रागुडू जंक्शन विकास कार्यों और बाईपास रोड सेंट्रल लाइट सिस्टम की नींव रखी। सुबह में, रामाराव ने थंगल्लापल्ली मंडल के जिलेल सरकारी स्कूल और पल्ले दवाखाना में एक डिजिटल कक्षा का उद्घाटन किया।

महिलाओं के खिलाफ बढ रहे अत्याचार को रोकने में सरकार विफल : बंडी

महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर भाजपा ने किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 6 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों पर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य और पार्टी के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा, राष्ट्रीय सचिव अरविंद मेनन, तमिलनाडु के लिए पार्टी के सह-प्रभारी पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी, पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य एन. इंद्रसेना रेड्डी, पार्टी विधायक इटेला राजेंदर और पार्टी के अन्य नेताओं ने भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, बंडी संजय कुमार ने कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ गया है और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी उन्हें रोकने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि वे राज्य सरकार की विफलता को उजागर करने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मेडिको प्रीति नाइक की मृत्यु के बाद से भी पार्टी विभिन्न प्रकार के आंदोलन कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं असुरक्षा की भावना के बीच अपना जीवन जी रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर जुबली हिल्स, निर्मल और मंथनी में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के बावजूद कदम नहीं उठा रहे हैं। सीएम केसीआर ने कर्नाटक में हिजाब के मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी तो वे राज्य में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार महिलाओं पर अत्याचार के आरोपियों के घरों को तोड़ रही है, उन्होंने कहा कि वे भी यूपी शैली के शासन को लागू करके सत्ता हथियाने के बाद इसी तरह का कार्यक्रम करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार सुनियोजित तरीके से प्रीति के मामले को कमजोर कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रीति के उत्पीड़न मामले के आरोपियों को नायक के रूप में दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। उसने आरोप लगाया कि प्रीती के फोन को उसकी फिंगर आईडी की मदद से एक्सेस करके उसके मामले में सभी सबूत नष्ट कर दिए गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रीति की मौत के मामले में स्पष्टता नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रीति के परिवार के सदस्यों को उनकी मृत्यु के बाद उनके शरीर को देखने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने मांग की कि सीएम सिटिंग जज से जांच कराएं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने आरटीसी कार्यकर्ता बाबू की मौत के मामले में राज्य सरकार से तथ्यों की मांग करते हुए धरना दिया।

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह : दमरे का 'सांस्कृतिक गौरव' कार्यक्रम

शहीद भगत सिंह पर प्रस्तुत स्किट ने दर्शकों में देशभक्ति की भावना जगाई

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय द्वारा परिकल्पित रुपरेखा के तहत दक्षिण मध्य रेलवे आजादी का अमृत महोत्सव के दूसरे चरण के हिस्से के रूप में साल भर चलने वाले समारोह का आयोजन कर रहा है। "सांस्कृतिक गौरव" विषय पर केंद्रित एक कार्यक्रम सोमवार को रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने पी. उदय कुमार रेड्डी, अतिरिक्त महाप्रबंधक, दमरे, राजीव किशोर, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, दमरे, के. पद्मजा, मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (सी एंड पीएस) व अध्यक्ष, ललिता कला समिति, रवि पी. पाडी, जीएम, क्रिस व उपाध्यक्ष, ललिता कला समिति उपस्थित रहे। स्वतंत्र भारत के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश के कोने-कोने में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। भारतीय रेलवे स्वतंत्रता संग्राम से गहराई से जुड़ा हुआ था, जो विभिन्न क्षेत्रों में देशभक्तों को सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से जोड़ता था। इस साल, रेलवे नौ अलग-अलग विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए साल भर चलने वाले अभियान चलाएगा। उसी के हिस्से के रूप में, रेलवे इस महीने "सांस्कृतिक गौरव" थीम मना रहा है, जिसमें हमारे स्वतंत्रता संग्राम की विरासत का सम्मान करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस अवसर पर, दक्षिण मध्य रेलवे के कर्मचारियों ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के हिस्से के रूप में 20 वीं सदी की शुरुआत में शहीद भगत सिंह के वीरतापूर्ण कार्यों पर एक देशभक्ति नाटक का मंचन किया। भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता सेनानी के आदर्शों और उनके वीरतापूर्ण कार्यों को प्रदर्शित करने वाले नाटक ने रेल निलयम सभागार में दर्शकों से खूब तालियां बटोरी। इसके बाद हमारी संस्कृति और परंपराओं के गौरव को प्रदर्शित करते हुए एक भव्य कुचीपुड़ी नृत्य कार्यक्रम (महिषासुर मर्दिनी) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, अरुण कुमार जैन ने दोनों सांस्कृतिक कृत्यों के प्रदर्शन में दक्षिण मध्य रेलवे के कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने हमारे स्वतंत्रता संग्राम पर शहीद भगत सिंह के भारी प्रभाव के साथ-साथ कुचिपुड़ी नृत्य कला जैसे हमारे पारंपरिक नृत्य रूपों द्वारा स्थानीय जनता के बीच संबंधों को मजबूत करने में निभाई गई भूमिका को याद किया। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे हमारी समृद्ध संस्कृति को बनाए रखने और विकसित करने का प्रयास करें ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उनके महत्व की सराहना कर सकें।

एमएलसी चुनाव में हर्षवर्धन रेड्डी का समर्थन करेगी कांग्रेस

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने आज महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना राज्य विधान परिषद के आगामी द्विवार्षिक चुनावों में गैलरेड्डी हर्षवर्धन रेड्डी की उम्मीदवारी के लिए अपने समर्थन की घोषणा की। कांग्रेस सांसद एन उत्तम कुमार रेड्डी ने टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और अन्य नेताओं के साथ सोमवार को गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। उत्तम कुमार रेड्डी ने शिक्षकों की बिरादरी के लिए हर्षवर्धन रेड्डी की 18 साल की समर्पित सेवा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रगतिशील मान्यता प्राप्त शिक्षक संघ के संस्थापक के पास विधान परिषद में शिक्षकों का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता और अनुभव है।

सीएम केसीआर ने होली पर लोगों को दी बधाई

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को तेलंगाना राज्य और देश के लोगों को होली के त्योहार के अवसर पर बधाई दी, जो वसंत ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है और प्रकृति के रंगीन चक्र का प्रतीक है। राज्य सरकार ने होली के त्योहार को देखते हुए सात मार्च को अवकाश घोषित किया है। मुख्यमंत्री ने यहां जारी एक बयान में कहा कि देश के लोग नई उम्मीदों के साथ होली के रूप में अपने जीवन में नवीनता का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि होली के उत्सव के दौरान, तेलंगाना के गांव चांदनी नवरात्रियों के दौरान बच्चों द्वारा जजीरी आटा और कोलाटम के गीतों से गुंजायमान हो जाते हैं। चंद्रशेखर राव ने महसूस किया कि होली का त्यौहार सभी के बीच प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने के दर्शन और मानव जीवन को एक उत्सव की अवधारणा के रूप में विकसित करता है।

एनएसयूआई ने की कॉरपोरेट कॉलेजों की मान्यता रद्द करने की मांग

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एनएसयूआई ने आज मांग की कि राज्य सरकार राज्य के कॉरपोरेट कॉलेजों की मान्यता रद्द करे। इसने नामपल्ली में इंटरमीडिएट बोर्ड के कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि राज्य सरकार उनकी मांग को पूरा करे। इस अवसर पर बोलते हुए, रंगारेड्डी जिला इकाई के अध्यक्ष विष्णुवर्धन रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार कॉर्पोरेट कॉलेजों के पक्ष में काम कर रही है। यह कहते हुए कि कॉर्पोरेट कॉलेज छात्रों को एक शाखा में प्रवेश दे रहे हैं और उन्हें अपनी अवैध शाखाओं में पढ़ा रहे हैं, उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार कॉर्पोरेट कॉलेजों और इंटरमीडिएट बोर्ड के बीच समझौते का पर्दाफाश करे। उन्होंने इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के छात्र सात्विक की आत्महत्या का जिक्र करते हुए कहा कि श्री चैतन्य जूनियर कॉलेज की नरसिंगी शाखा में आत्महत्या करने वाले सात्विक का प्रवेश होने के दौरान उन्होंने कहा कि पीड़िता का प्रवेश दूसरी शाखा में था. सात्विक का पोस्टमॉर्टम उस्मानिया जनरल अस्पताल में किए जाने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट गांधी अस्पताल के अधिकारियों द्वारा जारी की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी सात्विक की आत्महत्या की घटना की व्यापक जांच कराने में विफल रहीं। कॉरपोरेट कॉलेजों के प्रबंधन की बैठक का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि यह बैठक सत्ताधारी बीआरएस पार्टी को पार्टी फंड देने के लिए की जा रही है. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस मामले की उचित जांच नहीं की गई तो राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। विरोध प्रदर्शन में संगठन के जिला महासचिव रंजीत, संदीप और विनोद चारी समेत अन्य ने भी हिस्सा लिया।

टीपीसीसी ने अगले विधानसभा चुनाव में बीआरएस विधायकों की हार की भविष्यवाणी की

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने आज भविष्यवाणी की कि अगले विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी बीआरएस पार्टी का कोई भी विधायक नहीं जीतेगा। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि भाजपा को आठ से अधिक सीटें नहीं मिलेंगी। चटनपल्ली में आयोजित पार्टी के हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए गौड़ ने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा दोनों एक आंतरिक समझौते के बाद अगले विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि दोनों पार्टियां चुनाव जीतने के लिए 200 करोड़ रुपये से 300 करोड़ रुपये खर्च करने की तैयारी कर रही हैं, जैसे उन्होंने हुजुराबाद और दुब्बाका विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों में राशि खर्च की थी। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर अगले विधानसभा चुनाव में जीतने के लिए पैसा खर्च करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि बीआरएस और बीजेपी से पैसे लेकर कांग्रेस पार्टी को वोट दें. उन्होंने कहा कि सीएम ने 16,000 करोड़ रुपये के सरप्लस तेलंगाना राज्य को 5.5 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में डूबे राज्य में बदल दिया और नोट किया कि राज्य के प्रत्येक नागरिक के सिर पर 2 लाख रुपये का कर्ज है।

तेलंगाना में फॉक्सकॉन की निर्माण इकाई स्थापित करने की पुष्टि

ग्रुप के अध्यक्ष यंग लियू ने सीएम केसीआर को लिखा पत्र

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप (होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड) के अध्यक्ष यंग लियू ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखकर तेलंगाना में फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी की निर्माण इकाई स्थापित करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

यंग लियू ने कोंगर कलां में विनिर्माण सुविधा जल्द से जल्द शुरू करने हेतु कोंगर कलां पार्क के संचालन में तेलंगाना टीम के सहयोग की मांग की। पत्र में यंग लियू ने लिखा कि वह जल्द ही केसीआर से मिलने के लिए उत्सुक हैं। अध्यक्ष यंग लियू ने मुख्यमंत्री को अपने निजी अतिथि के रूप में ताइवान आने का निमंत्रण दिया और कहा कि ताइपे में केसीआर की मेजबानी करना उनके लिए सम्मान की बात होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार फॉक्सकॉन अध्यक्ष यंग लियू का यह पत्र मीडिया के एक वर्ग द्वारा उठाए गए संदेहों को स्पष्ट करता है कि फाक्सकॉन कंपनी तेलंगाना में विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यंग लियू ने 2 मार्च को अपनी बैठक के दौरान सीएम केसीआर के साथ चर्चा का उल्लेख किया। बीते 2 मार्च को सीएम केसीआर और फॉक्सकॉन अध्यक्ष यंग लियू, प्रगति भवन, हैदराबाद में मिले थे तो यह सहमति हुई थी कि फॉक्सकॉन एक लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजन क्षमता के साथ तेलंगाना में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगी।

सीएम केसीआर ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना ताइवान को एक स्वाभाविक साझेदार मानता है और यह राज्य फॉक्सकॉन की विकास की कहानी का हिस्सा बनकर खुश है। इस अवसर का उपयोग सीएम केसीआर और यंग लियू ने एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में विविधता लाने और राज्य सरकारों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका के महत्व पर चर्चा करने के लिए किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नई औद्योगिक नीति को लागू करने में सफल रही है और तेलंगाना में भारी निवेश आकर्षित किया है। सीएम केसीआर ने कहा कि फॉक्सकॉन का भारी निवेश और तेलंगाना राज्य में एक लाख से अधिक रोजगार सृजित करने का अवसर सराहनीय है।

हाईकोर्ट में होली का अवकाश आज

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उच्च न्यायालय ने 8 मार्च और 2 सितंबर के अलावा उच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत काम करने वाले कार्यालयों के लिए "होली" के कारण 7 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। शनिवार को हाईकोर्ट में काम कर रहे हैं। उच्च न्यायालय की अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए, उच्च न्यायालय ने 7 मार्च को उच्च न्यायालय, राज्य न्यायिक अकादमी, सिकंदराबाद, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, हैदराबाद, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, हैदराबाद तथा राज्य में उच्च न्यायालय मध्यस्थता एवं मध्यस्थता केंद्र के अलावा 8 मार्च और 2 सितंबर को हाईकोर्ट ने शनिवार को कोर्ट वर्किंग के रूप में घोषित किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.